नई दिल्ली
रविवार, 29 जून 2025
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 75
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 27

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 टेस्ट क्रिकेट की गेंदबाजी औसत में बुमराह भारत के नंबर 1 खिलाड़ी

आजकल पेज
8 विदेश नीति में 'स्टैंड' लेने का वक्त

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

लॉ के छात्रों को बड़ी राहत, कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक कानून छात्र को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई एहतियाती हिरासत से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस हिरासत को पूरी तरह से गलत और असंगत बताया। बता दें कि, ये मामला मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का है, जहां अनु उर्फ अनिकेत, जो कि एक कानून का छात्र है।

सीबीडीटी के अध्यक्ष का कार्यकाल केंद्र ने बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाकर जून 2026 तक कर दिया है। अग्रवाल 1988 बैच के आईआरएस के अधिकारी हैं और वह 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे। उन्हें जून 2024 में एक वर्ष के लिए सीबीडीटी का प्रमुख नियुक्त किया गया था।

इथियोपियन फ्लाइट की मुंबई में लैंडिंग

मुंबई। अदीस अबाबा से मुंबई आ रही एथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट ईटी 640 को शुक्रवार की रात एक बड़ी तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ा। विमान को गंभीर हालात में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रात करीब 1 बजकर 55 मिनट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी।

बिहार: देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग

पटना। देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग की गई है। बिहार के 26 जिलों की 42 नगर पालिकाओं के उपचुनाव हो रहे हैं। इसमें छह नगर पालिकाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग हो हुई है। यह प्रोजेक्ट वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए किया गया है।

पीएम मोदी ने स्पेस मिशन पर गए शुभांशु शुक्ला से बात की

शुभांशु बोले- अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है, रोज 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं

दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकंड बातचीत हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्सियम मिशन 4 पर गए भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल पर बातचीत की। पीएम ऑफिस ने शनिवार शाम 5.49 बजे इस बातचीत का वीडियो जारी किया। दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकंड बातचीत हुई।

शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। शुभांशु ने कहा कि हां, साथियों के साथ बैठकर खाया।

प्रधानमंत्री से पूरी बातचीत

- प्रधानमंत्री- आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ भी है। क्या वहां सब ठीक है? क्या आप ठीक हैं?
- शुभांशु- पीएम मोदी आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहां ठीक और सुरक्षित हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है। आपके नेतृत्व में आज का भारत अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई मौके देता है। मैं यहां भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।
- प्रधानमंत्री- आपको पृथ्वी माता की परिक्रमा का मौका मिला है, आप अभी कहां हैं?
- शुभांशु- हम 16 बार परिक्रमा करते हैं, 16 सनराइज और 16 सनसेट देखते हैं। 28 हजार किमी/घंटे की रफ्तार से चलते हैं। यह गति दिखाती है कि हमारा देश कितनी गति से आगे चल रहा है।
- प्रधानमंत्री- अंतरिक्ष की विशालता देखकर सबसे पहला ख्याल क्या आया?
- शुभांशु- पहला व्यू पृथ्वी का था। इसे देखकर पहला ख्याल ये आया कि पृथ्वी एक जैसी है। बाहर से सीमा रेखा, कोई बॉर्डर नहीं दिखता। भारत को देखा तो वो बहुत भव्य और बड़ा दिखता है। अनेकता में एकता दिखती है पृथ्वी की। पृथ्वी हमारा घर है और हम सब एक हैं।
- प्रधानमंत्री- आप वास्तविक स्थिति में हैं, वहां की परिस्थितियां कितनी अलग हैं?
- शुभांशु- जब पहली बार हम लोग ऑर्बिट में पहुंचे तो पहला व्यू पृथ्वी का था। जब अंतरिक्ष से भारत को देखा तो पता लगा कि जो हम मैप में जो अपने देश को देखते हैं, वो उतना नहीं है, लेकिन भारत सच में बहुत भव्य और बड़ा दिखता है। आपसे बात करते वक्त मैंने अपने पैर बांध रखे हैं क्योंकि यहां जीरो ग्रेविटी है, ऐसा नहीं करूंगा तो उड़ने लगूंगा। यहां सोना बहुत बड़ी चुनौती है।
- प्रधानमंत्री- क्या मेडिटेशन का लाभ मिलता है?
- शुभांशु- यहां माइंडफुलनेस का भी बहुत असर पड़ता है, क्योंकि लॉन्च के दौरान की स्थिति बहुत अलग होती है, लेकिन जब दिमाग को शांत रखते हैं तो बेहतर निर्णय ले सकते हैं। ऐसे चैलेंजिंग समय में ये सब बहुत फायदेमंद होता है। ये यात्रा अद्भुत रही, यहां पहुंचने के बाद मुझे लगता है कि ये मेरे देश के लिए बड़ा अचीवमेंट है मैं देश के बच्चों से कहूंगा कि आप अपना भविष्य बेहतर बनाइए। क्योंकि इससे न सिर्फ बच्चों का बल्कि देश का भविष्य भी उज्जवल होगा। हमेशा एक बात मन में रखें कि स्काई इज नेवर द लिमिट। मेरे पीछे जो आप तिरंगा देख रहे हैं ये पहले नहीं था, मैंने कल ही इसे यहां लगाया है, ये मुझे बहुत भावुक करता है।

'कांटा लगा' गाने से बनी थी म्यूजिक इंडस्ट्री की सनसनी, ब्लड प्रेशर लो हुआ और पड़ गया दिल का दौरा

जवां रहने व स्लिम होने की लेती थीं दवाएं, 42 साल में शेफाली जरीवाल की हार्ट अटैक से मौत

एक्ट्रेस जवान दिखने के लिए 6 साल से कोई खास ट्रीटमेंट करवा रही थीं। साथ ही पतला होने की दवा लेती थीं। जिसके चलते उन्हें स्पेशल डाइट और कई दवाइयों का सेवन करना पड़ता था

» उन्हें पास के बेल व्यू अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया

» पुलिस और फॉरेंसिक की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टीवी से लेकर म्यूजिक एल्बम और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत से हर किसी को शॉक्ड कर दिया है। 27 जून को शेफाली ने 42 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। शेफाली लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से भी जूझ रही थीं। अब शेफाली की मौत के बाद उनके डॉक्टर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। डॉक्टर ने बताया है कि एक्ट्रेस जवान ▶▶ शेष पेज 5 पर

घर पर पूजा खत्म होने के बाद बिगड़ी तबीयत

पराग त्यागी ने पुलिस को बताया है कि कपल ने गत 27 जून 2025 को अपने घर में सत्यनारायण की पूजा थी। दिनभर पूजा के चलते शेफाली काफी थक गई थीं। ऐसे में पूजा समाप्त होते ही वह अपने कमरे में जाकर सो गई थीं। इसके बाद वह शाम 6 बजे सोकर उठीं तो उनका बीपी काफी लो हो गया था। सोकर उठने के बाद से ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी। ऐसे में शेफाली ने खुद ही सलाइन लिया लेकिन उनकी हालत और खराब होने लगी थी। उनका लो बीपी अचानक ही हाई होने लगा था। बीपी हाई होने के बाद शेफाली बेहोश हो गई थीं जिसके ▶▶ शेष पेज 5 पर

भाजपा ने लॉ छात्रा से गैंगरेप के मामले में मांगा सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में 25 जून को एक छात्रा से हुई गैंगरेप को राज्य प्रायोजित अपराध बताते हुए कहा कि अब सिर्फ सफाई नहीं, ममता बनर्जी को माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने शनिवार को केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ने कहा कि मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा टीएमसी स्टूडेंट विंग से जुड़ा, पूर्व सेक्रेटरी और पार्टी के नेताओं के करीबी है। पीड़िता की लिखित शिकायत में बलात्कार, ब्लैकमेल, धमकी और मेडिकल सहायता से इनकार तक भयावह विवरण सामने आए हैं। इस मामले में गार्ड की चुप्पी और कॉलेज यूनियन की भूमिका ने मामले को और गंभीर बना दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय ▶▶ शेष पेज 5 पर

» देश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता: पात्रा

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था- संविधान की प्रस्तावना से सेकुलर और समाजवाद शब्द हटाए जाएं

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- जो शब्द जोड़े गए वे नासूर, सनातन की आत्मा का यह अपमान

» भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ

» इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया। इसमें 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्द जोड़ दिए गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द हटाए जाने को लेकर जो बहस शुरू की अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसको और आगे बढ़ा दिया है, उपराष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रस्तावना ▶▶ शेष पेज 5 पर

'ऑपरेशन सिंदूर' में निभाई थी अहम भूमिका

आईपीएस अधिकारी पराग जैन होंगे नए रॉ प्रमुख, वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे

▶▶ सिन्हा का कार्यकाल 30 जून को खत्म

- पराग जैन का कार्यकाल दो साल होगा, 1 जुलाई को संभालेंगे पदभार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे। रवि सिन्हा का मौजूदा कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। पराग जैन का कार्यकाल दो साल होगा। वे 1 जुलाई 2025 तक के निश्चित कार्यकाल के लिए यह पदभार ग्रहण करेंगे। पराग जैन वर्तमान में एविएशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और आतंकी शिविरों के ठिकानों के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खुफिया हलकों में 'सुपर जासूस' के तौर पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

स्कूटर छू जाने को लेकर हुआ झगड़ा

युवक की चाकू घोंपकर हत्या

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ तीन व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

दिल्ली के गीता कॉलोनी इलाके में स्कूटर हल्का सा छू जाने को लेकर कहासुनी के बाद आरोपियों ने स्कूटर पर सवार 20 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रानी गार्डन के निवासी यश को शुक्रवार रात करीब नौ बजकर 41 मिनट पर लक्ष्मी नगर के अस्पताल में ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रिहान, मोहम्मद अमान और लकी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार यश स्कूटर से घर जा रहा था, तभी उसका दोपहिया वाहन कथित तौर पर रिहान को छू गया, जिससे दोनों के बीच तीखी बहस हुई। उन्होंने बताया कि रिहान के दो साथियों - अमान और लकी भी इस विवाद में शामिल हो गए।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तीनों आरोपियों ने यश का गीता कॉलोनी पुस्ता फ्लाईओवर की ओर पीछा किया। पीछा करने के दौरान अमान ने कथित तौर पर यश की पीठ के निचले हिस्से में चाकू घोंप दिया। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने यश को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

हत्या को रोड रेज मामले तक सीमित ना समझें पुलिस : भाजपा

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गीता कॉलोनी के 21 वर्षीय युवक यश की हत्या पर शोक व्यक्त किया है और दिल्ली पुलिस से आग्रह किया है कि इस मामले को रोड़ रेज मामले तक सीमित ना समझें, इस मामले की तेजी से सघन जांच की जाए ताकि हत्या के वास्तविक कारण का पता चल सके क्योंकि मृतक के परिजनों ने कुछ संदेह प्रकट किया है। मल्होत्रा ने कहा कि पूर्वी दिल्ली भाजपा पीडित परिवार के साथ खड़ी है और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए परिवार स्थानीय विधायक डॉ. अनिल गोयल या शाहदरा जिला अध्यक्ष श्री दीपक गाबा से संपर्क कर सकता है। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार दोपहर स्थानीय विधायक डॉ. अनिल गोयल के साथ रानी गार्डन स्थित मृतक के परिजनों के घर जाकर शोक संतप्त माता-पिता से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। हर्ष मल्होत्रा ने परिजनों को आश्वस्त किया कि दिल्ली पुलिस इस मामले की पूरी गहनता से जांच करेगी और एक मजबूत एवं पुख्ता केस तैयार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली सरकार की ओर से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए सर्वोत्तम विधिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार शाम को युवक यश के अंतिम संस्कार में शाहदरा जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक गाबा एवं अन्य स्थानीय पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। इनमें से पांच 'ट्रांसजेंडर' के भेष में रह रहे थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से सात के फोन में प्रतिबंधित मैसेजिंग ऐप मिले हैं जिनके जरिये वे बांग्लादेश में अपने परिजनों से बात करते थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहली कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लगभग 100 झुग्गियों और 150 गलियों को घेर कर सत्यापन अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने पूछताछ के दौरान शुरुआत में बचने की कोशिश की, लेकिन बाद में बांग्लादेशी नागरिक होने की बात कबूल कर ली। बाद में जांच के दौरान उसके परिवार के सदस्यों का भी पता लगाया गया। पुलिस ने बताया कि कुल 13 बांग्लादेशी नागरिक वैध कागजात के रहते हुए मिले। अधिकारी ने बताया कि दूसरी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जो पहचान छिपाने के लिए ट्रांसजेंडर बने हुए थे। पुलिस ने बताया कि सभी 18 लोगों को विस्तृत पूछताछ और दस्तावेज़ीकरण के लिए विदेश प्रकोष्ठ में स्थानांतरित किया गया। उनके पास से सात मोबाइल फोन बरामद किये गये जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल किए गए थे।

'आप' का झुग्गियों को लेकर भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन आज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ने के लिए भाजपा के खिलाफ आज जंतर मंतर पर सुबह 10 बजे प्रदर्शन करेगी। इस प्रदर्शन में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता व पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत तमाम बड़े नेता शामिल होंगे। इस बात की जानकारी देते हुए आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने गरीब झुग्गीवालों से वादा किया था कि जहां झुग्गी है, वहां मकान बनाकर देंगे। भाजपा के झांसे में आकर गरीबों ने वोट देकर उनकी सरकार बनवा दी। सरकार बनने के चंद दिनों बाद ही भाजपा इन गरीबों की झुग्गियां उजड़ना शुरू कर दिया है। अब तक करीब 10 हजार झुग्गियां तोड़ी जा चुकी हैं और एक लाख से अधिक गरीब झुग्गीवाले बेघर हो चुके हैं। इनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है। भाजपा ने जिन लोगों को मकान दिया भी तो वह काफी दूर दिया है, जहां कोई बुनियादी सुविधा नहीं है। जबकि काफी लोगों को अपात्र बताकर मकान नहीं दिया गया है और ये लोग सड़क पर रहने क लिए मजबूर हैं। सौरभ ने कहा कि भाजपा दिल्ली से गरीबों को बाहर निकालना चाहती है। इसलिए वह एक-एक झुग्गियों को उजाड़ रही है।

आईपीयू के बीस पीजी प्रोग्राम में होंगे सीयूईटी स्कोर से भी दाखिले

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के बीस पीजी प्रोग्राम में सत्र 2025-26 के लिए सीयूईटी स्कोर से भी दाखिले होंगे। आईपी यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए स्पष्ट किया है कि संबद्ध प्रोग्राम के लिए उपलब्ध नेशनल लेवल टेस्ट और यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा की मेरिट समाप्त होने के बाद संबद्ध प्रोग्राम के लिए आयोजित सीयूईटी स्कोर के आधार पर भी दाखिले होंगे। बताया गया कि एमबीए, एमसीए(सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग)/ एमसीए, एमएएमसी, एमपीटी(एम/एन/एस/सी), एमएससी (एनवायरनमेंट मैनेजमेंट), एलएलएम, एमए (इंग्लिश), एमएड, एम. टेक (सीएसजी), एम. टेक (ईजी), एमए (इकोनॉमिक्स), पीजी इन एप्लाइड जियोइनफ़ॉर्मेटिक्स), एमएससी (योग), एमएससी (मेडिसिनल केमिस्ट्री एंड ड्रग डिज़ाइन), एमएससी (बायोइनफ़ॉर्मेटिक्स), एमएससी (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक), एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी), एमएस (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी), बीएड और बीएड (स्पेशल एजुकेशन) जैसे बीस प्रोग्राम में सीयूईटी स्कोर से दाखिले के अभिलाषी उम्मीदवार पचीस सौ रूपये के आवेदन एवं काउंसलिंग शुल्क के साथ 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जीटीबी अस्पताल के निकास द्वार के उपयोग को लेकर हुई झड़प में प्रोफेसर घायल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में मरीज से मिले आए तीन लोगों और स्टाफ कॉलोनी के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सदस्यों के बीच निकास द्वार के इस्तेमाल को लेकर हुए झगड़े में मेडिकल कॉलेज के एक प्रोफेसर घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने बताया कि शुक्रवार शाम को अस्पताल में एक मरीज से मिलने दो मोटरसाइकिलों पर आए तीन लोग आवासीय कॉलोनी के गेट से बाहर निकल रहे थे, तभी आरडब्ल्यूए सदस्यों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता, अस्पताल से संबद्ध मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. कुलदीप और आरडब्ल्यूए के चार-पांच सदस्यों ने मरीज से मिलने आए लोगों से बहस की और कॉलोनी निवासियों के लिए बने गेट का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई। पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीखी नोकझोंक हुई जो जल्द हाथापाई में बदल गई, जिसमें डॉ. कुलदीप के माथे के पास मामूली चोट आई है। एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना में शामिल तीन लोगों में से एक पहले इस कॉलोनी का निवासी था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तो सुरक्षा गार्ड और शिकायतकर्ता ने जानबूझकर गेट बंद कर दिया, जिसके बाद उन्हें घेर लिया गया और बाहर निकलने नहीं दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जीटीबी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक भी तय की गई है।

प्रतिबंधित चीनी मांझा सहित दो दबोचे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से प्रतिबंधित चीनी मांझा के 1,100 से अधिक रोल बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। चीनी मांझा कांच और प्लास्टिक से तैयार किए जाने के कारण मनुष्यों और पशुओं के लिए खतरनाक माना जाता है। उन्होंने बताया कि आरोपियों राजू चौरसिया (51) और अरीब खान (22) को क्रमशः उत्तम नगर और कमला मार्केट से गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 26 जून को पहले अभियान में पुलिस ने उत्तम नगर में एक दुकान-सह-गोदाम पर छापा मारा और चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सोम बाजार रोड स्थित उसके परिसर में रखे चीनी मांझा के 922 रोल बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से प्रतिबंधित मांझा बेचने की बात स्वीकार की। अधिकारी ने बताया कि उसने पुलिस को बताया कि वह अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इसे स्थानीय दुकानदारों और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से बेचता था। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 2022 में भी उस पर इसी तरह के आरोप दर्ज किए गए थे।

अधिकारी ने बताया कि एक अन्य मामले में पुलिस ने 27 जून को रामलीला मैदान के निकट कमला मार्केट इलाके से खान को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उसके पास से प्रतिबंधित मांझा के 248 रोल बरामद किये गये। दरियागंज निवासी खान पहले कपड़े की एक दुकान पर काम करता था और अधिक मुनाफा कमाने के लालच में आकर वह मांझा के अवैध व्यापार में शामिल हो गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (बी) (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

नौकरी दिलाने वाले के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

■ चार लोगों को किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने उस साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो सोशल मीडिया मंचों पर होटल और रेस्तरां को रेटिंग देने से जुड़ी फर्जी अंशकालिक नौकरियों की पेशकश करके कथित तौर पर लोगों के साथ धोखाधड़ी करता था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। फैशन डिजाइनिंग की 32 वर्षीय एक छात्रा के साथ जालसाजों द्वारा 90,800 रुपये ठगे जाने की शिकायत के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि इस सिलसिले में अंशुल कुमार (20) और संदीप (19) को 20 जून को जबकि राजेंद्र (23) और रवींद्र (20) को 22 जून को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया ने बताया कि कुल मिलाकर, विभिन्न जिलों और राज्यों में समान बैंक खातों से जुड़ी 15 शिकायतें सामने आईं। अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया पर एक संदेश मिला जिसमें होटल और रेस्तरां को रेटिंग देने से जुड़ी फर्जी अंशकालिक नौकरियों की पेशकश की गई थी। उन्होंने बताया कि शुरू में उसे कुछ राशि दी गई, जिससे उसे उन पर भरोसा हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद उसे 90,800 रुपये निवेश करने को कहा गया, जिसके बदले में अच्छा मुनाफा मिलने का झांसा दिया गया, लेकिन बाद में कोई पैसे नहीं लौटाए गए और ठग बार-बार और पैसे मांगते रहे। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान सामने आया कि अंशुल और संदीप ने अपने बैंक खातों को राजेंद्र और रवींद्र को दो प्रतिशत कमीशन पर उपलब्ध कराया था। इसके बाद इन खातों को विजय नाम के एक व्यक्ति को तीन प्रतिशत कमीशन पर बेचा गया, जो फिलहाल फरार है। पुलिस ने चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो बैंक पासबुक जब्त की हैं।

पुलिस को संदेह है कि ठगी के पैसों को आरोपी यूएसडीटी नाम की क्रिप्टोकरेंसी में बदलते थे।

प्रदूषण के नाम पर बीएस फॉर ट्रकों के दिल्ली में रोक से ट्रांसपोर्टरों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (एआईएमजीटीए) ने प्रदूषण के नाम पर बीएस बीएस-4 मालवाहक डीजल वाहनों व ट्रकों के प्रवेश पर रोक पर गहरी नाराजगी जताई है। इस मुद्दे पर एआईएमजीटीए के अध्यक्ष राजेद्र कपूर ने कहा कि प्रदूषण के नाम पर दिल्ली सरकार की और से 1 नवंबर से बीएस-4 मालवाहक डीजल वाहनों की दिल्ली में एंट्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्णय एकतरफा, असंवेदनशील और अव्यावहारिक है। कपूर ने कहा कि यह निर्णय न केवल दिल्ली के लाखों ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को बर्बाद करेगा बल्कि राजधानी के व्यापारी वर्ग को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस नोटिफिकेशन को तुरंत वापस नहीं लेगी तो तय है कि मजबूरी में ट्रांसपोर्ट-व्यापारी दिल्ली में आंदोलन करेंगे। इस आंदोलन से राजधानी के हजारों ट्रकों के पहिए थम सकते हैं और जरूरी चीजों की आपूर्ति पर संकट गहरा जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन के द्वारा ट्रांसपोर्टर दिल्ली सरकार से अपील व मांग करते हैं कि इस नोटिफिकेशन को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। सरकार को चाहिए कि वह इस गंभीर मुददे पर तुरंत ट्रांसपोर्टरों और व्यापारी संगठनों से बैठकर चर्चा करे व उचित व्यावहारिक समाधान निकाले। उन्होंने कहा कि अगर प्रदूषण के चलते ऐसे बदलाव जरूरी है तो बीएस-4 को बीएस-5 में बदलने के लिए सरकार को चाहिए कि वह सब्सिडी योजना लाकर ट्रांसपोर्टरों को सहयोग करें हौसला बढ़ाए। यह मामला केवल ट्रांसपोर्ट का नहीं है, बल्कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था, व्यापारिक गतिशीलता और लाखों परिवारों के रोजगार से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि पहले ही लाखों वाहन मालिक बैंक के लोन की ईएमआई, बीमा, कई तरह के टैक्स व अन्य तरह के दायित्वों में बंधे हुए हैं। ऐसे में अगर सरकार एकाएक वाहनों पर प्रतिबंध लागाकर खड़ा करवा देगी तो जाहिर है कि लाखों लोगों के जीवन व्यापन पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। वहीं दूसरी तरफ वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने इस मुददे को लेकर रविवार को पंजाबी बाग क्लब में एक बड़ी बैठक बुलाई है जिसमें सरकार के इस कदम पर आगामी रणनीति पर चर्चा होगी।

नशे के विरुद्ध कांग्रेस का युद्ध अभियान के तहत डीपीसीसी ने 70 विधानसभा में निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव की अगुवाई में नशे के विरुद्ध कांग्रेस का युद्ध अभियान में शनिवार को दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अपने चुनावी क्षेत्र बादली विधानसभा में नशे के विरूद्ध युद्ध, रैली निकालकर जहां युवाओं को नशे से दूर रहने संदेश दिया। वहीं स्थानीय पुलिस से मिलकर उन्हें नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील भी की। वहीं सुल्तानपुर माजरा में कांग्रेस की पूर्व विधायक सुशीला जयकिशन की अगुवाई में नशे के खिलाफ निकाली गई रैली में भारी संख्या में लोगों ने शामिल होकर नशे के खिलाफ आवाज उठाई। बुराड़ी में जिला अध्यक्ष आदेश भारद्वाज के नेतृत्व में रैली आयोजित हुई, बवाना में पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में रैली निकाली, बल्लीमारान में पूर्व मंत्री हारून यूसुफ सहित जगह जगह कांग्रेसियों ने नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। नजफगढ़ कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतबीर शर्मा कमेटी द्वारा मटियाला, विकासपुरी विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया गया। महरौली जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश चौहान की अगुवाई बिजवासन, देवली, छतरपुर विधानसभा में प्रदर्शन हुआ। बाबरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जैन के नेतृत्व में सीमापुरी, बाबरपुर, रोहताश नगर आदि में रैली निकाली। तिलक नगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला के नेतृत्व में राजौरी गार्डन विधानसभा सहित अन्य जगहों पर नशे के खिलाफ आवाज बुलंद की। बादली में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल सरकार नशे के खिलाफ पुरी तरह से विफल साबित हुई है। जबकि इससे पूर्व आप पार्टी की अरविंद केजरीवाल व आतिशी सरकार भी नशे को रोकने में बुरी तरह नाकाम रही थी। केजरीवाल व आतिशी के समय नशे का कारोबार बढ़ता गया जिसे वर्तमान भाजपा सरकार भी नहीं रोक पा रही है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली अपराध के मामले में क्राइम कैपिटल बन चुकी है। केंद्र में भाजपा, दिल्ली में भाजपा और निगम में भी भाजपा के बावजूद नशे व अन्य अपराधों का ग्राफ कम होने की बजाए लगातार बढ़ता जा रहा है। दिल्ली को नशा-जुआ-अपराध-लूट-बलात्कार नहीं सुरक्षित वातावरण चाहिए। सीएम रेखा गुप्ता के आने बाद तो क्राइम कम नहीं बल्कि बढ़ता जा रहा है। अपने पहले 100 दिन के कार्यकाल में रेखा गुप्ता बुरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस की यह लड़ाई ऐसे ही निरंतर जारी रहेगी। कांग्रेस नशे के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **धर्मेंद्र, पुत्रः अशोक कुमार, निवासीः आरजेड–676, गली नं. 27, साध नगर, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.441/2019 U/S 12/9/55 G. Act** के तहत एक मामला **थाना सागरपुर, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **धर्मेंद्र** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **धर्मेंद्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.441/2019 U/S 12/9/55 G. Act, थाना सागरपुर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **धर्मेंद्र** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **30.07.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार सुश्री ईशा सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03,
18, प्रथम तल, मुख्य भवन,
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/8464/SW/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **व्यास पुत्र नंद निवासी एफ–226, गली नंबर 25, मेन द्वारका, नंद विहार, नई दिल्ली,** ने **FIR. No.97/13 U/s 279/337/338 IPC.** के अंतर्गत **पी.एस. द्वारका उत्तर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **व्यास** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **व्यास** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No.97/13 U/S 279/337/338 IPC. पी.एस. द्वारका उत्तर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **व्यास,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
नीतिका कपूर,
जेएमएफसी–06, (SW), कमरा नंबर 514,
द्वारका न्यायालय,नई दिल्ली

DP/8483/DW/2025
Court Matter

आरोपियों पर कानून के तहत सख्त एक्शन लेने की मांग

सफाई कर्मी से मारपीट में सफाई यूनियन ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में तीन इंजन की सरकार के बाद मानूसन को देखते हुए नालों की सफाई का कार्य जारी है और अतिक्रमण को तोड़ा जा रहा है लेकिन इसके चलते लोगों में कहासुनी और मारपिटाई की घटनाएं भी बढ़ने लगी है। ऐसा ही एक मामला दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के साउथ जोन से सामने आया है। यहां नाले से अतिक्रमण हटाने के मामले शुक्रवार को सफाई कर्मचारी से मारपीट हो गई और मारपीट भी उस समय हुई जब वहां पुलिस बल मौजूद था। इस मारपीट की घटना के बाद शनिवार को सफाई यूनियनें ने असोला फतेहपुर बेरी गांव के एमसीडी कार्यालय पर विशाल प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय मजदूर एकता यूनियन के दिल्ली प्रदेश प्रभारी देवेंद्र सिंह प्रधान ने शनिवार को यह जानकारी दी और बताया कि सभी सफाई यूनियनों ने इस घटना को घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि सभी सफाई कर्मियों में घटना के बाद रोष व्याप्त है। सभी यूनियनों की दिल्ली पुलिस की मांग है कि इस घटना में जितने भी लोग दोषी हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए व उन सभी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

दबाव में पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

प्रभारी देवेंद्र प्रधान ने बताया कि सभी सफाई यूनियनों के दबाव के कारण पुलिस ने एफआईआर दर्ज की व दो लोगों को गिरफ्तार किया। सभी यूनियनों की मांग हैं कि इस घटना में जितने भी लोग दोषी हैं उन्हें तुरन्त गिरफ्तार करके जेल भेजा जाए। वहीं, एक बयान में मारपीट से पीड़ित परमिंदर ने बताया कि उसे गंभीर चोटे लगी हैं। बताया गया कि पुलिस पीसीआर द्वारा उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। वहां से उसे सुबह चार बजे घर भेज दिया गया। उसे काफी गंभीर चोटें आई हैं।

दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा ने मॉक पार्लियामेंट का किया आयोजन

कांग्रेस सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जेल में कर देते थे बंद : सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के वक्त एक समय था जब अगर कोई सरकार के खिलाफ आवाज उठाता तो ना कोई अपील ना कोई दलील और ना ही कोई कानून, उसे जेल में बंद कर दिया जाता था और फिर भय का वातावरण बना पूरा देश को ही एक तरह की जेल बना दिया गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा द्वारा शनिवार को आयोजित मॉक पार्लियामेंट को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से जो संदेश दिल्ली की महिलाओं को दिया जा रहा है वह अपने आप में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश में दोबारा कभी संविधान की हत्या ना हो और ना ही कभी आपातकाल लगे इसलिए कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को याद किया जाना चाहिए। ऋचा पांडेय मिश्रा ने अपने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए काला दिवस के रुप में आपातकाल को याद किया और कहा कि आपातकाल लगा कर संविधान एवं लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस द्वारा आज संविधान रक्षा और भारत जोड़ों की बात करना शोभा नहीं देता।

आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर मॉक पार्लियामेंट का आयोजन

प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा ने शनिवार को महाराष्ट्र सदन में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 50 साल पूरे होने पर मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। इसे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने संबोधित किया। दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडे मिश्रा की उपस्थिति में हुए मॉक पार्लियामेंट सैशन में मोर्चा महामंत्री प्रियल भारद्वाज, सरिता तोमर एवं वैशाली पोद्दार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

लाखों लोगों को रातों रात जेल भेज दिया गया : रेखा गुप्ता

रेखा गुप्ता ने कहा कि उन लोगों के नाम तय पहले से थे जो देशहित में बोल सकते थे इसलिए लाखों लोगों को रातों रात जेल भेज दिया गया। अखबारों पर बैन लगा दिया गया। मीडिया हाऊस में ताले लगा दिए गए, कोई कानून नहीं और सब कुछ इंदिरा गांधी के कहने पर हो रहा था। कोई आवाज उठाता था उसको जेल में बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि देश ने ऐसा काला अध्याय कभी नहीं देखा। मनोज कुमार जैसे हीरो पर बैन लगा दिया गया और साथ ही एक नसबंदी अभियान चलाकर लोगों में एक डर पैदा किया गया था।

देशहित में बात करने वालों को जेल में डलवा दिया : बांसुरी

बांसुरी स्वराज ने कहा कि देश में कानून, संविधान और लोकतंत्र की हत्या करना या उसपर अपनी मनमानी चलाने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया। जब और जैसे चाहा संविधान में बदलाव किया और वे सभी लोग जो देशहित में बात करते थे, उन्हें जेल में डलवा दिया गया ताकि सरकार जो अपनी लोकप्रियता खो चुकी थी, उसके खिलाफ कोई आवाज ना उठे। बांसुरी स्वराज ने कहा कि जब देश में भूख, बेरोजगारी और असंतोष अपने चरम पर था तब सिर्फ सत्ता की लालसा में 25 जून की रात को इंदिरा गांधी ने रेडियो पर आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी। यह निर्णय लोकतंत्र को कुचलने वाला, संविधान को अनदेखा करने वाला और नागरिक अधिकारों का गला घोंटने वाला था।

आपातकाल की तानाशाही मानसिकता पर प्रहार : डॉ. जितेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- आपातकाल की सच्चाई सामने लाने के लिए नए जांच आयोग का किया जाए गठन : विजेंद्र गुप्ता

आत्ममुग्धता, तानाशाही प्रवृत्ति, अवसरवाद, लोकतांत्रिक सोच की कमी और वंशवादी महत्वाकांक्षाएं, यही वे लक्षण थे, जिनके कारण 1975 में आपातकाल थोप दिया गया। दुर्भाग्यवश, ये प्रवृत्तियां आज भी हमारे राजनीतिक परिदृश्य में मौजूद हैं। यह बातें शनिवार को दिल्ली विधानसभा में संविधान हत्या दिवस के अंतर्गत 'भारतीय लोकतंत्र और संविधान का सबसे अंधकारमय दौर: ना भूलें, ना क्षमा करें' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. जितेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 1975 से 1977 का संक्षिप्त लेकिन काला कालखंड भारत के हर नागरिक के जीवन को प्रभावित करने वाला था। मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सख्त सेंसरशिप थोप दी गई, और हजारों लोगों को बिना मुकदमा चलाए कैद कर लिया गया। शहरी विकास के नाम पर जबरन नसबंदी और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की गई। 1976 में पारित 42वां संविधान संशोधन, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल पांच से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया, जिसे बाद में 44वें संशोधन (1978) द्वारा वापस लिया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडिया टीवी के चेयरमैन रजत शर्मा, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में आपातकाल @50 शीर्षक पर एक विशेष बुकलेट का विमोचन किया गया और साथ ही एक डॉक्युमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। वहीं विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आपातकाल के बाद जो जांच शुरू हुई, वह अभी अधूरी है। शाह आयोग की रिपोर्ट (1978) समस्त मानवाधिकार उल्लंघनों और प्रशासनिक अतिक्रमणों की व्यापक जांच नहीं कर सकी। अब समय आ गया है कि एक नया आयोग गठित कर आपातकाल के दौरान और बाद में हुए दमन और अत्याचारों की विस्तृत जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आपातकाल के दौरान 42वें संशोधन के माध्यम से संविधान में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द क्यों जोड़े गए? संविधान जैसे दस्तावेज में इतने बुनियादी परिवर्तन किसी राष्ट्रीय बहस और सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आपातकाल से मिली सीख को जीवित रखे और संविधान की पवित्रता को कभी भी कमजोर न होने दे। इसी उद्देश्य से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम और संगोष्ठी किया जाना आवश्यक हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा है, जो यह स्पष्ट करती है कि यह संविधान 'जनता द्वारा और जनता के लिए' बना है।

निगम के सेंट्रल जोन से जल्द उठाया जाए कूड़ा : आईवीपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दो महीनों से लग रहे कूड़े के ढेर, लोगों को हो रही परेशानी

इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) ने दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह एवं स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा से मांग की है कि सेंट्रल जोन में कूड़ा उठाने के ठेके तुरंत जारी किये जायें। वरिष्ठ निगम पार्षद एवं आईवीपी के नेता मुकेश गोयल और हेमचंद गोयल ने बताया कि पिछले दो महीनों से पूरे जोन में कूड़ा निस्तारण की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। जगह जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

इन दोनों नेताओं ने कहा कि इसके लिए स्थायी समिति में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना था जो कि समय रहते नहीं लाया जा सका है। महापौर तथा स्थायी समिति अध्यक्षा से अपील की है कि अधिकारियों को सख्त आदेश देकर इस प्रस्ताव को तैयार कराकर एंटीसिपेशन देकर अथवा स्थायी समिति की विशेष सभा बुलाकर पास कराया जाए। ताकि सेंट्रल जोन में कूड़े की समस्या का समाधान किया जा सके।

बारिश में बीमारियां फैलने की भी है आशंका

आईवीपी के नेता मुकेश गोयल ने कहा कि मानसून की बारिश शुरू होने से यह कूड़ा सड़ने से समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाएगी तथा बीमारियां फैलने की भी आशंका है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली सत्ताधारी पार्टी की गलतियों को तुरंत सुधारे जाने की आवश्यकता है, ताकि दिल्ली वालों को हो रही परेशानी से छुटकारा दिलाया जा सके।

आखिरकार इंद्रदेव दिल्ली पर हुए मेहरबान कई जगह झमाझम बरसे बदरा, मानसून का इंतजार!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लंबे समय बाद आखिरकार शनिवार को इंद्रदेव मेहरबान हुए और दिल्ली के कई हिस्सों में बदरा झमाझम बरसने से लोगों को भीषण गर्मी व चिपचिपी उमस से कुछ राहत मिली। लेकिन देर रात ते मौसम विभाग ने इस बारिश को मानसून का आगमन करार नहीं दिया। संभावना है कि रविवार को अच्छी बारिश के साथ ही दिल्ली में मानसून की घोषणा हो जाए। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार दोपहर 3.45 बजे तक दिल्ली के पालम में 10 मिमी, आया नगर में 9.2 मिमी, जाफरपुर में 5 मिमी, इग्नू में 3 मिमी, पुष्प विहार में 7 मिमी नजफगढ़ में 2.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि यमुनापार के मयूर विहार में सबसे ज्यादा 23 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस क्षेत्र से जुड़े कई स्थानों पर जलभराव देखने को मिला। आईएमडी ने अगले दो दिनों के लिए झमाझम बारिश का अंदाजा लगाते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। दोपहर हुई झमाझम बारिश से पहले दिल्ली-एनसीआर में सुबह से ही बादल छाए रहे। लोगों को उम्मीद थी कि पूरी दिल्ली में बादल झमाझम बरसेंगे। लेकिन कुछ हिस्सों में ही बादलों की मेहरबानी से पानी बरसा, इनमें आरके पुरम, पालम , सेंट्रल दिल्ली सहित राजधानी के विभिन्न हिस्से शामिल रहे। आईएमडी ने सुबह हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान व्यक्त करते हुए शहर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। आईएमडी के अनुसार दिल्ली के पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम है। जबकि न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक है। जबकि दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 81 प्रतिशत दर्ज की गई। बता दें कि दिल्ली में अधिकृत रूप से मानसून आगमन की तारीख 27 जून है। लेकिन इस बार तय तारीख से तीन दिन पहले मानसून पहुंचने की भविष्यवाणी की थी लेकिन आज तक मानसून का आगमन नहीं हुआ है।

शनिवार दोपहर से पहले तक दिल्ली भीषण गर्मी व चिपचिपी करने वाली उमस से बेहाल थे। शनिवार को कुछ हिस्सों में आई बारिश ने लोगों को कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन राजधानी को मानसून की पहली झमाझम बारिश का अब भी इंतजार है।

कई वर्षों बाद इस बार जून महीने में हवा रही सबसे साफ, एक्यूआई अब भी संतोषजनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दम घोटू वायु प्रदूषण के लिए बदनाम दिल्ली में इस बार जून के महीने में वायु प्रदूषण ने गत चार साल की तुलना में कुछ राहत दी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में इस बार जून के महीने में हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। आंकड़ों पर गौर करे तो इस बार जून 2025 में राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 97 रहा, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। यह आंकड़ा गत चार वर्षों में सबसे कम रहा है। हवा के साफ रहने का मुख्य कारण मई व जून के शुरुआत में हुई अच्छी बारिश रहा, जिससे एक्यूआई सुधारा रहा। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली में शनिवार सुबह 6:30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 80 अंक दर्ज हुआ जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। लेकिन स्थानीय की बात करे तो दिल्ली की चार जगहों पर एक्यूआई आज भी 100 से ऊपर और 200 के बीच दर्ज हुआ। इनमें वजीरपुर में 122, रोहिणी में 105, एनएसआईटी द्वारका में 130 और मुंडका में 130 अंक रहा। लेकिन राहत की बात यह रही कि दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में एक्यूआई लेवल 100 से नीचे दर्ज हुआ। इनमें अलीपुर में 85 आनंद विहार में 88, विवेक विहार में 88 सोनिया विहार में 90, पूसा में 65 लोधी रोड में 50 अंक रहा। एक्यूआई को लेकर मौसम वैज्ञानिक एस के शर्मा का कहना है कि अब आने वाले कुछ सप्ताह तक राजधानी में एक्यूआई राहत देने वाला रहेगा इसकी पूरी संभावना है। मानसून के दौरान लगातार मूसलाधार बारिश होती रही है, ऐसे मौसम में एक्यूआई 50 से भी नीचे यानी पहाड़ों की हवा जैसी शुद्ध व ताजगी देने वाली रह सकती है। क्योंकि मानसून के चलते हरियाणा, पंजाब, हिमाचल व उत्तरप्रदेश से आने वाला वायु प्रदूषण बारिश के चलते काफी हद तक साफ हो चुका होगा और वह दिल्ली नहीं पहुंच पाएगा। वहीं दिल्ली का अपना प्रदूषण भी बारिश की वजह से लगभग न के बराबर रहेगा जिससे लोगों को कुछ दिनों तक साफ सुथरी ताजा हवा में जीने का मौका मिलेगा।

शैक्षिक परिदृश्य में बढ़ गई है दूरस्थ और मिश्रित शिक्षा की आवश्यकता : प्रो. योगेश सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दूरस्थ शिक्षा : कार्यशाला के लिए एसओएल ने किया कर्टेन रेजर का आयोजन

आज के तेजी से विकसित हो रहे शैक्षिक परिदृश्य में दूरस्थ और मिश्रित शिक्षा की आवश्यक हो गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) द्वारा दूरस्थ शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और महिला एवं बांझपन पर आयोजित होने वाली कार्यशाला को लेकर यह संबोधन दिया। उन्होंने छात्रों के ध्यान की अवधि कम होने के साथ साथ समकालीन सीखने की चुनौतियों का सामना करने के लिए शैक्षणिक नवाचारों की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। डीयू प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार कल आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए शनिवार को कर्टेन रेजर समारोह का आयोजन किया। इस समारोह की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। इसमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों ने ऑनलाइन भाग लिया। कुलपति ने बताया कि शिक्षण एक प्रतिबद्धता है और इसे वयस्क शिक्षार्थियों तक पहुँचने में एसओएल की अनूठी भूमिका का उल्लेख किया, जो एक निश्चित आयु सीमा पार कर चुके हैं, लेकिन शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित रहते हैं।

गौरतलब है कि एसओएल द्वारा "ओपन, डिस्टेंस, डिजिटल और ब्लेंडेड लर्निंग में उभरते रुझान और चुनौतियां" (ओडीडीबीएल) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आज, 29 से शुरू होगा और 31 जनवरी, 2026 को सम्पन्न होगा। महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र (डब्ल्यूएसडीसी) द्वारा "महिलाएं और बांझपनः भारतीय संदर्भ में जैव-सामाजिक आयाम" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 21-22 अगस्त, 2025 को किया जाएगा।

एसओएल की निदेशक ले प्रमुख विषयों पर डाला प्रकाश

एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने पूरे भारत में हाशिए पर और वंचित समुदायों के लिए शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करने के लिए एसओएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने आगामी सम्मेलन के महत्व और ऑनलाइन, दूरस्थ, डिजिटल और मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में इसके प्रमुख विषयों पर भी प्रकाश डाला।

नालियों की नहीं हो रही सफाई, सीएम को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- जनप्रतिनिधियों ने बनने के बाद नहीं किया निरीक्षण

दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली नगर निगम के महापौर ने सरकार बनने के बाद महा सफाई अभियान चलाया लेकिन इसके बाद भी कई इलाकों में नालियों और सड़कों की सफाई नहीं हो सकी है। जिसके चलते ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने इसे लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद योगेंद्र चंदोलिया व संबंधित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था को लेकर पत्र लिखा है। ग्रामीण प्रशांत ने बताया कि बाहरी दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिले के एक गांव सिंघु में गलियों व नालियों की सफाई व्यवस्था का बहुत बुरा हाल है। एक साल से ज्यादा हो गया है नाली का पानी गलियों में ही भरा हुआ रहता है जिसके कारण गली में लोगों का आना जाना बहुत ही मुश्किल हो जाता है और सभी के घरों के सामने गंदा पानी रहता है जिसके कारण बीमारियां फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है। उन्होंने बताया कि बहुत बार एमसीडी की ऐप पर भी शिकायत की है लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ है। शिकायत पर सफाई कर्मी आते हैं और कहते हैं कि यह सफाई मशीनों से होगी और चले जाते हैं और कोई सुनवाई नहीं होती है।

नालियों की गहराई से नहीं हो रही है सफाई

इसके अलावा लोगों ने बताया कि नालियों की गहराई से सफाई का कोई स्थायी समाधान नहीं हो रहा है और आज तक कोई सांसद, विधायक और पार्षद देखने तक नहीं आया है जो इस समस्या का समाधान करे। नालियों के भरे हुए रहने के कारण मच्छर भी ज्यादा हो गए हैं जिस से लोगों में बीमारी होने का भी खतरा मंडरा रहा है। बीते कुछ दिनों पहले गांव में जो सीवर और गलियों के बनने का काम हुआ था, वह भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है जिसके साथ ही नाली का पानी गलियों में भरा रहता है। नालियों में गंदगी भरे होने के कारण घरों के अंदर पानी भरने की समस्या पैदा हो रही है जिसके कारण मकानों की नींव भी खराब हो रही है और मकान गिर भी सकते हैं। लेकिन प्रसाशन अपनी आंखे और कान बंद करके बैठा हुआ है जो सीवर अभी बनाये गये थे, उनके ढक्कन भी टूटे हुए हैं।

जल मंत्री ने किया हैदरपुर वाटर प्लांट का दौरा

पानी के नुकसान को कम करने के लिए युद्ध स्तर पर किया जा रहा है काम : प्रवेश वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में पानी के नुकसान को कम करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। यह बात शनिवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने हैदरपुर वाटर प्लांट का दौरा करने के बाद कही। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हैरदपुर वाटर प्लांट के निरीक्षण की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि शनिवार को जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ हैदरपुर वाटर प्लांट का दौरा किया। इसके बाद सीएलसी और डीएसबी नहरों के किनारे जाकर पानी के बहाव और सप्लाई से जुड़ी दिक्कतों को देखा। जहां-जहां रुकावटें हैं और कैसे पानी के नुकसान को कम किया जाए,उस पर काम हो रहा है ताकि दिल्लीवासियों को पूरा पानी मिले, इसके लिए युद्धस्तर पर काम हो रहा है।

दिल्ली में लागू होगी एआई, स्मार्ट बोर्ड और रोबोटिक्स सुविधाओं वाली शिक्षा प्रणाली : सूद

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों बहुत जल्द ही गुजरात की तर्ज पर एआई, स्मार्ट बोर्ड और रोबोटिक्स जैसी सुविधाओं वाली शिक्षा प्रणाली का लाभ मिलने लगेगा। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुजरात दौरे के दौरान दी है।

शिक्षा मंत्री के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को गुजरात में शैक्षिक भ्रमण के दौरान गुजरात के सूरत शहर में संचालित नई शिक्षा प्रणाली की समीक्षा की। इस अवसर पर सूद ने सूरत महानगरपालिका के आधीन संचालित सुमन हाईस्कूल नं. 6 उधना विद्यालय का दौरा भी किया। शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों द्वारा स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों से बातचीत कर स्मार्ट बोर्ड की उपयोगिता और उनसे मिलने वाली शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी भी ली। सूद ने विद्यालय की एआई और रोबोटिक्स लैब को भी देखा। इस दौरान उन्होंने छात्रों द्वारा ड्रोन, 3डी प्रिंटर, एडवांस सेंसर सिक्योरिटी जैसे विषयों पर चल रहे प्रैक्टिकल कार्यों का निरीक्षण किया। छात्रों से संवाद करते हुए सूद ने उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली के विद्यालयों में भी गुजरात राज्य की तर्ज पर एआई, स्मार्ट बोर्ड और रोबोटिक्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं वाली शिक्षा प्रणाली लागू की जाएगी। सूद ने विश्वास व्यक्त किया कि इससे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर तो बेहतर होगा ही बल्कि बच्चों को नई तकनीकों का भी ज्ञान होगा।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में महिला थाना बल्लभगढ़ की टीम आरोपी रोनक को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 26 जून को महिला थाना बल्लभगढ़ में दी अपनी शिकायत में एक महिला ने बताया कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिक बेटी की इंस्टाग्राम पर एक लड़के से जानकारी हुई थी। लड़का बेटी को बहला फुसलाकर कर ले गया उसके साथ गलत काम किया। थाना बल्लभगढ़ में पॉक्सो की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

वीडियो बनाकर युवक ने किया सुसाइड

फरीदाबाद। छांयसा थाना क्षेत्र के मोहना गांव में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक मानसिक तनाव में था। आत्महत्या से पहले उसने खुद का एक वीडियो भी बनाया, जिसमें वह रस्सी से फांसी लगाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। इस वीडियो में रस्सी टूट जाती है, लेकिन बाद में उसने दोबारा फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैस सिलेंडर में ब्लास्ट कोई जनहानि नहीं

फरीदाबाद। ए सी नगर में बच्चे के लिए दूध गर्म करते समय घर की रसोई में गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे में किसी को कोई चोट नही आई है। सिलेंडर फटने से घर में रखे सामान में आग लग गई। सूचना पाकर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। घर की छत में छेद भी हो गया। महिला संजू ने जानकारी देते हुए बताया कि घर की छत पर उन्होंने रसोई बनाई हुई है। शनिवार सुबह 6 बजे वह रसोई में बच्चे के लिए दूध गर्म कर रही थी। रसोई में गैस को चलाकर दूध को गर्म होने के लिए छोड़कर वह दूसरे कमरे में पति को जगाने के लिए चली गई।

भारत के ऑटिस्टिक गोल्फर रणवीर सैनी ने मकाऊ में गोल्फ मास्टर्स टूर्नामेंट में जीता गोल्ड मेडल

मकाऊ में 20 से 26 जून तक आयोजित हुआ था टूर्नामेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत के 24 वर्षीय ऑटिस्टिक गोल्फर रणवीर सिंह सैनी ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने मकाऊ में 20 से 26 जून 2025 तक आयोजित गोल्फ मास्टर्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक और चैलेंजर्स लीग ट्रॉफी अपने नाम की। यह केवल एक जीत नहीं, बल्कि भारत के खेल इतिहास में एक गौरवपूर्ण अध्याय है।

खास बातें

- प्रतियोगिता में दुनियाभर के 47 शीर्ष गोल्फर ने भाग लिया
- सैनी को पूर्व में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है

रणवीर ने अपने धैर्य आत्मबल से कौशल का परिचय दिया

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनियाभर के 47 शीर्ष गोल्फर, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, थाईलैंड, फिनलैंड, न्यूजीलैंड, कोस्टा रिका और हांगकांग जैसे देशों के खिलाड़ी शामिल थे, ने भाग लिया। मकाऊ की कठिन मौसम परिस्थितियों जैसे बारिश, गर्मी और उमसभरी जलवायु के बावजूद रणवीर ने अपने धैर्य, आत्मबल और शानदार कौशल का परिचय देते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। रणवीर सिंह सैनी का यह सफर केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं है, यह उन सभी के लिए प्रेरणा है जो न्यूरोडायवर्सिटी के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। वे साबित करते हैं कि किसी भी प्रकार की मानसिक या शारीरिक बाधा इंसान की उड़ान को रोक नहीं सकती, यदि उसमें दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास हो।

आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा, साहस और सफलता की मिसाल

रणवीर को पहले भी कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, लेकिन 2024 में राष्ट्रपति द्वारा दिया गया राष्ट्रीय पुरस्कार उनके खेल और देश के प्रति योगदान की एक बड़ी पहचान है। आज रणवीर न सिर्फ एक चैंपियन गोल्फर हैं, बल्कि वह एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व बन चुके हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा, साहस और सफलता की मिसाल हैं। उनके नाम के साथ जुड़ा हर पदक भारत के आत्मगौरव और समावेशी सोच की जीत है।

हरियाणा के मंत्री ने निगम आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों के साथ विकास पर की चर्चा

विकास कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी और ठेकेदार, सरकार ने विकास कार्य के लिए खजाने के मुंह खोल रखें है: मंत्री नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विकास कार्यों में ठेकेदारों द्वारा ढुलमुल रवैया अपनाए जाने से नाराज मंत्री राजेश नागर की संस्तुति पर शनिवार को एक ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि सरकार ने विकास कार्य करवाने के लिए खजाने के मुंह खोल रखे हैं, विकास कार्यों के टेंडर हो रहे हैं लेकिन ठेकेदारों के काम पूरे होने पर नहीं आ रहे। लगता है कि ठेकेदार जानबूझकर काम लटका कर रखते हैं। ऐसे में हम चुप नहीं रह सकते। उन्होंने निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा से कहा कि इस ठेकेदार को तुरंत प्रभाव से ब्लैक लिस्ट किया जाए और आगे से किसी विकास कार्य को न दिया जाए। जिस पर निगम आयुक्त ने संबंधित ठेकेदार को तुरंत ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दे दिए।

खास बातें

- सीएम सैनी ने दी चेतावनी सुधर जाओ वरना हरियाणा छोड़ो
- एक ठेकेदार को किया ब्लैक लिस्ट
- लगता है ठेकेदार जानबूझकर काम लटका रहे हैं

शांतिपूर्ण प्रदेश बनाने में जनता का मिल रहा सहयोग

इस अवसर पर मंत्री नागर ने कहा कि मानसून के मद्देनजर नालों आदि की सफाई व्यवस्था में तेजी लाई जाए जिससे कि लोगों को जल भराव की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने पल्ला से सेहतपुर रोड पर जमा होने वाले पानी की समस्या को दूर करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा अनेक सड़कों गलियों के विकास की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मेरे क्षेत्र में अनेक विकास कार्य चल रहे हैं लेकिन इसमें अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण कार्य समय पर पूरे नहीं हो रहे हैं। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बैठक के बाद तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को स्पीड मिलेगी और मानसून के मौसम में जल भराव से भी राहत मिलेगी। एक सवाल के जवाब में मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सुधर जाओ या हरियाणा छोड़ दो। हम हरियाणा को एक शांतिपूर्ण प्रदेश बनाने में लगे हैं जिसमें जनता का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर तिगांव विधानसभा क्षेत्र के निगम पार्षद सीमा सुमंत चंदेल, लाल मिश्रा, सरोज शीशराम अवाना, प्रदीप टोंगर एवं संजीव कुमार, अजय भड़ाना सहित भाजपा नेता प्रहलाद शर्मा, लोकेश बैंसला, मुकेश शर्मा, बिजेंद्र शर्मा, ओमदत्त शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, शंकर ठाकुर, सतीश श्रीवास्तव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

किसानों से सहमति के बाद शुरू हुआ सड़क को नूर नगर से जोड़ने का काम

42 करोड़ की लागत से दोनों रोड की भूमि क्रय व निर्माण कराए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

किसानों से सहमति के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने बंधा रोड को नूर नगर से जोड़ने वाली 18 और 24 मीटर चौड़ी रोड के निर्माण का कार्य आरंभ करा दिया है। ये कार्य रोड के निर्माण से प्रभावित किसानों से सहमति के बाद आरंभ हो पाया है। रोड के निर्माण पर करीब 42 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। इसमें लगभग 32 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को प्रतिकर के तौर पर भुगतान किया जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का प्रयास है कि रोड के चौड़ाई मे मिट्टी भराई आदि का कार्य बरसात से पहले पूरा करा लिया जाए, ताकि एक बार मिट्टी के संघनन के बाद पक्की रोड के निर्माण का कार्य तेजी के साथ किया जा सकें। इनमें 18 मीटर चौड़ाई में लगभग 750 मीटर लंबी तथा 24 मीटर चौड़ाई में लगभग 350 मीटर लंबी है। इन रोड के निर्माण का कार्य एक लंबे समय से आरंभ नहीं हो पा रहा था, किसानों की सहमति के मद्देनजर हाल ही में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान ये अहम फैसला लिया गया कि किसानों से भूमि का क्रय वर्तमान सर्किल रेट के दोगुने मूल्य पर आपसी सहमति से किया जाएगा। यह एक ऐसा गांव है, जहां पर 100 प्रतिशत किसानों ने सड़क निर्माण के लिए अपनी सहमति दी है। जल्द प्राधिकरण के पक्ष में किसानों के द्वारा बेनामें कर दिए जाएंगे।

इससे पहले जीडीए की भू अर्जन और अभियंत्रण अनुभाग की टीम के द्वारा स्थल का निरीक्षण कर टोटल स्टेशन सर्वे टीएसएस के आधार पर भूमि के चिन्हांकन का कार्य पूरा करते हुए किसानों की मांग पर 18 और 24 मीटर चौड़ी सड़क के लिए पिलरिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और मानचित्र स्वीकृत कर क्षेत्र का सुनियोजित विकास भी होगा व राजस्व भी प्राप्त होगा,जिसका उपयोग अन्य सड़कों के विकास कार्य में किया जा सकेगा,जैसे हम तुम रोड प्रस्तावित कमिश्नरेट सड़क और सिकरोड जैसे अन्य मार्गों पर भी निर्माण कार्य करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

ग्रीन फील्ड इलाके में चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग

फरीदाबाद। ग्रीन फील्ड इलाके में शुक्रवार देर रात एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया। वाहन मालिक का कहना है कि घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हो सकती है। दिल्ली के बदरपुर बॉर्डर निवासी विकास ने बताया कि वह शुक्रवार रात करीब 10.30 बजे फरीदाबाद से किराए पर ली हुई एक जीपी इलेक्ट्रिक स्कूटी से अपने घर लौट रहा था। विकास ने बताया कि उसने यह स्कूटी 5 जून को कंपनी से किराए पर ली थी, जिससे वह ओला, उबर और रैपिडो जैसी राइडिंग सर्विस में काम कर रहा था। शुक्रवार शाम भी वह एक सवारी को गुरुग्राम छोड़कर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह फरीदाबाद के ग्रीन फील्ड

सवारी को छोड़कर लौट रहा था, राहगीरों ने सतर्क कर बचाई जान

इलाके के पास पहुंचा, स्कूटी में अचानक आग लग गई, जिसकी उन्हें शुरुआत में जानकारी ही नहीं थी। पीछे से आ रहे अन्य वाहन चालकों ने स्कूटी से निकलते आग और धुंए को देखा और तुरंत विकास को सतर्क किया। जैसे ही उसने पीछे मुड़कर देखा, स्कूटी के पिछले टायर के पास से आग की लपटें उठ रही थीं। उसने तुरंत स्कूटी को सड़क किनारे खड़ा किया, लेकिन आग तेजी से बढ़ने लगी। विकास ने स्वयं आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बुझ नहीं रही थी। मौके पर मौजूद कुछ राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मिलकर मिट्टी डालकर आग को बुझाया और घटना को टाल दिया। विकास का कहना है कि स्कूटी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है, क्योंकि उन्होंने स्कूटी के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की थी और न ही कोई तकनीकी दिक्कत महसूस की थी।

विधायक शर्मा ने अटल पार्क सेक्टर 2 में म्यूजिक सिस्टम और फैंसी लाइट का उद्घाटन किया

स्थानीय निवासियों ने फूल और मालाओं से विधायक का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने शनिवार को सेक्टर 2 निवासियों को लगभग 37 लाख रुपए की सौगात देते हुए अटल पार्क सेक्टर 2 में म्यूजिक सिस्टम और फैंसी लाइट का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने दादा-पोते ट्रैक पर लगाई जाने वाली लाइटों का भी शिलान्यास किया।

इसके अलावा सेक्टर वासियों की लंबे समय से सीवर जाम की समस्या को देखते हुए नई सुपर सोकर मशीन सेक्टर 2 में भेज कर कार्य का मुहूर्त किया। अब यह मशीन सेक्टर 2 के सभी सीवरों के सफाई बेहतर ढंग से कर सकेगी। स्थानीय निवासियों ने पार्क में पहुंचने पर फूल मालाओं से विधायक पं. मूलचंद शर्मा का स्वागत किया और अटल पार्क के अंदर म्यूजिक सिस्टम और फैंसी लाइट लगाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ का विकास निरंतर जारी है। इस मौके पर विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि अब पार्क में सुबह घूमने आने वाले और योगा करने वाले बुजुर्ग एवं सभी शहरवासी भजन के माध्यम से आनंद उठा सकेंगे। साथ ही लाइट लगने से पार्क में जहां अंधेरे को दूर किया गया है वही सुंदरता को भी चार चांद लगे हैं पार्क में लगाए गए। पानी के ट्यूबवेल से अब पार्क में सिंचाई की व्यवस्था भी बेहतर होगी और पेड़ पौधों को पानी की कमी महसूस नहीं होगी। इस मौके पर पूर्व पार्षद दयाचंद यादव, मास्टर तेजपाल, स्वराज भाटी, सुषमा यादव, जगदीश मास्टर, शिव प्रसाद गौड, योगेन्द्र भारद्वाज प्रधान, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के एसडीओ ज्ञानचंद शर्मा, योगेश मंगला सहित सेक्टर-2 के निवासी मौजूद रहे।

सोहना फ्लाईओवर को 4 लेन करने और मुजेसर अंडरपास को प्रदेश के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित हाई पावर वर्क कमेटी और एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक में हरी झंडी

विधायक शर्मा ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ सोहना फ्लाईओवर और मुजेसर अंडरपास को हरियाणा सरकार द्वारा हाई पावर वर्क कमेटी (एचपीपीसी और एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक) में हुई बातचीत के बाद हरी झंडी दे दी गई। अब दोनों कार्यों को गति मिलेगी और दोनों ही कार्य जल्द शुरू कराए जाएंगे। विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जल्द ही बल्लभगढ़ आएंगे और सभी मंजूर कार्यों की आधारशिला रखेंगे। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के समय में यह परियोजनाएं मंजूर की गई थी, इन परियोजनों को अब रफ्तार मिलेगी। बल्लभगढ़ के विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने रिकॉर्ड तोड़ विकास किए हैं और बल्लभगढ़ में होने वाले यह विकास उसी का एक बड़ा उदाहरण है, इससे पहले भी बल्लभगढ़ विधानसभा में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है उन्होंने कहा कि सोहना पुल से आने जाने के लिए हर रोज लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। लेकिन आने वाले समय में सोहना फ्लाईओवर का काम शुरू होने के बाद स्थानीय निवासियों को बल्लभगढ़ से सोहना वाया गोच्छी, सेक्टर 55, पाली जाने के लिए आसानी होगी।

प्यार तकरार और फैमिली ड्रामा है 'आप जैसा कोई'

फिल्म 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

आप जैसा कोई फिल्म प्यार तकरार और फैमिली ड्रामा है। यह सुखद फैमिली ड्रामा सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में 'बराबरी वाला प्यार' खोजने के अपनेपन, संबंध और सुंदरता को पेश करता है। नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया है। इसमें आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी और फातिमा साना शेख मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म की रिलीज के बारे में रुचिका कपूर शेख, डायरेक्टर, ओरिजनल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा, आप जैसा कोई एक रोमांस ड्रामा है। यह टूटी हुई उम्मीदों और परंपराओं के बंधन के बीच पनपते प्यार को दिखाता है। विवेक सोनी ने बहुत खूबसूरत दृश्य दिए हैं।

दूसरी तरफ, आर. माधवन, फातिमा साना शेख, आयशा रजा तथा अन्य कलाकारों ने बहुत ही सशक्त अभिनय किया है। इस फिल्म में प्यार की जटिलताओं पर हल्की चोट की गई है। धर्मेटिक एंटरटेनमेंट फिल्म में रोमांस पेश करने में माहिर हैं। उन्होंने यह क्लासिक कहानी आधुनिक शैली में पेश की है। यह नेटफ्लिक्स पर इस साल पेश की जा रही बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इन सभी फिल्मों में एक अलग आवाज और नया पहलू पेश किया गया है। आप जैसा कोई में माधवन ने लंबे इंतजार के बाद रोमांस की शैली में वापसी की है। इसमें वो फातिमा साना शेख के साथ एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो आंतरिक स्वतंत्रता और 'बराबरी वाला प्यार' का असली मतलब पेश करती है। इसका निर्देशन विवेक सोनी (मीनाक्षी सुंदरेश्वर) ने और निर्माण धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म में आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास आदि ने भी सशक्त अभिनय किया है।

एनएचएआई व पुलिस अधिकारियों की हुई बैठक

दुर्घटनाओं को कम करने पेट्रोलिंग बढ़ाने और सड़क चौड़ीकरण पर सहमत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद में सड़क दुर्घटनाओं पर कैसे अंकुश लगाने के लिएभारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण वह गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के बीच घंटा मंथन हुआ और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस गश्त बढ़ाने के अलावा उसके चौड़ीकरण का निर्णय लिया गया बैठक के बाद एडीसीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शनी बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाए जाने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया न गया।

बैठक में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई

बैठक में दोनों विभागों के अधिकारियों के बीच गहन चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद के सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाए जाने के उद्देश्य से तथा आमजनों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था प्रदान कराए जाने हेतु आज यातायात पुलिस द्वारा पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई, एवं अपेक्षित सहयोग/कार्यवाही किए जाने हेतु सहमति दी गई। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर यूपी गेट (दिल्ली बॉर्डर) से डासना तक दोनों ओर लोहे की रेलिंग लगाने पर सहमति बनी। खाली जमीन पर यातायात निरीक्षक-1 के कार्यालय का निर्माण कराए जाने, दिल्ली सहारनपुर हाइवे पुस्ता उतार के पास लोनी साइड 02 पिलरों के मध्य यातायात निरीक्षक -6 के कार्यालय का निर्माण कराए जाने पर सहमति बनी।

7 हजार वर्ग मीटर में काटी जा रही अवैध कालोनी का ध्वस्तीकरण

गाजियाबाद। शनिवार को जीडीए का बुलडोजर मोरटी में चला। जीडीए ने करीब 7 हजार वर्ग मीटर में काटी जा रही अवैध कालोनी का ध्वस्तीकरण किया गया। प्रभारी प्रवर्तन 1 के नेतृत्व में राजस्व ग्राम मोरटी के खसरा नंबर 352 की एक हजार वर्ग मीटर एवं खसरा संख्या 175, 176 की करीब छह हजार वर्ग मीटर जमीन पर कालोनाइजर के द्वारा विकसित की जा रही अनाधिकृत कालोनी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करते हुए निर्मित सड़क तथा प्लाटिंग के लिए किए गए डिमार्केशन को प्रवर्तन जोन 1 के समस्त स्टाफ व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से अवैध निर्माण/अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। उन्हें स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से खदेड़ दिया गया। इस दौरान लोगों को सलाह दी गई कि कॉलोनाइजर के द्वारा काटी जाने वाली कालोनियों में क्रय विक्रय न करें, अन्यथा प्राधिकरण की कार्रवाई के दौरान होने वाले नुकसान के लिए वह खुद जिम्मेदार होंगे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल चौधरी पुत्र महेन्द्र सिंह, निवासी बी–127, बी ब्लॉक, फेज 1, विजय विहार, दिल्ली** ने **FIR No. 695/2016, U/S 33(1)/58 Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना अलीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल चौधरी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल चौधरी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 695/2016, U/S 33(1)/58 Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना अलीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल चौधरी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री रूबी नीरज कुमार
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
कोर्ट नंबर 115,
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/8390/ON/2025(Court Matter)

खबर संक्षेप

मुझे दिग्विजय यादव कहकर बुलाते हैं लालू

पटना। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह अचानक राजद चीफ लालू यादव से मुलाकात करने राबड़ी आवास पहुंचे। इस दौरान वे लालू यादव और तेजस्वी यादव से मिले। करीब आधे घंटे तक मुलाकात चली। मुलाकात के बात मीडिया से बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह ने बताया कि वो मुझे दिग्विजय यादव बोलते हैं।

रांची में कार-स्कूटी की टक्कर में 3 की हुई मौत

रांची। यहां शनिवार रात हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार,

रात 11 बजे के करीब स्कूटी और कार में जबरदस्त टक्कर हुई थी। घटना में स्कूटी सवार, कार चालक और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

उत्पीड़न हुआ तो सड़क पर उतरेंगे 27 लाख बिजलीकर्मी

लखनऊ। निजीकरण के मसले पर आंदोलनरत बिजलीकर्मियों पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रीय संगठन,

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स ने पावर कॉरपोरेशन को चेतावनी दी है। कहा कि यूपी के बिजली कर्मियों का उत्पीड़न हुआ तो देश के 27 लाख बिजलीकर्मी मूक दर्शक नहीं बल्कि सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे।

संविधान के दायरे में फर्जी मतदाताओं की पहचान कर रहा आयोग

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं का विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है। इसके लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (इन्युमेरेशन फार्म) देंगे और मतदाताओं को इसे भरकर आयोग को देना होगा। इसके आधार पर आयोग फर्जी मतदाता की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची से बाहर करेगा

एजेंसी ▶▶ पटना

चुनाव के दौरान फर्जी मतदाताओं द्वारा परिणाम प्रभावित करने का आरोप विपक्ष लगाता रहा है. विपक्ष के आरोप पर चुनाव आयोग विस्तृत जवाब दे चुका है। इसके बावजूद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की ओर से चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का काम जारी है। विपक्षी दलों के फर्जी मतदाताओं के चुनाव को प्रभावित करने के आरोप को देखते हुए आयोग बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं का विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है।

फैसले को लेकर विपक्षी दल आक्रामक

फर्जी मतदाता की पहचान कर सूची से बाहर करेगा आयोग

इसके लिए बूथ लेवल ऑफिसर(बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (इन्युमेरेशन फार्म) देंगे और मतदाताओं को इसे भरकर आयोग को देना होगा। इसके आधार पर आयोग फर्जी मतदाता की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची से बाहर करेगा। आयोग के इस फैसले को लेकर विपक्षी दल आक्रामक हो गए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर आयोग काम कर रहा है और गरीब मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है।

इससे पहले ऐसा सर्वे वर्ष 2003 में किया गया था

चुनाव आयोग की इस पहल का विरोध पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी किया है और इसे नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन (एनआरसी) से जोड़ दिया है। विपक्ष के तमाम दावों को नकारते हुए हुए आयोग का कहना है कि फर्जी वोटरों को मतदाता सूची से हटाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। बिहार में इससे पहले ऐसा सर्वे वर्ष 2003 में किया गया था और अब दो दशक से अधिक समय के बाद आयोग घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने का निर्णय लिया है। इसके लिए चुनाव आयोग ने अधिकारियों के लिए विशेष दिशा निर्देश जारी किया है।

पुलिस ने हत्या की कोशिश समेत कई धाराएं लगाई

इटावा उपद्रव मामला: अहीर रेजिमेंट के अध्यक्ष समेत 170 पर एफआईआर

एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संत सिंह यादव ने 23 जून को बकेवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें 6 लोगों को जेल भेजा जा चुका है

एजेंसी ▶▶ इटावा

उत्तर प्रदेश का इटावा जिला इस वक्त सुर्खियों में है। जिसकी वजह है कथावाचक के साथ अभद्रता, लेकिन अब इस मामले ने सियासी रूप ले लिया है। इसी बीच जाति छिपाने वाले कथावाचक व उनके सहयोगी के साथ अभद्रता के बाद जातीय संगठन अहीर रेजिमेंट के कार्यकर्ताओं द्वारा उपद्रव करने के मामले में पुलिस ने 170 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, उनमें अहीर रेजिमेंट के अध्यक्ष समेत 20 नामजद और डेढ़ सौ अज्ञात लोग शामिल हैं। सभी पर पथराव, सरकारी वाहन को क्षति पहुंचाने, हत्या के प्रयास और सरकारी कार्य में बाधा डालने आदि की धाराएं लगाई गई हैं। आरोपितों में 19 लोग गुरुवार को ही गिरफ्तार किए गए थे। इनमें से ज्यादातर 17 से 28 वर्ष के छात्र हैं। विवाद की आशंका में दांदरपुर गांव में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथावाचक और कथा के मुख्य यजमान की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच झांसी रेंज की पुलिस को सौंपी गई है। उपद्रव के मुकदमे की जांच जिले की पुलिस ही करेगी।

खास बातें

- विवाद की आशंका में दांदरपुर गांव में सुरक्षा बढ़ा दी गई
- मुकदमे की जांच झांसी रेंज की पुलिस को सौंपी गई

6 लोगों को जेल भेजा जा चुका

बकेवर क्षेत्र के दांदरपुर गांव में 21 जून को कथावाचक मुकुट मणि यादव, उनके सहयोगी संत सिंह यादव और ढोलक वादक श्यामवीर कठेरिया के ब्राह्मण न होने का संदेह ग्रामीणों को हुआ था। कथावाचक के पास दो आधार कार्ड मिले थे, एक में नाम मुकुट मणि अग्निहोत्री और दूसरे में मुक्त सिंह था।कथावाचक का आरोप है कि ब्राह्मण न होने के कारण ग्रामीणों ने उसके साथ मारपीट की थी। चोटी काटने के बाद मुख्य यजमान की पत्नी के सामने नाक रगड़वाकर माफी मंगवाई थी। मामले में 6 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। घटना के विरोध में जातीय संगठन अहीर रेजिमेंट के संस्थापक अध्यक्ष गगन यादव ने थाने का घेराव करने का आह्वान किया था। गगन यादव को पुलिस ने आगरा में ही रोक लिया। गुरुवार को करीब डेढ़ हजार कार्यकर्ताओं ने बकेवर में भरथना मार्ग पर जाम लगाया और पुलिस-प्रशासन व ब्राह्मणों के खिलाफ अभद्र नारेबाजी की। उपद्रवियों ने बकेवर थाने में घुसने का प्रयास किया। एनएच 19 जाम कर दिया। इसके बाद दांदरपुर जाने लगे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। मौके से सपा का झंडा लगी कार और 13 बाइकें पकड़ी गई थीं।

पुलिस ने प्रधानाचार्य व तीन शिक्षकों को पकड़ा

मामले में एक इंटर कालेज के प्रधानाचार्य व तीन शिक्षकों को भी पकड़ा गया है। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संत सिंह यादव ने 23 जून को बकेवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें छह लोगों को जेल भेजा जा चुका है। यजमान ने 25 जून को कथावाचक मुकट मणि यादव व संत सिंह यादव पर फर्जी आधार कार्ड बनवाकर धोखाधड़ी व जाति छिपाकर भावनाएं आहत करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अखिलेश यादव ने कर दिया बड़ा दावा, कहा-

सीएम योगी भाजपा के सदस्य नहीं, केवल चुनाव के लिए है

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर बड़ा बयान दिया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर दावा किया है कि हमारे मुख्यमंत्री तो बस चुनाव के लिए है वो भाजपा के सदस्य नहीं है।

सपा मुखिया ने कहा कि पता नहीं भाजपा को क्या हो गया जहां उन्हें जमीन दिखाई दे रही वो वहां कब्जा कर ले रहे हैं और ये हर शहर/जिला में हो रहा है। शासन-प्रशासन का साथ लेकर कब्जा करने का काम भाजपा कर रही है। अभी जैसा माता प्रसाद पांडे बड़ा हो रहे थे तो उन्हें रोकने के लिए बुलडोजर और बुलडोजर की बगल में भाजपा कार्यकर्ता और उनका साथ पुलिस प्रशासन था और उनको समर्थन था वहां के सबसे ऊंचे चुने हुए लोग थे।

गोरखपुर में गोरख धंधा चल रहा

उन्होंने सीएम योगी को लेकर कहा कि अगर उन्हें गोरखपुर के लिए कुछ काम करना था तो उन्हें अपनी सबसे पहली घोषणा याद रखनी थी और उन्होंने झांसी में कहा था कि झांसी के साथ गोरखपुर में मेट्रो बनाएंगे। दिल्ली सरकार के 11 साल और यहां के 9 साल में गोरखपुर में मेट्रो नहीं बनी वो जानते हैं कि गोरखपुर में गोरख धंधा चल रहा। अगर गोरखपुर की सच्चाई सामने आ जाए तो वहां विरासत का नहीं हिरासत का गलियारा बनाना पड़ेगा।

अब अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है

अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी मांग है बाजार की कीमत के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए। कॉरिडोर के नाम पर बहुत बड़ा भाजपाई लूट तंत्र बना हुआ है। इस खेल में कुछ गिने चुने भाजपाई मलाई काट रहे और स्थानीय जनता के साथ ठगी हो रही। अयोध्या, प्रयागराज में भाजपा लोकसभा हारी अब अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है।

पेज एक का शेष..

जवां रहने व स्लिम...

दिखने के लिए 6 साल कोई खास ट्रीटमेंट करवा रही थीं। साथ ही पतला होने की दवा लेती थीं। जिसके चलते उन्हें स्पेशल डाइट और कई दवाइयों का सेवन करना पड़ता था। इसी बीच पुलिस ने शेफाली जरीवाला के पति पराग त्यागी का बयान रिकॉर्ड किर लिया है। पराग त्यागी ने पुलिस को बताया है कि उनकी पत्नी का पहले से ही मिर्गी का इलाज चल रहा था इसके अलावा वह स्किन का ट्रीटमेंट भी करवा रही थीं। हालांकि, डॉक्टर ने दावा किया की इन दोनों दवाइयों का हार्ट से कोई कनेक्शन नहीं है। पर ये दवाइयां सिस्टम पर तो असर करती हैं। पुलिस और फॉरेंसिक की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है।

सोसाइटी के वॉचमैन ने दिया बयान

रात 1 बजे लगी थी मौत की जानकारी: शेफाली जरीवाला की सोसाइटी के वॉचमैन ने बीती रात की घटनाओं को लेकर बड़ा खुलासा किया है। वॉचमैन के मुताबिक रात करीब 10 बजे शेफाली की गाड़ी सोसाइटी से बाहर गई थी और उसी दौरान उसने गेट खोला था। इसके बाद वो उन्हें नहीं देख पाया। वॉचमैन का कहना है कि रात लगभग 1 बजे किसी व्यक्ति ने आकर उन्हें जानकारी दी कि शेफाली अब इस दुनिया में नहीं रहीं।

ग्वालियर की बहू थी शेफाली बाद में तलाक लिया:

ग्वालियर। शेफाली का ग्वालियर से ससुराल व बहू का नाता था। आज से 17 साल पहले ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर वे ग्वालियर की बहू बनकर पंजाब मेल से अपने पति हरमीत सिंह व ससुराल वालों के साथ आईं थीं। वे ग्वालियर के प्रसिद्ध शराब कारोबारी गुलजार सिंह के मीत ब्रदर्स की जोड़ी के नाम से मशहूर हुए बेटों में से छोटे ब्रदर हरमीत की दुल्हन बनकर ग्वालियर आईं थीं। संगीतकार व सिंगर मीत ब्रदर्स उस समय आज की तरह मशहूर नहीं हुए थे और शेफाली स्टार बन चुकी थीं, और शायद वही बाद में उनकी बीच अलगाव का कारण रहा। गांधीनगर स्थित घर पर बाकायदा नई दुल्हन के स्वागत की रस्में हुईं। उसके बाद चाहे दीवाली पर घर में रंगोली सजाते या आतिशबाजी करते, मॉल में शापिंग करते या फिर होटल सेंट्रल पार्क में काटा लगा सांग पर शहरवासियों के सामने मंच पर अपनी शोख अदाओं से जलवे बिखेरते हुए कई बार शेफाली को क्लिक किया गया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सपरिवार एक म्यूजिक एलबम रिलीज़ करने के लिए उनके वसंत विहार स्थित कोठी पर पहुंचे थे। उसके बाद वो अचानक ग्वालियर छोड़ गईं। वापस आईं तो न्यायालय में अपने पिता के साथ फाइनल तलाक़ लेकर हीं निकलीं।

घर पर पूजा खत्म ....

बाद मैं उन्हें पास के बेल व्यू अस्पताल ले गया था। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी....

घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो जल्दी ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। साथ ही, डॉ. पात्रा ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर इंदिरा गांधी के संविधान बदलने की मंशा उजागर करते हुए कांग्रेस के लोकतंत्र के रक्षक होने के झूठे दावों को उजागर किया।

यह क्रूरता की हद पार करने वाला कृत्य: डॉ. पात्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की पूरी जानकारी ली और तमाम तथ्यों को देखने के बाद साफ कहा कि यह एक क्रूरता की हद पार करने वाला कृत्य है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को शामिल किया गया है। यह जांच समिति जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसने हम सबको भीतर तक झकझोर दिया है। यह सिर्फ जवाब मांगने का वक्त नहीं है, अब ममता बनर्जी से माफी और इस्तीफा दोनों की मांग हो रही है। इस देश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

घटना बेहद अमानवीय और शर्मनाक: भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में एक जघन्य गैंगरेप की घटना घटी। लगभग 24-25 वर्षीय एक छात्रा के साथ जिस प्रकार से सामूहिक दुष्कर्म हुआ, वह बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। इस घटना को लेकर आज पूरे भारतवर्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है। अचरज इस बात की है कि आखिर बंगाल किस दिशा में बढ़ रहा है? बंगाल से लगातार इस प्रकार की रेप की घटनाएं सामने आ रही हैं चाहे वह आरजी कर अस्पताल की घटना हो या अब कस्बा के लॉ कॉलेज की यह भयावह घटना। यह वही प्रदेश है जहाँ एक महिला मुख्यमंत्री शासन में हैं, ऐसे में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता अपेक्षित है। लेकिन यहाँ जो कुछ हो रहा है, वह संवेदनहीनता और क्रूरता की चरम सीमा है। इस घटना को यदि गंभीरता से देखा जाए, पीड़िता ने स्वयं एक लिखित स्टेटमेंट जारी किया है।

यह राज्य प्रायोजित अपराध: डॉ. पात्रा ने पीड़िता द्वारा लिखित स्टेटमेंट को मीडिया के समक्ष रखते हुए कहा कि इसे पढ़ने से स्पष्ट होता है कि यह गैंगरेप कहीं न कहीं, राज्य प्रायोजित अपराध है। इस मामले में कॉलेज यूनियन से जुड़े सात लोग उस समय वहाँ मौजूद थे। यह यूनियन तृणमूल कांग्रेस समर्थित है और मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा इसी यूनियन से जुड़ा हुआ है। मनोजित मिश्रा स्वयं टीएमसी की स्टूडेंट विंग का सेक्रेटरी रह चुका है। वह कॉलेज का पूर्व छात्र है और अब लॉ की प्रैक्टिस भी करता है। वह इस कॉलेज के लिए ठेके पर काम भी करता है और वह टीएमसी का सक्रिय सदस्य भी है। कई तस्वीरों में मनोजित मिश्रा टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठा, खड़ा और समय बिताता दिखाई दे रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ....

में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर हैं। सनातन की आत्मा के साथ किया गया अपमान है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है। प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। लेकिन, भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ दिए गए।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर: धनखड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर था जब लोग जेलों में थे, मौलिक अधिकार निलंबित थे। उन लोगों के नाम पर 'हम भारत के लोग' जो खुद उस समय दासता में थे, क्या सिर्फ शब्दों का प्रदर्शन किया गया? इसे शब्दों से परे जाकर निंदा की जानी चाहिए। केसवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973 के ऐतिहासिक फैसले में, 13 न्यायाधीशों की पीठ ने प्रस्तावना पर गहराई से चिंतन किया। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना ने कहा कि प्रस्तावना संविधान की व्याख्या के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करती है और यह दर्शाती है कि संविधान की सत्ता का स्रोत कौन है अर्थात भारत की जनता। हमें आत्मचिंतन करना चाहिए डॉ. आंबेडकर ने अत्यंत परिश्रम से यह कार्य किया। उन्होंने अवश्य ही इस पर गहराई से विचार किया होगा। हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रस्तावना को सही और उचित समझ कर जोड़ा था। लेकिन इस आत्मा को ऐसे समय बदला गया जब लोग बंधन में थे।

आईपीएस अधिकारी ...

जाने जाने वाले पराग जैन मानव खुफिया को तकनीकी खुफिया के साथ प्रभावी ढंग से संयोजित करने के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह खासियत कई अहम ऑपरेशनों में अहम रही है।

कई ऑपरेशन संभाले हैं पराग ने: पंजाब में जब आतंकवादियों ने दहशत मचा रखी थी, पराग जैन ने तब बठिंडा, मानसा, होशियारपुर में ऑपरेशनल भूमिका निभाई। इससे पहले वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी रह चुके हैं। उन्होंने रॉ में पाकिस्तान डेस्क संभाली है। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाए जाने और ऑपरेशन बालाकोट के दौरान जम्मू-कश्मीर में भी काम किया है। पराग जैन काफी विनम्र अधिकारी कहे जाते हैं। उन्होंने कनाडा और श्रीलंका में भारतीय प्रतिनिधि के तौर पर काम किया है। कनाडा में पोस्टिंग के दौरान उन्होंने वहां खालिस्तान समर्थकों को चुनौती दी थी और नई दिल्ली को बार-बार चेतावनी दी थी कि यह खतरनाक होता जा रहा है।

सीएम नीतीश ने की घोषणा

बिहार पुलिस में 55000 पदों पर भर्ती जल्द होगी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार पुलिस में जल्द ही 55 हजार पदों पर बहाली की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को यह घोषणा की। 21391 नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देते हुए अधिकारियों से पुलिस में आगामी भर्ती प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम ने अपने संबोधन के दौरान मंच पर बैठे पुलिस और सरकार के आला अधिकारियों को खड़ा करवा दिया और भर्तियों में देरी होने पर नाराजगी जाहिर की।

पटना के बापू सभागार में शनिवार को नवचयनित सिपाहियों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए सिपाहियों को नियुक्ति पत्र बांटे। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि 21391 सिपाहियों को नियुक्ति पत्र मिल गए हैं। अब आने वाले समय में 55000 पदों पर भर्ती होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस में जितनी महिलाएं हैं, उतनी किसी राज्य में नहीं है। 2005 में उनके सत्ता में आने से पहले बिहार में पुलिसकर्मियों की संख्या महज 42481 थी। इसे बढ़ाकर 1.10 लाख कर दिया गया। सीएम ने कहा कि दो साल पहले उन्होंने राज्य में पुलिसकर्मियों की संख्या को और बढ़ाते हुए 2.29 लाख करने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में बड़ी संख्या में सिपाहियों को नियुक्त किया गया है। साथ ही 55 हजार और पदों पर बहाली की जाएगी।

वाहन मालिक का बेटा साहिल गिरफ्तार

थार से पुलिसकर्मियों को कुचलने की नाकाम कोशिश

एजेंसी ▶▶ पटना

थार से पुलिसकर्मियों को कुचलने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने वाहन मालिक के पुत्र साहिल देव को गिरफ्तार कर लिया। वह सुल्तानगंज थाना अंतर्गत महेंद्रू के प्लास्टिक गली का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी थार भी जब्त कर ली है।

वहीं, घटना के वक्त वाहन चला रहा राहुल अभी भी फरार है। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से रजिस्ट्रेशन नंबर निकाला गया, जिससे वाहन मालिक की पहचान कर ली गई और एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। जल्द ही दूसरे को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दरअसल, 24 जून की दोपहर 12:55 बजे एयरपोर्ट ट्रैफिक ओपी अध्यक्ष अंशु महिला कांस्टेबल और एक होमगार्ड के सहयोग से चितकोहरा गोलंबर के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एयरपोर्ट की ओर से आ रही थार को रुकने का इशारा किया गया। थार के शीशे पर काली फिल्म लगी थी।

वहीं, चालक और उसके बगल की सीट पर बैठे युवक ने भी सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। इस आरोप में चालान काटने के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, चालक ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी और पुलिसकर्मियों को कुचलते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की।

हालांकि पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए और चालक गाड़ी को गर्दनीबाग की ओर भगा ले गया। पुलिस दो दिनों तक गाड़ी का लोकेशन ट्रेस करती रही। बताया जाता है कि घटना से तीन दिन पहले ही थार खरीदी गई थी। फरार राहुल के पिता फार्मा कंपनी में काम करते हैं।

कई नामी अस्पतालों ने जताई आपत्ति

राज्य कर्मियों के इलाज का पैकेज बढ़ाने में जुटी हेमंत सरकार

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की हेमंत सरकार राज्यकर्मियों के इलाज का पैकेज बढ़ाने में जुटी हुई है। राज्यकर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत दी जा रही राशि कई बीमारियों के इलाज में नाकाफी साबित हो रही है, इसके चलते ये कदम उठाया जा रहा है। पैकेज बढ़ाने की बात से कई नामी अस्पतालों ने आपत्ति जताई है। वहीं कई अस्पतालों ने स्वास्थ्य विभाग से तय पैकेज की बजाय सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) दर पर उपचार की सुविधा देने का भी अनुरोध किया है। इस मद्देनजर इलाज में खर्च की जाने वाली राशि संशोधित की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने पैकेज का अध्ययन के लिए समिति बनाई

राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अस्पतालों को सीजीएचएस दर पर उपचार की सुविधा के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसके लिए अस्पतालों के इंपैनलमेंट मोड में बदलाव किया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक सुविधाएं दी जा सकें। इधर स्वास्थ्य विभाग ने पैकेज का अध्ययन कर उसका पुनः निर्धारण के लिए 15 सदस्यीय समिति बनाई है, जो तय पैकेज का अध्ययन कर नया पैकेज रेट बनाएगी और 15 दिनों में रिपोर्ट देगी।

निजी अस्पतालों ने सीजीएचएस दर पर इलाज की अनुमति मांगी

राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना से सूचीबद्ध होने से कई कॉरपोरेट अस्पतालों ने इनकार कर दिया है। इसमें दिल्ली का मेदांता हॉस्पिटल, नारायणा सुपरस्पेशलिटी, मैक्स व टीएमएस, मुंबई के साथ साथ रांची स्थित मेडिका, मेदांता, पारस आदि कई कॉरपोरेट हॉस्पिटल शामिल हैं। इन अस्पतालों का कहना है कि सरकार ने अलग अलग बीमारियों के लिए उपचार का पैकेज बनाकर अस्पतालों के लिए जो देय राशि निर्धारित की है, वह काफी कम है। कई अस्पतालों ने तो योजना के तहत निर्धारित पैकेज की बजाए सीजीएचएस दर पर इलाज की अनुमति मांगी है।

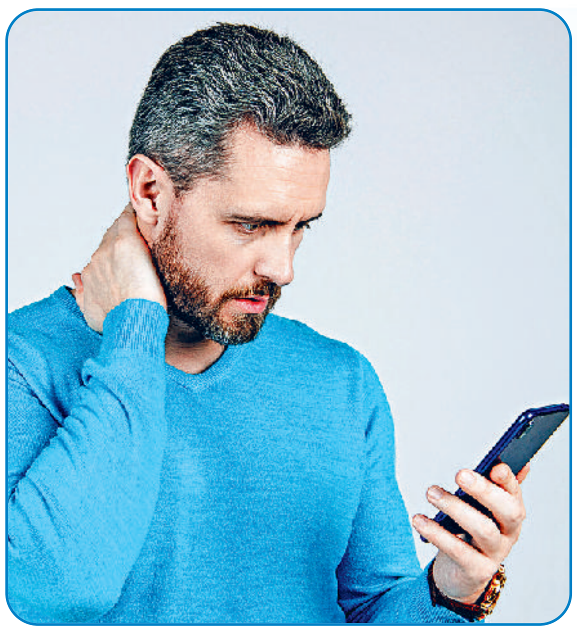

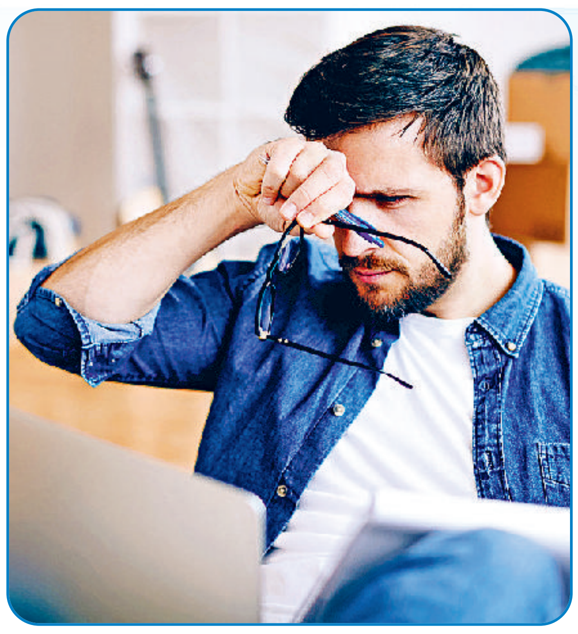

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया डे
30 जून

तन-मन को कर रहा बीमार
सोशल मीडिया एडिक्शन

इन दिनों हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के एडिक्शन में उलझे हुए हैं। इस एडिक्शन से घंटों गैजेट्स से चिपके रहने और गलत अंदाज में उसे ऑपरेट करने से कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं इसकी लत लोगों को मानसिक रूप से भी बीमार बना रही है। वो कौन सी बीमारियां हैं और इनसे बचने के लिए क्या उपाय अपना सकते हैं, इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर सोशल मीडिया एडिक्शन के नेगेटिव इफेक्ट्स को मानसिक सेहत से ही जोड़कर देखा जाता है। परिचित-अपरिचित लोगों की सुंदर तस्वीरों और अच्छी-बुरी सूचनाओं का मेल मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित भी करता है। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया में हर तरह के कंटेंट को देखते रहना फिजिकल हेल्थ पर भी बुरा असर डालता है। शरीर के बहुत अंग स्क्रीन स्क्रॉलिंग को दिए जाने वाले समय के नेगेटिव असर को झेलते हैं।

स्किन-विजन पर दुष्प्रभाव

सोशल मीडिया अपडेट्स को देखने के लिए हरदम स्क्रीन में झांकते रहना, आंखों की रोशनी छीन रहा है। बच्चे-बड़े सभी की आईसाइट कमजोर हो रही है। आंखों में सूखापन, थकान और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। रात को सोते समय कम रोशनी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को स्क्रॉल करना तो आंखों पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव डाल रहा है। वर्चुअल वर्ल्ड में पल-पल दिखती दूसरों की अपडेट्स इतनी इंटरेस्टिंग लगती हैं कि बिना ब्रेक स्मार्ट फोन की स्क्रीन में देखते रहने की लत लग जाती है। रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के अनुसार हमारे यहां हर यूजर हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर बिता रहा है। इसमें से ज्यादातर टाइम सोशल मीडिया पर बीत रहा है। इस डिजिटल व्यस्तता से सिरदर्द के साथ ही आंखों में तनाव एवं थकान भी बढ़ती है। मौजूदा समय में अधिकतर यूजर्स की आंखें यह डिजिटल स्ट्रेस झेल रही हैं। अंधेरे में भी स्क्रीन स्क्रॉल करने की आदत ना केवल तेजी से नजर कमजोर करती है बल्कि आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स का भी कारण बनती है। इतना ही नहीं कई लोगों को स्मार्ट फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट से चेहरे पर डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है। असल में ब्लू लाइट त्वचा के रोम-रोम में समाते हुए स्किन में खुजली, रूखापन और टैनिंग की समस्या की भी वजह बनती है।

बिगड़ता बॉडी पोश्चर

पार्क में वॉक करते हुए, बिस्तर पर आराम करते हुए, गाड़ी चलाते हुए या जिम में एक्सरसाइज करते हुए। लोग हर समय स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन खंगालते रहते हैं। इसका कारण सोशल मीडिया में मौजूदगी दर्ज करवाना ही है। असल दुनिया में अनुपस्थित होने से एक ओर उस समय की जा रही एक्टिविटी पर फोकस नहीं करते तो दूसरी ओर शरीर के विशेष अंगों पर अधिक दबाव भी पड़ता है। फोन की स्क्रीन में नीचे की तरफ देखते रहने से टेक नेक की समस्या बढ़ रही है। यह हेल्थ प्रॉब्लम गर्दन में दर्द, अकड़न और सिरदर्द से जुड़ी है। साथ ही स्क्रीन स्क्रॉलिंग बैक पेन और कंधों के दर्द से जुड़ी परेशानियों की भी वजह साबित हो रही है। आड़े-टेढ़े बॉडी पोश्चर में लोग घंटों सोशल मीडिया देखते रहते हैं। लगातार गलत शारीरिक स्थिति में बैठने से कई हड्डियों से जुड़ी समस्याएं पैदा हो रही हैं। सोशल मीडिया अपडेट्स देखते हुए लोग कुछ न कुछ लिखते भी हैं। गलत पोश्चर में टाइपिंग करने से 'टेक्स्ट नेक' की परेशानी बढ़ रही है। ध्यान रहे कि इंसानी शरीर पर अपने सिर का वजन 4.5 किलो से 5.4 किलो तक होता है। लेकिन फोन देखने के लिए गर्दन झुकाने पर ग्रैविटी के कारण सिर पर पड़ने वाला भार करीब 27 किलो तक हो जाता है। फोन को हरदम हाथ में थामे रहने से कलाई और स्क्रॉलिंग से अंगूठे में दर्द और नर्व्स में सुन्नपन की तकलीफ भी होने लगती है।

शारीरिक निष्क्रियता

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया पर बीत रहे समय ने हर एजग्रुप के लोगों की फिजिकल एक्टिविटी कम कर दी है। इससे कम उम्र में ज्वॉइंट पेन और शरीर की जकड़न जैसी परेशानियां आ रही हैं। असल में हड्डियों के ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ना जकड़न और दर्द का अहम कारण होता है। फिजिकली एक्टिव ना रहना इस परेशानी को बढ़ाता है। बफेलो यूनिवर्सिटी की स्टडी के अनुसार सोशल मीडिया का हद से ज्यादा इस्तेमाल से सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ सकता है। यह स्थिति ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ने से जुड़ी है। सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ना शारीरिक अंगों में दर्द ही नहीं हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर हेल्थ इश्यूज की जड़ भी बन सकता है। देखने में आ रहा है कि पल-पल सामने आती रील्स, मीम्स देखते हुए गुजर रहा समय बेवजह की व्यस्तता का कारण बन गया है। इसके कारण लोगों में मोटापा भी बढ़ रहा है। शारीरिक छवि के मोर्चे पर सोशल मीडिया में दिखती तस्वीरों और वीडियोज के कारण बच्चों से लेकर बड़ों तक, अपने ही शरीर की बनावट के प्रति नापसंदगी की सोच भी आ रही है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बीत रहे समय को सीमित करना आवश्यक है। साथ ही समय-समय पर ब्रेक लेना और स्मार्ट गैजेट्स इस्तेमाल करते हुए बॉडी पोश्चर को सही रखना भी अहम है। *

बिगड़ रही मानसिक सेहत

सोशल मीडिया एडिक्शन का हमारी मेंटल हेल्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंग्जाइटी और चिड़चिड़ेपन की समस्याएं लोगों में काफी बढ़ने लगी हैं। लोग घर में रहते हुए भी एक दूसरे से कम बात करते हैं। सोशल इंटरेक्शन कम होता जा रहा है। अपनी रियल लाइफ के बजाय वर्चुअल लाइफ को इंप्रेसिव बनाने के ज्यादा प्रयास किए जाते हैं। इससे स्ट्रेस का स्तर बढ़ता है। ऐसे में सोशल मीडिया का कंट्रोल्ड यूज करना मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

टेक्नोबिहेवियर
नौशाबा परवीन

सोशल मीडिया यूजर्स एटिकेट्स का रखें ध्यान

लगभग दो दशक की अपनी विकास यात्रा में सोशल मीडिया ने समाज के बहुत बड़े वर्ग को प्रभावित किया है। लेकिन इसके पॉजिटिव यूज के साथ जमकर मिसयूज भी किया जाता है। इसके एटिकेट्स के बारे में न केवल आपको पता होना चाहिए, उसे फॉलो भी करना चाहिए।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया ने लोगों के परिवार, दोस्तों और दुनिया के साथ बातचीत, संवाद और साझा करने के तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया है। हमारे जीवन में सोशल मीडिया के महत्व का अंदाजा दो मुख्य बातों से लगाया जा सकता है। एक, संकोची स्वभाव के जो लोग महफिलों में कुछ कह नहीं पाते थे, वह भी सोशल मीडिया पर खुलकर अपने विचार रखते हैं बल्कि अपनी हर बात कह लेते हैं, क्योंकि यह माध्यम 'पर्दे के पीछे' से भी अपने विचार (अच्छे या बुरे) व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। दूसरा यह कि सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक दलों से लेकर आम आदमी तक लोगों को इंफ्लुएंस (प्रभावित) करने का प्रयास करते हैं। इस वजह से इंफ्लुएंसर्स की एक नई जमात खड़ी हो गई है, विशेषकर इसलिए कि सोशल मीडिया, कंटेंट क्रिएटर्स को अच्छा पैसा कमाने का मौका भी देता है। इन महत्व के चलते मां दिवस, पिता दिवस आदि की तरह हर साल 30 जून को सोशल मीडिया दिवस भी मनाया जाने लगा है, जिसकी शुरुआत 2010 में मेंशेबल ने की थी।

ऐसे होता गया पॉपुलर: सोशल मीडिया के पॉपुलर होने का सिलसिला 2002 में फ्रेंडस्टर और 2003 में माईस्पेस के लांच होने से शुरू हुआ और इसके बाद 2004 में सोशल मीडिया के सबसे पॉपुलर प्लेटफॉर्म फेसबुक की स्थापना हुई। ट्विटर (जो अब एक्स हो गया है) ने हमें संक्षिप्त होने के लिए प्रोत्साहित किया कि 140 से कम अक्षरों में ही अपने विचार व्यक्त करने हैं। जिसे बाद में बढ़ाकर 280 कर दिया गया। इंस्टाग्राम और फ्लिकर ने ऐसी इमेजरी के जरिए खुद को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिसे हम संभाल सकते हैं। अगर वीडियो की बात करें तो टिक-टॉक और यू-ट्यूब मौजूद हैं। अभिव्यक्ति के लिए जब इतने मंच हों तो सोशल मीडिया दिवस मनाना आसान हो जाता है कि अपने पसंदीदा प्लेटफॉर्म पर कुछ पोस्ट किया जाए, मीम शेयर किए जाएं या किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ें जिससे लंबे समय से बात नहीं हुई है। अब तो अलग-अलग शहरों में सोशल मीडिया मीटिंग्स के जरिए भी इसकी पॉपुलैरिटी का जश्न मनाया जाता है।

होता है भरपूर मिसयूज: कोई चीज कितनी ही अच्छी क्यों न हो, उसका एक बुरा पहलू भी होता है। सोशल मीडिया भी इसका अपवाद नहीं है। अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कंटेंट क्रिएटर्स फेक न्यूज, क्लिक बेट (यानी वीडियो पर ऐसा थंब नेल लगाना, जिसका कंटेंट में जिक्र ही न हो) आदि का प्रयोग करते है। गलत धार्मिक या जातिगत आधारित कंटेंट से लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाया जाता है। सोशल मीडिया पर झूठ बहुत बड़ा कारोबार है। इसे रोकने के लिए नियम और कानून अवश्य हैं, लेकिन इनका उल्लंघन भी काफी किया जाता है। साथ ही सरकारें और सामाजिक-राजनीतिक संगठन भी कंटेंट को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। अनेक कंटेंट क्रिएटर्स को जेल की हवा तक खानी पड़ी है। दुखद है कि महिलाओं को भी सोशल मीडिया के जरिए तरह-तरह से परेशान किया जाता है। कभी धमकी देकर, कभी ब्लैक मेलिंग, कभी धोखेबाजी में फंसाकर तो कभी उनके द्वारा पोस्ट किसी कंटेंट के लिए ट्रोलिंग के जरिए उन्हें प्रताड़ित करने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। चिंताजनक यह है कि कई बार तो कुछ लोग इतने असहनशील हो जाते हैं कि किसी कंटेंट के लिए हत्या करने जैसा जघन्य अपराध भी करने से नहीं कतराते। इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने और तकनीक के इतने विकसित दौर में समाज की ऐसी संकीर्ण सोच, विचारणीय है। सोशल मीडिया दिवस का जश्न मनाना तब ही अच्छा और सार्थक लगेगा, जब हम प्रण लें कि महिलाओं की ऑनलाइन ट्रोलिंग नहीं करेंगे और उनके विरुद्ध किसी भी तरह की हिंसा और अपराध का विरोध करेंगे।

ना भूलें ये एटिकेट्स: सोशल मीडिया का पॉजिटिव यूज करने के लिए उसे ऑपरेट करते समय इसके कुछ एटिकेट्स को याद रखा जाना चाहिए। जैसे-ऑनलाइन बातचीत करते समय अपनी रियल आइडेंटिटी में रहें। किसी से फ्रेंडशिप करने के लिए पहले उसके विचारों को कंटेंट को समझें, लाइक करें, कमेंट करें फिर दोस्ती की तरफ आगे बढ़ें। ऑनलाइन चैटिंग करते समय विनम्र और पेशेवर लहजे का प्रयोग करें। ऑनलाइन कंटेंट साझा करते समय मूल स्रोत की विश्वसनीयता को परख लें। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

सब्र

मुश्किल यही है कि
होता जा रहा है सब्र
कम, और कम।
किसी बड़ी बात के लिए
सब्र खो देने की बात
तो आती है समझ,
मगर कई बार तो
खो बैठता है सब्र कोई आदमी
बिल्कुल छोटी-सी बात पर ही।
रखा जाए सब्र अगर
तो बचा जा सकता है
बहुत-सी उलझनों से।
रखा जाए सब्र अगर
तो सुलझ जाती हैं
कुछ उलझनें
अपने आप ही
वक्त बीतने के साथ-साथ।
वाकई बहुत काम की
चीज है सब्र।

व्यंग्य / संदीप भटनागर

मुर्गे और खंजर

मुर्गों की किस्मत में मुर्गियां कम, खंजर ज्यादा होते हैं। ये खंजर कभी उनकी गर्दन पर होते हैं तो कभी पांव में बंधे। यह समझना आसान है कि दुनिया में पहले मुर्गा आया होगा फिर खंजर।

छुट्टी का दिन होने के नाते सामने वाले मैदान में चहल-पहल कुछ ज्यादा थी। बड़े से मैदान का एक कोना मुर्गेबाजों के लिए रिजर्व रहता है। सामान्य तौर पर यह जगह मुर्गा बाजार के रूप में जानी जाती है, जहां आम दिनों में मुर्गों की खरीद-फरोख्त होती है और छुट्टी के दिन खरीदे गए मुर्गों की जोर-आजमाइश।

लड़ने वाले मुर्गों की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे दांव पर लग जाते हैं।

मेरे लिए यह जानना रोचक था कि जिंदा रहते हुए लड़ते मुर्गे देश की जी.डी.पी. में कितना योगदान करते हैं? मुर्गा बाजार में खंजर बेचने वाला भी बैठता है। आम दिनों में उसके पास सामान्य खंजर होते हैं लेकिन मुर्गेबाजी वाले दिन उसके पास मुर्गों के पांव में बांधने वाले विशेष खंजर होते हैं। मुर्गों के मालिक से लेकर दांव लगाने वाले तक अपनी पसंद के मुर्गों के लिए एक से एक कातिल खंजर खरीदते हैं ताकि वो प्रतिद्वंद्वी मुर्गे को ज्यादा से ज्यादा चोटिल कर मुकाबला जीत सके।

जी-जान से लड़ने वाले मुर्गे यह नहीं जानते कि जिबह तो हारने वाले और जीतने वाले दोनों मुर्गों को होना ही है। किसी को आज तो किसी को कल। इस मुकाबले में लड़ाने वालों की अपनी साख और प्रतिष्ठा दांव पर लगी होती है और तमाशबीनों का पैसा, जबकि लड़ने वाले मुर्गों की अपनी जान दांव पर लगी होती है। पूरे तमाशे में खंजर बेचने वाले के खंजरों की मारक क्षमता भी दांव पर लगती है। जितना मारक खंजर उतनी ज्यादा डिमांड।

बावजूद इसके इस पूरे खेल में हमेशा खंजर बेचने वाला ही फायदे में रहता है। वह खंजर हारने वाले को भी बेचता है, जीतने वाले को भी बेचता है और दांव लगाने वालों को भी। मुर्गेबाजी का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से भी पुराना है। इंसान ने अपने मनोरंजन के लिए मुर्गों को लड़ना सिखाया था। मानव सभ्यता के विकास के साथ मुर्गेबाजी के इस तरीके को क्रूर मानते हुए इसे असभ्य करार दे दिया गया। विकसित होती दुनिया में इसे अब नए ढंग से खेला जाने लगा। नवीन खेल में मुर्गों को मुर्गे होने का अहसास नहीं होने दिया जाता। लगातार उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि तुम्हारे अस्तित्व के लिए तुम्हें लड़ना जरूरी है। नवीन खेल में कमजोर मुर्गों पर भी दांव लगाया जाने लगा, जिन्हें विकसित भाषा में इन्वेस्टमेंट कहा जाने लगा। उनके माध्यम से आधुनिक खंजरों का परीक्षण कर दुनिया में दूसरे मुर्गों को बेचा जाने लगा। कुछ मुर्गों को अत्याधुनिक खंजरों से लैस कर इतना शक्तिशाली बना दिया गया कि वो अब अपने मालिक के इशारे पर लड़ने के बहाने तलाश कर किसी भी मुर्गे से लड़ने को तैयार रहते हैं।

खंजर के सौदागरों ने पूरी दुनिया को मुर्गेबाजी का अखाड़ा बना दिया। खेल में रोज हलाक होने वाले जानवर नहीं इंसान हैं इसलिए इस नए खेल पर दुनिया का कोई भी पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं होता।

इस नए खेल में आज भी पुराने खेल के कुछ नियम लागू हैं। यह खेल अभी भी मालिकों की प्रतिष्ठा और ईगो के लिए खेला जा रहा है। इस खेल में आज भी खंजर के सौदागर नफे में हैं। वे कमजोर और शक्तिशाली दोनों मुर्गों को अपने खंजर बेच कर मुनाफा पीट रहे हैं। आज भी जिंदा लड़ते मुर्गे खंजर बनाने वाले मालिकों के देश की जी.डी.पी. को बढ़ा रहे हैं और जो मुर्गे लड़ नहीं रहे हैं, वो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। *

लघुकथा
अशोक वाधवाणी

दिव्यांग का सम्मान

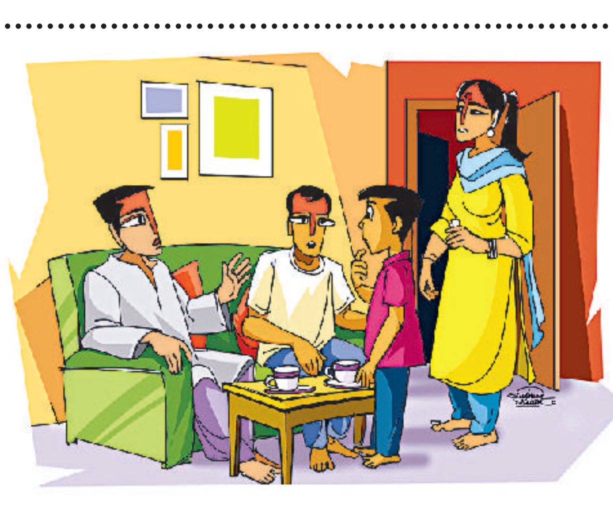

आलोक किसी काम के सिलसिले में एक जान-पहचान वाले दंपती के घर पहुंचे। औपचारिक अभिवादन और चाय-पानी के बाद उनसे बातचीत में व्यस्त हो गए। इतने में छठी कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा बाहर से घर के अंदर आया। वह सीधे ड्रॉइंग रूम में पहुंचा जहां आलोक उसके मम्मी-पापा के साथ बैठे थे। आते ही उसने अपनी मां के हाथ में दो सौ रुपए का नोट पकड़ाते हुए बोला, 'मम्मी, वो जो पड़ोस में अंधी खुशबू दीदी रहती हैं न, उन्होंने ये पैसे दिए हैं।'

किसी दिव्यांग के बारे में इस तरह के बोल सुनकर आलोक को बहुत बुरा लगा। उसने बच्चे को प्यार से समझाया, 'देखो बेटा, किसी की शारीरिक कमजोरी का ऐसे मजाक नहीं उड़ाते हैं। विकलांग लोगों को आजकल दिव्यांग कहकर पुकारा जाता है, यह एक पॉजिटिव सोच की निशानी है। संबोधन बदलने के बाद भी लोगों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ है, जो गलत बात है। उसके माता-पिता ने बड़े चाव से अपनी बेटी का सुंदर सा नाम रखा होगा खुशबू! बेटा, तुम्हें हर किसी दिव्यांग का नाम पूरे मान-सम्मान के साथ लेना चाहिए। सिर्फ खुशबू दीदी भी तो कह सकते थे।'

'हमारे घर में सभी उन्हें अंधी खुशबू ही तो कहते हैं।' बच्चे ने बड़े भोलेपन से बताया।

आलोक ने दंपती की ओर देखा, वे दोनों उससे नजरें नहीं मिला पा रहे थे। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी गजलों का कोलाज

वेद मित्र शुक्ल दिल्ली विवि में अंग्रेजी पढ़ाते हैं लेकिन वे अंग्रेजी के साथ ही हिंदी साहित्य में रचनात्मक रूप से काफी सक्रिय हैं। इसका प्रमाण हैं, कई विधाओं में प्रकाशित उनकी मौलिक और संपादित ढेरों पुस्तकें। कुछ समय पहले उनका दूसरा गजल संग्रह 'दरिया की बातें पत्थर से' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी गजलगोई के कई आयाम देखे जा सकते हैं। समय, समाज और जीवन के बेशुमार स्याह-श्वेत पहलू इन गजलों में उजागर हुए हैं। कहीं वे बढ़ते शहरीकरण के चलते बिखरते रिश्तों की टीस बयां करते हैं, *'गांवों से आ बसे शहर में खोए हैं सब रिश्ते नाते/गीतों में ही देवर-भाभी, जीजा-साली होली खेलें।'* तो कहीं समाज में छीजती जा रही मनुष्यता को लेकर वह अपनी चिंता ऐसे प्रकट करते हैं, *'तिल रखने की जगह नहीं पर/ अच्छे लोग बहुत ही कम हैं।'* इसी तरह वे राजनीतिज्ञों के चारित्रिक अवमूल्यन को बेबाकी से बयां करते हैं, *'गांधी का इक दौर रहा था/घिन आती है अब खद्दर से।'* यानी जीवन के लगभग हर पक्ष पर वे गहरी नजर रखते हैं और अपने जज्बातों को बयां करने के लिए सटीक तासीर के शब्दों को गजल में पिरो देते हैं।

कह सकते हैं यह किताब वेद मित्र शुक्ल की बहुरंगी गजलों के कोलाज जैसी है। *

पुस्तक: दरिया की बातें पत्थर से (गजल संग्रह)
लेखक: डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य:** 290 रुपए,
प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम राइज कॉन्क्लेव में उद्यमियों से कहा...

हमारी नीति है कि जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी नीति है कि जहां कॉन्क्लेव करते हैं, वहां इंडस्ट्री का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करते हैं। राइज कॉन्क्लेव नए उद्यमी तैयार करने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने रीवा, सागर, अलीराजपुर, धार, रतलाम के उद्यमियों एवं जनप्रतिनिधों से वर्चुअली संवाद किया। यहां फूड प्रोसेसिंग, टैक्सटाइल, डेयरी इंडस्ट्री, विद्युत उपकरण निर्माण यूनिट स्थापित करने वाले उद्यमियों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने एसआरएफ ग्रुप को भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किया। एमएसएमई स्वरोजगार क्रेडिट में ऋण प्रदान करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तरण सिंह जीरा को वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया का भी इसी श्रेणी में सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने आजीविका स्वसहायता समूहों को ऋण राशि के चेक भी वितरित किए।

4 लाख 85 हजार युवाओं को ऋण

एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि रतलाम के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस कॉन्क्लेव का नाम एमपी राइज 2025 रखा गया है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेशभर में उद्योग एवं कौशल विकास के लिए सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। रीजनल कॉन्क्लेव के माध्यम से पर्यटन की अपार संभावनाओं को गति मिली है। मप्र कृषि क्षेत्र में अग्रणी है। देश की जीडीपी में प्रदेश का हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है। पिछले वर्ष तक 2100 करोड़ रुपए की सब्सिडी बांटी जा चुकी है। राज्य सरकार के सहयोग से प्रदेश के 4 लाख 85 हजार युवाओं को बैंक ऋण स्वीकृत हुए हैं। कंपनियों ने 27 हजार युवाओं को नौकरी के ऑफर दिए हैं।

उद्योगपतियों के साथ हुआ वन-टू-वन मीटिंग और थीमैटिक सेशन

खास बातें

- निवेशकों को प्रोत्साहित करने 29 जून को सूरत में होगा रोड-शो
- एसआरएफ ग्रुप को भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट दिया
- आजीविका स्वसहायता समूहों को ऋण राशि के चेक वितरित किए

अपने उत्पादों के लिए बेहतर मार्केट कनेक्टिविटी मिलेगी

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमएसएमई विभाग एवं वॉलमार्ट कम्पनी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान भी हुआ। इस एमओयू के बाद अब छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर मार्केट कनेक्टिविटी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई विभाग ने प्राकशित सफल उद्यमी-समृद्ध प्रदेश पुस्तिका, (कौशल विकास विभाग) ने प्रकाशित आईटीआई एंड इंडस्ट्री कनेक्ट पत्रिका एवं युवा संगम ब्रोशर का विमोचन भी किया।

10 राज्य क्लस्टर, अलीराजपुर सीएफसी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमएसएमई विभाग के तहत 73.43 हेक्टेयर के 104 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले 10 राज्य क्लस्टर एवं अलीराजपुर सीएफसी का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। साथ ही एमएसएमई विभाग के तहत निवाड़ी, आगर मालवा एवं रायसेन जिले के नवीन डीटीआईसी कार्यालयों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग-एमपीआईडीसी के तहत 80.26 हेक्टेयर रकबे में 61.26 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले नवीन औद्योगिक क्षेत्र, सेमरी कांकड़, जिला मंदसौर का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने 202 करोड़ रुपए की लागत के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण कर रतलाम जिलों को अनुपम सौगातें दी। मुख्यमंत्री ने कौशल विकास विभाग ने 263 आकांक्षी युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर भी प्रदान किए। साथ ही एमएसएमई विभाग के तहत उद्यमियों को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए।

रेल यात्रियों के साथ माल परिवहन में भी अहम भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में भारत को दुनिया के आगे खड़ा कर दिया है। आज हर तरह की विश्व स्तरीय सुविधाएं भारत में उपलब्ध हैं। हमारी सरकार रेल यात्रियों के साथ माल परिवहन में भी अहम भूमिका निभा रही है। रेलमंत्री ने रतलाम को 4 ट्रैक रेल-लाइन की सौगात दी है। प्रदेश में जीआईएस के माध्यम से 30.77 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्राप्त हुआ, जिससे करीब 21 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार ने उद्योग, निवेश और रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए 18 नई नीतियां फरवरी में लागू की हैं। प्रदेश में 340 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र 10 फूड पार्क, 5 एसईजेड, 2 स्पाइस पार्क संचालित हैं।

15 प्रमुख उद्योगपतियों से निवेश क्षेत्र और औद्योगिक सुविधाओं पर चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से देश के 15 प्रमुख उद्योगपतियों ने वन-टू-वन चर्चा कर निवेश प्रस्ताव दिए। मप्र में उद्योग लगाने की इच्छा व्यक्त की। उद्योगपतियों ने निवेश क्षेत्र और विभिन्न औद्योगिक सुविधाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश में बेहतर निवेश अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से विशेषत एमडी शक्ति पंप्स दिनेश पाटीदार, जैक्शन ग्रुप के एमडी संदीप गुप्ता, ओरियाना पॉवर के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओमकार पांडे, एसआरएफ के निदेशक प्रशांत मेहरा और बीबा फैशन के एमडी सिद्धार्थ बिन्द्रा ने प्रमुख रूप से चर्चा की। एमपी राइज के दौरान निवेश, रोजगार और कौशल विकास पर तीन सामान्तर सेक्टोरल सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में निवेशकों और विभागों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएं: सांसद शर्मा

सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निरंतर प्रयासों ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह विचार रखा कि समावेशी और संतुलित औद्योगिक विकास के लिए प्रदेश के क्षेत्रों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जाएं। इसके तहत संभागों में आरआईसी का आयोजन किया गया, जिससे समग्र विकास की अवधारणा को मजबूती मिली। मुख्यमंत्री के प्रयासों से प्रदेश में उद्योग-फ्रेंडली वातावरण बना है, जिससे निवेशकों का भरोसा, भागीदारी दोनों बढ़े हैं। इन पहलों ने प्रदेश की औद्योगिक गति को तेज किया है और रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।

निवेश प्रस्ताव

कंपनी	क्षेत्र	निवेश (करोड़ में)	रोजगार
एसआरएफ	रतलाम	9200	7000
जैक्सनग्रुप (सौर)	मक्सी, शाजापुर	6000	7500
ओरियाना पावर45	रतलाम, मोहासा	5000	6500
ओस्टवाल समूह	झाबुआ	5000	5000
शक्ति पंप	धार	1500	2250
श्री तिरुपति बालाजी	रतलाम, मोहासा	1500	2300
एकेटी गियर्स	इंदौर, देवास, उज्जैन	500	700
अमीटेक्सएग्रो	आगर मालवा	250	400
कृष्णाफोस्केम	झाबुआ	217	500
दुर्गा खांडसारी चीनी	मिल एवं इथेनॉल प्लांट		
कुक्षीधार		175	400
टेक्नोप्लास्ट पैकेजिंग			
प्राइवेट लिमिटेड	ग्वालियर	150	250
डायसिन फार्मास्यूटिकल्स			
लिमिटेड	पीथमपुर,धार	100	300
स्काईलार्क प्रोटीन्स प्राइवेट			
लिमिटेड	उज्जैन	100	220
मित्तल सोया प्रोटीन			
प्राइवेट लिमिटेड	नीमच, देवास	50	200
बीबा फैशन	धार	50	2000
एमएसएमई विभाग से			
प्राप्त अन्य प्रस्ताव	610	कुल -30,402	35520

पुरुषों से अधिक महिलाओं ने कराया पंजीयन

अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला देश में प्रथम, श्योपुर ने भी किया तीसरा स्थान अर्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

असंगठित क्षेत्र के कामगारों को वृद्ध अवस्था में आर्थिक संबल प्रदान करने वाली अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिले ने देश में पहला तथा श्योपुर जिले ने तीसरा स्थान अर्जित किया है। इस सूची में 10 में से 3 जिले मप्र के हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार ने अटल पेंशन योजना संचालित की जा रही है।

इस योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में नए लोगों को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। यह बालाघाट जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर मृणाल मीणा की पहल पर जिले में बैंको की ओर से कृषि, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन एवं श्रम विभाग के साथ समन्वय कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

लक्ष्य से तीन गुना अधिक लोगों के नाम जोड़े

केंद्रीय एजेंसी ने बालाघाट जिले को 2992 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 10 हजार 925 लोगों को जोड़कर 365 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। द्वितीय स्थान पर कर्नाटक का कोलार, तृतीय स्थान पर मप्र का श्योपुर, चतुर्थ स्थान पर कर्नाटक का चिकबल्लापुर, पंचम स्थान पर उत्तरप्रदेश का बाराबंकी, छठवें स्थान पर पश्चिम बंगाल का माल्दा, सातवें स्थान पर उत्तरप्रदेश का महाराजगंज, आठवें स्थान पर मप्र का उज्जैन व नौवें स्थान पर अलीराजपुर तथा दसवें स्थान पर पश्चित बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला है।

अधिक लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान

देश में 1 मई 2025 से अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है, अभियान 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। कलेक्टर मृणाल मीणा ने इस अभियान के तहत जिले में 50 हजार लोगों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस विशेष अभियान में 27 जून 2025 तक 10 हजार 925 असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं लोगों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है, जो देश के सभी जिलों में सबसे अधिक है।

बालाघाट में 9604 महिलाओं ने अपना पंजीयन कराया

अटल पेंशन योजना से जुड़ने में बालाघाट जिले में पुरूषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक रूचि दिखाई है। बालाघाट जिला 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाओं के साथ लिंगानुपात में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। योजना के इस अभियान के अंतर्गत जिले में 9604 महिलाओं, 1320पुरूषों एवं 01 ट्रांसजेंडर ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में पंजीकृत कुल लोगों की संख्या 01 लाख 5 हजार 477 हो गई है। जिसमें 61 हजार 509 महिलाएं, 43 हजार 953 पुरूष और 15 ट्रांसजेंडर शामिल है।

योजना में 1,000 से 5,000 रु. तक की मासिक पेंशन मिलती है

अटल पेंशन योजना भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। यह योजना 1,000 रुपए से 5,000 रुपए तक की मासिक पेंशन प्रदान करती है, जो 60 वर्ष की आयु के बाद मिलती है। इस योजना में अंशदान की राशि व्यक्ति की आयु और चुनी गई पेंशन राशि पर निर्भर करती है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन की उपस्थिति में अनुबंध पर हुए हस्ताक्षर

भविष्य की विद्युत जरूरतों के लिए अरुणाचल प्रदेश से 252 मेगावाट बिजली लेने का समझौता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीसीएल) और एनएचपीसी के मध्य हस्ताक्षर हुए और एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। अनुबंध के आधार पर एनएचपीसी की अरुणाचल प्रदेश के लोअर दि बांग वैली जिले में स्थित बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना से मप्र को केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आवंटित 252 मेगावाट विद्युत मिलेगी। विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राकेश ठुकराल और एनएचपीसी के महाप्रबंधक ओंकार यादव ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुबंध को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य की मांग को देखते हुए पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों के अलावा विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से भी विद्युत क्रय अनुबंध आवश्यक हैं।

अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप, सख्त कार्रवाई की मांग

प्राइवेट अस्पताल में युवती की मौत पर परिजनों का हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के गोढ़ी निवासी 26 वर्षीय अंजली सिंह की मौत के बाद ग्रामीण न्याय की मांग को लेकर लामबंद हो गए हैं। अंजली सिंह की मौत 2 जून को श्वेता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई थी, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल की लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने श्वेता हॉस्पिटल के सामने धरना प्रदर्शन किया और पुतला दहन के साथ चक्काजाम और घेराव करने की चेतावनी दी है। गोढ़ी निवासी 26 वर्षीय अंजली सिंह को प्रसव के लिए श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां ऑपरेशन के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की लापरवाही के कारण

अंजली की मौत हुई। परिजनों ने डॉक्टर मनीआरो कुजुर के खिलाफ निलंबन और वैधानिक कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर के निर्देश पर निजी अस्पताल श्वेता हॉस्पिटल की जांच के लिए एक जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल में विशेषज्ञ चिकित्सकों को शामिल किया गया है, जो 7 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है।

नाराज लोगों ने प्रशासन की से ये मांग

डॉक्टर मनीआरो कुजुर को तत्काल निलंबित किया जाए। श्वेता हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर उसे तत्काल बंद कराया जाए। पूरे मामले की जांच कोरबा से बाहर के अधिकारियों की टीम से कराई जाए,पोस्टमार्टम जांच स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराई जाए। न्यू कोरबा हॉस्पिटल पर भी आर्थिक शोषण और लापरवाही के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो जिलेभर में बड़ा जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। मृतक अंजली के पति रणजीत राजपूत ने बताया कि डॉक्टर मानियारो कुजुर को निलंबित किया जाए।

मौके से पुलिस को मिला सुसाइड नोट, लिखा मैं निर्दोष हूं

निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी के आरोप में निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर के निलंबित पटवारी सुरेश मिश्रा ने सकरी थाना क्षेत्र स्थित जोकी गांव में अपनी बहन के फार्म हाउस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है और कोटवार एवं एक अन्य व्यक्ति पर फंसाने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि के अधिग्रहण में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के मामले में आरोप लगा था। जांच के बाद सुरेश मिश्रा को 25 जून को निलंबित किया गया था। इसपर तोरवा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद सुरेश मिश्रा मानसिक तनाव में थे जो 30 जून को रिटायर्ड होने वाले थे। फिलहाल सुसाइड नोट और मामले की जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा।

परिषद बैठक बुलाने के लिए संभाग उपायुक्त ने कमिश्नर को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम की परिषद बैठक बुलाने के लिए संभाग उपायुक्त किरण गुप्ता ने निगम कमिश्नर हरेन्द्र नारायन को पत्र लिखा है।

एक सप्ताह पहले कांग्रेस पार्षदों ने संभागायुक्त संजीव सिंह को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा था। कांग्रेस पार्षद योगेन्द्र चौहान ने बताया कि नियमानुसार 3 जून को परिषद सम्मेलन बुलाए जाना प्रस्तावित था, लेकिन अब तक बैठक की कोई सूचना नहीं है। दरअसल हर दो महीने में होने वाली नगर निगम की अंतिम परिषद बैठक 3 अप्रैल को आयोजित की गई थी। इस बैठक में निगम का बजट पारित किया गया था। नियमानुसार अगली बैठक 3 जून को होनी थी, लेकिन अब तक बैठक को लेकर कोई सूचना नहीं है। इससे नाराज कांग्रेस पार्षदों ने 20 जून को संभाग कमिश्नर संजीव सिंह को ज्ञापन सौंपा था।

जशपुर के प्राथमिक विद्यालयों को सम्पर्क स्मार्ट किट और टीवी वितरित

सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लॉक का सीएम ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के बगिया हाई स्कूल में सम्पर्क स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जशपुर के 50 प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए सम्पर्क स्मार्ट किट और टीवी का भी वितरण किया गया। मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में बचपन के दिनों को याद करते हुए इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि उनके गृह ग्राम बगिया में नवाचार के

तहत सम्पर्क स्मार्ट स्कूल प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा पहली से पांचवीं कक्षा तक बगिया प्राथमिक स्कूल में प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष पूर्व बगिया स्कूल खपरैल का होता था, जिसमें बरसात के दिनों में पानी टपकता था और पानी टपकने के कारण जगह बदलनी पड़ती थी। लेकिन आज 50 वर्षों बाद बगिया स्कूल का संपूर्ण कायाकल्प हो गया है और वर्तमान में यहाँ हाई स्कूल संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जमाने में प्राथमिक स्कूल के बाद हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी लेकिन वर्तमान में छत्तीसगढ़ में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा की सुविधाएं सुलभ हैं।

व्यक्ति के समग्र विकास का मूल मंत्र शिक्षा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र मूलमंत्र है जिससे व्यक्ति का समग्र विकास संभव है। शिक्षक हमारे राष्ट्र के निर्माता होते हैं, जो हमें अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, वैज्ञानिक और प्रोफेसर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष विनीत नायर एचसीएल टेक्नोलॉजिस के सीईओ रहे हैं। उन्होंने अपनी माता, जो सरकारी स्कूल में शिक्षिका थीं, से प्रेरणा लेकर सम्पर्क कार्यक्रम की शुरुआत की।

जशपुर के विद्यार्थियों ने बढ़ाया गौरव

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जशपुर जिले के 15 विद्यार्थियों ने 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में टॉप 10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संपूर्ण राज्य में जिले का गौरव बढ़ाया है। कक्षा 10वीं के 94 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं के 94 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जिससे जशपुर राज्य का सर्वाधिक उत्तीर्णता प्रतिशत वाला जिला बना है। उच्च शिक्षा के साथ-साथ प्राथमिक स्तर पर भी जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा 5वीं में 99.5 प्रतिशत एवं कक्षा 8वीं में 97.3 प्रतिशत परिणाम दर्ज कर जिले ने राज्य स्तर पर विशेष छाप छोड़ी है। जिले में शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु मुख्यमंत्री साय के निर्देशन में विभाग द्वारा जिला स्तर पर सभी प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में चीनी नेतृत्व में तैयार संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र नहीं होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। नतीजा यह हुआ कि एससीओ का संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं हो सका। लेकिन इस सबमें जहां आतंकवाद को लेकर चीन का दोगलापन व पाक प्रेम फिर से उजागर हुआ, वहीं भारत का कड़ा रुख सामने आया। भारत ने चीन व पाकिस्तान समेत एससीओ सदस्य देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली की जीरो टॉलरेंस की नीति है और एससीओ अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हो सकता है। एससीओ की प्रस्तावना में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट लड़ाई की बात है। सबसे हैरान करने वाली बात है कि वो रूस एससीओ के चीनी संयुक्त घोषणा पत्र में भारतीय हितों की अनदेखी पर चुप रहा, जिसने इस समूह में भारत को शामिल कराने के लिए वकालत की थी। अभी भारत व पाक के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान भी अमेरिका व रूस के आचरण भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं रहे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की विदेश नीति ठहर गई है? आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

विदेश नीति में 'स्टैंड' लेने का वक्त

एससीओ सम्मेलन
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि यह अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका।

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) नगर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एक शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में सदस्य देशों द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य तैयार किया गया। संयुक्त वक्तव्य का मकसद निरूपित किया गया कि एससीओ देशों में संयुक्त सुरक्षा प्रबंधन, परस्पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक संयुक्त और कारगर रणनीति का ऐलान करना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज को अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में 11 मार्च को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जफर एक्सप्रेस के अपहरण कांड की वारदात का एक आतंकवादी वारदात के तौर पर बाकायदा उल्लेख किया गया है, लेकिन विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है।

संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर से इनकार

एससीओ सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए पक्षपातपूर्ण संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है और वैश्विक आतंकवाद को किसी भी एक मुल्क के नजरिए से कदाचित देखा और परखा नहीं जा सकता। भारतीय रक्षा मंत्री ने स्पष्ट तौर पर फरमाया कि आतंकवादी वारदातों को कदापि नहीं रोका जा सकता, जब तक कि सभी आतंकवादी वारदातों को निष्पक्षता के साथ देखा और समझा नहीं जाएगा। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत का स्पष्ट नजरिया है कि पक्षपातपूर्ण रवैये और संकीर्णतापूर्ण राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध कामयाबी के साथ कोई भी सामूहिक संघर्ष कदापि अंजाम नहीं दिया जा सकता। इसी कारण से भारत ने संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज पर दस्तखत करने से साफ इनकार कर दिया। भारतीय रक्षा मंत्री एससीओ सम्मेलन में जब तकरीर कर रहे थे, उस वक्त पाकिस्तान के रक्षा मंत्री जनाब ख्वाजा मोहम्मद आसिफ सम्मेलन में विद्यमान थे। अतः भारत द्वारा संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत नहीं किए जाने के परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका। क्योंकि एससीओ चार्टर के प्रावधान के तहत सभी सदस्य देशों की संपूर्ण सहमति से ही कोई संयुक्त वक्तव्य और संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात 26 अप्रैल सन 1996 में चीन के शंघाई नगर में आयोजित एक सम्मेलन में की गई थी। इसमें रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान द्वारा शिरकत की गई थी। शंघाई सम्मेलन में संयुक्त तौर पर इन देशों द्वारा परस्पर सरहदी विवादों को निपटाया गया था। प्रारंभ में इस एससीओ ग्रुप को शंघाई फाइव के नाम से स्थापित किया गया था। भारत, ईरान, पाकिस्तान सन् 2005 से निरंतर एससीओ सम्मेलनों में पर्यवेक्षक देशों के तौर पर शिरकत करते रहे।

रूस का भारत को एकतरफा समर्थन नहीं

2017 में भारत और पाकिस्तान को एससीओ का सदस्य बनाया गया। 2019 में जब भारत ने आर्टिकल 370 को निरस्त किया, रूस ने भारत का प्रबल समर्थन किया। सन् 2023 एससीओ में ईरान को सदस्य बनाया गया। वस्तुतः नीतिगत और कूटनीतिक तौर से एससीओ पर चीन और रूस का निर्णायक प्रभाव कायम रहा है। परम्परागत तौर से रूस सदैव भारत का प्रबल रणनीतिक और कूटनीति पक्षधर देश रहा। एससीओ में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के उद्देश्य से ही रूस की पहल पर भारत को एससीओ में शामिल किया गया था। दुर्भाग्य से पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और प्रायोजित पहलगाम हत्याकांड के प्रतिशोध में भारतीय सेना द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर के दौर में रूस द्वारा भारत को एकतरफा समर्थन प्रदान नहीं किया गया। वरन रूस ने भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की। फरवरी 2022 से प्रारंभ हुए यूक्रेन-रूस युद्ध के दौर में भारत द्वारा रूस का एक तरफा समर्थन नहीं किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए भारत ने मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। रूस द्वारा भी भारत को कूटनीतिक प्रत्युत्तर देते हुए भारत का समर्थन करने के स्थान पर भारत-पाक युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश कर दी। एससीओ सम्मेलन में वस्तुतः चीन द्वारा संयुक्त वक्तव्य का दस्तावेज तैयार किया गया और रूस और अन्य सहयोगियों की सहमति ली गई। अतः चीन की पहल पर तैयार किए गए दस्तावेज में भारत पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का तो कदाचित उल्लेख नहीं किया गया, किंतु बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस के अपहरण को आतंकवादी वारदात करार देकर, उसका बाकायदा उल्लेख किया गया। भारत के लिए कूटनीतिक तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है कि रूस पहले की तरह अब भारत का प्रबल पक्षधर प्रतीत नहीं हो रहा है।

पाक को चीन और रूस का सहारा

ऐसा प्रतीत होता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में रूस किसी हद तक चीन के रणनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव में आ चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के दौर में चीन वस्तुतः भारत का धुर विरोधी और पाकिस्तान का प्रबल समर्थक बनकर उभरा है। तकरीबन साढ़े तीन वर्ष से रूस-यूक्रेन युद्ध निरंतर जारी है। चीन द्वारा रूस को आधुनिकतम सैन्य हथियारों की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। विश्व पटल पर एकदम अलग-थलग पड़े हुए पाकिस्तान को रूस और चीन दोनों का सहारा मिल रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परम मित्र करार दिए जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोलने पर उतारू हो गए हैं। यकीनन अघोषित तौर पर कोल्ड वार के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है। अब विश्व दो परस्पर विरोधी सैन्य खेमों में विभाजित हो चुका है। गुट निरपेक्ष भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक परीक्षा का यह कठिन दौर है। विश्व पटल पर अत्यधिक संतुलनवादी विदेश नीति अपनाते हुए भारतीय कहीं अकेला तो नहीं पड़ रहा है? शिखर सम्मेलन में नौ सदस्य देशों ने शिरकत की। अफगानिस्तान और बेलारूस और मंगोलिया शिखर सम्मेलन में पर्यवेक्षक देश के तौर पर उपस्थित रहे। एससीओ सम्मेलन द्वारा वैश्विक आतंकवाद के ज्वलंत प्रश्न पर पाखंडपूर्ण और दोगली कार्य नीति और रणनीति अख्तियार करने के विरोध में भारत का समर्थन करने और साथ देने के लिए एक भी सदस्य मुल्क आगे नहीं आया। कैसी विचित्र विडंबना है कि पाकिस्तान सरीखा मुल्क जोकि दशकों से वैश्विक आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना रहा है, जिसकी सरजमीं पर जिहादी दहशतगर्दों के सरगना ओसामा बिन लादेन की परवरिश हुई और अलकायदा ने परवान चढ़कर सारी दुनिया में तबाही मचाई है। पहलगाम में नृशंस हत्याकांड अंजाम देने वाले रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा अपना गहरा ताल्लुक लश्कर तैयबा के साथ स्वीकारा है। लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है और जिसको सदैव पाकिस्तान ने पाला पोसा और उसकी तरबीयत की गई है। अब वह पाकिस्तान एससीओ की नजर में आतंकवाद का शिकार एक मुल्क बन गया है। भारत जो कि अनेक दशक से जिहादी आतंकवाद के नृशंस निशाने पर बना रहा है, उस भारत के गहरे ज़ख्मों को जानने और समझने के लिए एससीओ के सदस्य देश तैयार नहीं हैं।

गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा चीन जाकर एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने की एक उपलब्धि अवश्य हो गई है। इस अवसर पर भारत और चीन के मध्य कूटनीति की एक नई इबारत खुलती दिखाई दे रही है। राजनाथ सिंह और उनके समकक्ष चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के मध्य हुई बैठक में सीमा विवाद का समाधान, शांति बहाली और भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य करने को लेकर चार अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा के पुन प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई तो वहीं पाकिस्तान द्वारा समर्थित जिहादी आतंकवाद पर भारत ने चीन को दो-टूक पैगाम भी दे दिया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैद्धांतिक रणनीति करार दिया और यह वक्तव्य ऐसे वक्त में आया जबकि एससीओ द्वारा संयुक्त दस्तावेज में वैश्विक आतंकवाद से जुड़े गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश की गई। उल्लेखनीय है कि इन दिनों भारत और चीन की सरहद पर देपसांग और डेमचौक इलाकों में डिसएंगेजमेंट डील को आखिरी रूप प्रदान किया जा रहा है। चीन और भारत के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात से पहले ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हो चुकी थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत अपनी सरहद पर शांति और सुरक्षा स्थापित करना चाहता है किंतु अपने बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ जाकर कदापि कोई समझौता नहीं करेगा। अब आगे देखना होगा कि विस्तारवादी फितरत का देश चीन चार पाइंट फार्मूले पर कितना अमल अंजाम देता है। वैश्विक पटल पर आज के बेहद मुश्किल दौर में भारत को अपनी विदेश नीति एवं कूटनीति पर क्या फिर से विचार नहीं करना चाहिए? वैश्विक सैन्य संघर्ष पर भारत की तटस्थ खामोशी भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए क्या घातक सिद्ध नहीं हो रही है? हमास बनाम इजरायल जंग में भारत का इजरायल के पक्ष में बयान आतंकवाद के खिलाफ भारतीय नीति का प्रतिफल था। गाजा पर हमास का शासन अवैध है, हमास एक आतंकी गुट है, इसलिए हमास के कृत्य का समर्थन संभव नहीं है। इसलिए जब भी संयुक्त राष्ट्र के पटल पर गाजा में युद्ध विराम करने के प्रस्ताव पेश किए गए, भारत ने मतदान का बॉयकॉट किया। अमेरिका की कयादत में नाटो सैन्य संगठन द्वारा वस्तुतः यूक्रेन को एक मोहरा बनाकर एक सैन्य युद्ध रूस पर थोप दिया गया। भारत द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध पर नाटो ताकत का विरोध ना करके केवल शांति का पैगाम और केवल फरमाया कि आज का दौर यूद्ध का नहीं है वरन विकास का दौर है। परिणाम क्या रहा कि विश्व पटल पर सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस को भारत ने तकरीबन चीन के हाथों गंवा दिया है।

आतंकवाद पर चीन को भारत का सख्त संदेश

कूटनीति
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) सम्मेलन के जरिए भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ जमकर हमला बोला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार करके कड़ा संदेश दिया है कि आतंकवाद के मसले पर दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह मसौदा भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को कमजोर करता है। उन्होंने सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम लिए बिना ही जमकर लताड़ लगाते हुए कहा कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उन्हें उसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के जवाब में ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। आतंकवाद पर दोहरे मानदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि एससीओ के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले को जगह नहीं दी गई जबकि इसी संयुक्त बयान में पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस पर हुए हमले को भरपूर तवज्जो दी मिली है।

चीन-पाकिस्तान की मिलीभगत

मतलब साफ है कि यह कारस्तानी चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत से हुआ है। ऐसे में अगर भारत ड्राफ्ट के मौजूदा स्वरुप पर ऐतराज जताता है तो यह उचित ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मेजबान देश चीन और आतंकी देश पाकिस्तान दोनों को दो टूक सुना दिया कि जब तक संयुक्त बयान में आतंकवाद पर चिंता का जिक्र नहीं होगा, तब तक भारत को यह ड्राफ्ट स्वीकार नहीं होगा। गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एससीओ के मंच से आतंकवाद के मसले पर चीन-पाकिस्तान की कड़ी घेराबंदी की है। वर्ष 2024 में भी पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित एससीओ सम्मेलन में भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने बिना नाम लिए मेजबान देश पाकिस्तान को जमकर लताड़ा था। उन्होंने पाकिस्तान और चीन पर तंज कसते हुए कहा था कि एक अच्छे पड़ोसी के धर्म निभाए जाने की कमी है तो खुद के भीतर झांकने की जरूरत है। तब विदेशमंत्री जयशंकर ने चीन की महत्वाकांक्षी 'वन बेल्ट वन रोड' पहल का समर्थन करने से भी इनकार कर दिया था। उन्होंने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उसकी इजाजत के बिना किसी भी तरह का निर्माण उसकी संप्रभुता का उल्लंघन है और चीन ऐसा ही कर रहा है।

आतंकवाद पर दोहरा आचरण

चीन को समझना होगा कि जब तक वह आतंकवादी देश पाकिस्तान को प्रश्रय देना बंद नहीं करेगा, तब तक वह आतंकवाद के मसले पर फजीहत झेलता रहेगा। रही बात एससीओ के भविष्य की तो यह काफी कुछ इस पर निर्भर रहेगा कि आतंकवाद और क्षेत्रीय संप्रभुता के मसले पर इस संगठन का रवैया क्या रहता है। वैसे हर बार की तरह इस बार भी सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा समेत कई मसलों पर चर्चा हुई। लेकिन आतंकवाद पर जिम्मेदार देशों के दोहरे आचरण से उनका असली चेहरा सामने आ गया। इस सम्मेलन के जरिए भारत एक बार फिर जिम्मेदार वैश्विक भूमिका में दिखा जिसकी चतुर्दिक सराहना हो रही है। यह भारत के पक्ष में जाता है और यही कारण है कि उसकी भूमिका बढ़ रही है। अगर एससीओ की भूमिका सकारात्मक रहती है तो भारत की प्रभावी भूमिका से इस क्षेत्र में उभर रही आतंकी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय खतरों, अवैध ड्रग कारोबार, जैसी चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों को गोलबंद करना आसान होगा। भारत की सदस्यता से पहले संगठन के सदस्य राष्ट्रों का कुल क्षेत्रफल 30 मिलियन 189 हजार वर्ग किमी और जनसंख्या तकरीबन 1.5 बिलियन था। अब भारत के जुड़ जाने से संगठन का क्षेत्रफल व जनसंख्या व्यापक हो गया है। आज की तारीख में यह संगठन विश्व की तकरीबन आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन चुका है। चूंकि इस संगठन ने संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावा यूरोपिय संघ, आसियान, कॉमनवेल्थ और इस्लामिक सहयोग संगठन से भी संबंध स्थापित किए हैं। इस नाते भारत की भूमिका और अधिक व्यापक हो जाती है। गौर करें तो अभी तक एससीओ पर चीन का वर्चस्व रहा है, लेकिन अब भारत की अर्थव्यवस्था चीन के मुकाबले तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में संगठन में भारत की भूमिका और स्वीकार्यता दोनों बढ़ी है। इस कारण चीन के व्यापक प्रभाव में कमी और दृष्टिकोण में बदलाव आ रहा है। संघाई सहयोग संगठन के इतिहास में जाएं तो अप्रैल, 1996 में शंघाई में हुई एक बैठक में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान आपस में एक-दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निपटने के लिए सहयोग करने को राजी हुए। तब इस संगठन को शंघाई फाइव कहा गया। जून 2001 में चीन, रूस और चार मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई संगठन सहयोग शुरू किया और धार्मिक चरमपंथ से निपटने के अलावा व्यापार व निवेश को बढ़ाने के लिए समझौता किया। शंघाई फाइव के साथ उज्बेकिस्तान के आने के बाद इस समूह को शंघाई सहयोग संगठन कहा गया। यह संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसका कार्यालय बीजिंग में है और क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना ताशकंद में है। राज्य प्रमुखों की परिषद इस संगठन का सर्वोच्च निकाय है जिसकी प्रतिवर्ष बैठक होती है। इसके अलावा शासन प्रमुखों की परिषद (एचजीसी) की वार्षिक बैठक होती है। शंघाई सहयोग संगठन में 2008 से डायलॉग पार्टनर यानी वार्ताकार सहयोग की व्यवस्था की गयी है। 2009 के शिखर सम्मेलन में सबसे पहले श्रीलंका और बेलारुस को डायलॉग पार्टनर का दर्जा दिया गया।

बेहतर संबंधों की प्रतिबद्धता

अफगानिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन-अफगानिस्तान कांटेक्ट ग्रुप का हिस्सा है और इस ग्रुप की स्थापना 2005 में की गयी थी। इस संगठन की शिखर बैठकों में संयुक्त राष्ट्र, सीआईएस, यूरेशियन इकोनॉमिक कम्युनिटी एवं सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन यानी सीएसटीओ के प्रतिनिधि भी भाग लेते हैं। 2005 में कजाकिस्तान के आस्ताना में भारत के प्रतिनिधियों ने पहली बार शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लिया और सितंबर 2014 में एससीओ की सदस्यता के लिए आवेदन किया। भारत ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण करने के बाद हर सम्मेलन में यूरेशियाई धरती के लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहरायी। किंगदाओ सम्मेलन में भी भारत ने आतंकवाद पर सख्त संदेश देकर अपनी भावी-प्रभावी भूमिका स्पष्ट कर दी है।

चीनी कुटिलता का जवाब जरूरी था

एससीओ
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में पारित संयुक्त वक्तव्य में आतंक संबंधी भारत की चिंताओं को स्थान न मिलने और पहलगाम आतंकी घटना का उल्लेख न होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के जो भी अंतिम एवं निर्णायक कार्यबिंदु निर्धारित किये गये थे, उनमें आतंक से पीड़ित भारत की व्यापक चिंताओं, वर्षों पुरानी समस्याओं और इस कारण शासन के सम्मुख उभरने वाली कठिनाइयों व चुनौतियों के बारे में कुछ भी वर्णित नहीं था।

स्वाभाविक था कि पहलगाम नरसंहार के ठीक दो माह बाद ही आयोजित इस सम्मेलन के अंतिम निष्कर्षजन्य प्रारूप में पहलगाम की घटना और इस आलोक में पाकिस्तानी आतंक को इंगित करने की दिशादृष्टि ही अदृश्य थी। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत ने किंचित उचित निर्णय लिया है जो एससीओ सम्मेलन की बैठक की निर्णायक नीतियों पर सहमति दर्शाने हेतु हस्ताक्षर नहीं किये। वास्तव में एससीओ का गठन 2001 में हुआ था। तब चीन की दक्षिण एशियाई और दक्षिणी यूरोपीय व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए चीन के नेतृत्व में ही संघाई सहयोग संगठन की नींव रखी गई थी। भारत और पाकिस्तान तो इस संगठन के साथ ठीक 16 वर्ष बाद 2017 में जुड़े थे और 2023 में ईरान ने भी इसकी सदस्यता ग्रहण की थी।

भारत की राह अभी सुगम नहीं

ऐसे में स्वाभाविक है कि आतंकवाद के संबंध में परस्पर संघर्षरत भारत व पाकिस्तान की हितों के अनुसार एससीओ की कार्यकारी नीतियां निर्धारित होने की राह अभी सुगम नहीं है। संगठन के साथ जुड़ने के वरिष्ठता क्रम में भारत व पाकिस्तान दोनों ही देश संगठन के शेष देशों से 16 वर्ष पीछे हैं। ऐसे में भारत के अनुरूप आतंकवाद संबंधी भारतीय चिंताओं को इस संस्था के सामूहिक नीतिगत उद्देश्यों में प्राथमिकता मिलना कठिन प्रतीत होता है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति सौभाग्य से अनुकूल है। एससीओ की स्थापना के 16 वर्ष तक जब भारत इसका सदस्य नहीं था, तब प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में आतंकवाद इस संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और अन्य नीतियों के विषयों में सम्मिलित था ही नहीं। ऐसे में अब पहलगाम के आक्रोशजन्य वातावरण में एससीओ की, चीन के नेतृत्व में संचालित, चिर-परिचित व्यावसायिक नीतियों का अतिक्रमण कर आतंकवाद जैसा विषय प्राथमिकता के आधार पर भावी कार्यसूचियों में स्थान प्राप्त कर लेगा, ऐसा संभव तो नहीं लगता।

भारत को नहीं दी गई वरीयता

सम्मेलन में यह देखने को भी मिला है कि राजनाथ सिंह के आक्रोश व रुष्टता को चीन के नेतृत्व में किसी भी देश ने विशेष वरीयता नहीं दी और अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों ने भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य पर सहमतिपूर्ण हस्ताक्षर न किए जाने के संबंध में कोई विशेष चिंता प्रकट नहीं की। उनके व्यवहार से ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उन्हें इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि एससीओ की देर से सदस्यता प्राप्त करने वाला भारत आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन तथा दक्षिणी यूरोप के प्रमुख देश रूस, इन दोनों के लिए शंघाई सहयोग संगठन में भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करना किंचित सुगम नहीं होगा।

चूंकि भारत ने आर्थिक आधार पर विश्व के चौथे सबसे बड़े देश होने का गौरव प्राप्त कर लिया है तथा रक्षा-सुरक्षा की दृष्टि से भी पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान के विरुद्ध आरंभ किये ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारत ने अपनी नवोन्नत युद्धक तकनीकों, प्रौद्योगिकियों, पराक्रम को भी विश्वस्तरीय होने के रूप में सिद्ध किया है, अतएव एससीओ के किसी भी देश के लिए भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा कर आगे बढ़ना संभव नहीं होगा। एकल रूप में, चीन और पाकिस्तान को छोड़कर, एससीओ के शेष सदस्य देश भारत की आतंकवाद संबंधी चिंताओं और सामूहिक रूप में इसके उन्मूलन की प्राथमिकताओं पर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहमति प्रदान करते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में जब भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक के उन्मूलन के लिए ऑपरेशन सिंदूर जैसा युद्धक अभियान चलाकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका और चीन की भी सामरिक हेकड़ी को लगाम लगाने में सफलता पाई है, तब एससीओ में चीन को अपनी पुरानी प्राथमिकताओं, हितों और रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। साथ ही पाकिस्तान को छोड़कर एससीओ के शेष सदस्य देशों को भी संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और कार्यक्रमों पर भारत की दिशादृष्टि के साथ सर्वथा एक नवदृष्टिकोण तैयार करना होगा, जिसके प्रभाव में भविष्य में एससीओ के सांगठनिक उद्देश्यों को भारत के मार्गदर्शन में एक उदार व समावेशी बोध के साथ प्राप्त किया जा सके। विश्व का कोई भी देश हो जब तक वह अन्य देश की किसी समस्या अथवा समस्याओं से स्वयं पीड़ित नहीं होता, तब तक वह पीड़ित देश की भांति समस्या के निदान हेतु विचारोत्तेजक व कार्यनीतिक दृष्टिबोध से संपन्न नहीं होता। आतंकवाद के संबंध में भारत ऐसा ही पीड़ित देश रहा है और एससीओ के शेष सदस्य देशों की चिंताएं कभी भी सामूहिक रूप में भारत के लिए समाधानमूलक नहीं बन सकी हैं।

शंघाई सहयोग संगठन संगठन का एक सदस्य देश पाकिस्तान, भारत के विरुद्ध आतंक का सिद्धदोषी प्रायोजक रहा है। इसी प्रकार दूसरा सदस्य देश ईरान भी मध्य पूर्व के क्षेत्र में अनेक आतंकी गुटों व समूहों को तैयार करवाकर क्षेत्रीय व राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कराने का दोषी रहा है। रूस और चीन जैसे सदस्य देशों ने पाकिस्तान और ईरान और इनके आतंकी समूहों को अस्त्र-शस्त्र बेचने की अपनी व्यापारिक नीति को हमेशा से संरक्षित किया है।

भारत का निर्णय स्वागत योग्य

भारत, जो एससीओ के सदस्य देशों में से एकमात्र ऐसा देश है जिसने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान द्वारा फैलाये गये आतंक में सर्वाधिक जनधन की हानि उठाई है। इसीलिए, यदि भारत एससीओ का एक महत्वपूर्ण सदस्य है तो इसकी सामूहिक कार्ययोजनाओं में भारत की चिंताओं और आपत्तियों को वरीयता के क्रम में चिन्हित करते हुए उनके समयानुकूल समाधान की दिशा में सांगठनिक प्रयास होने अत्यंत आवश्यक हैं। इस हेतु रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आक्रोश, आपत्ति और संगठन के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर न करने का निर्णय स्वागत योग्य है। यह भारत की विदेश नीति के सशक्त व सुदृढ़ पक्ष का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। इस पर संकल्प के साथ डटे रहकर ही भारत अपने आर्थिक और सामरिक गौरव की रक्षा कर सकता है।

जैन मुनि आचार्य विद्यानंद की 100वीं जयंती पर बोले पीएम

श्रद्धांजलि अर्पित कर बताया भारतीय परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ

दिल्ली में कार्यक्रम में कहा- संतों के प्रयासों को अब पूरे देश का प्रयास बना दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में ॉ कार्यक्रम में जैन मुनि आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम ने उन्हें भारतीय परंपरा का आधुनिक प्रकाश स्तंभ बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी सोच के साथ सरकार देश के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का विकास कर रही है। पीएम मोदी ने आचार्य की विचारधारा और कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राकृत भाषा भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है, लेकिन समय

के साथ इसकी उपेक्षा हुई। उन्होंने बताया कि सरकार ने प्राकृत भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया और भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों को डिजिटाइज करने का काम भी शुरू किया है। हमने आचार्य विद्यानंद जैसे संतों के प्रयासों को अब पूरे देश का प्रयास बना दिया है।

प्राकृत भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया

केंद्र सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का विकास कर रहा

जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो

प्रधानमंत्री ने कहा कि आचार्य विद्यानंद जी का मानना था कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब वह सेवामय हो जाए। यही विचार जैन दर्शन की मूल आत्मा है, और यही भारत की चेतना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत सेवा प्रधान और मानवता प्रधान देश है। दुनिया जब हिंसा से हिंसा को मिटाने में लगी थी, तब भारत ने अहिंसा की शक्ति का मार्ग दिखाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है और यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि हमारे विचार, दर्शन और चिंतन अमर हैं। हमारे ऋषि-मुनि, संत और आचार्य ही इस दर्शन के स्रोत हैं।

प्रधानमंत्री को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की

विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए

इस अवसर पर आयोजकों ने प्रधानमंत्री को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद को इस उपाधि के योग्य नहीं मानता, लेकिन यह हमारे संस्कार हैं कि संतों द्वारा दी गई हर चीज को प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता है। इसलिए मैं इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और मां भारती को अर्पित करता हूं। यह दिन और भी खास है। 28 जून 1987 को ही आचार्य को आचार्य पद की उपाधि मिली थी।

नौ संकल्पों को दोहराया और पालन करने की अपील की

पीएम ने 9 संकल्पों को दोहराया और लोगों से उनका पालन करने की अपील की। संकल्प हैं- पानी बचाना, मां की याद में एक पेड़ लगाना, स्वच्छता, 'वोकल फॉर लोकल', देश में अलग-अलग जगहों की यात्रा करना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, सेहतमंद जीवनशैली।

यह अभूतपूर्व वातावरण का प्रेरक बना

पीएमने कहा कि आचार्य जी उनकी जन्म शताब्दी का ये पून्य पर्व... उनकी अमर प्रेरणाओं से ओत-प्रोत यह कार्यक्रम एक अभूतपूर्व प्रेरक वातावरण का निर्माण हम सबको प्रेरित कर रहा है।

उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे

उन्होंने कहा कि आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तब ये तारीख हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती है। इस अवसर पर आचार्य के चरणों में नमन करता हूं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे, ये प्रार्थना करता हूं।

जो हमें छेड़ेगा..कहते ही लगे 'भारत माता की जय' के नारे : पीएम ने एक जैन संत के प्रवचन का भी जिक्र किया। वे 'ऑपरेशन सिंदूर' को आशीर्वाद दे रहे थे। पीएम ने कहा जो हमें छेड़ेगा..., लोगों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

खबर संक्षेप

बिश्नोई गैंग ने कारोबारी से 30 करोड़ रंगदारी मांगी

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के लिए काम

करने वाले रोहित गोदारा और उसकी गैंग ने कारोबारी से मांगी 30 करोड़ की रंगदारी मांगी है। कारोबारी अशोक चांडक भाजपा से भी जुड़े हैं। चांडक ने एफआईआर दर्ज करवाई है। गोदारा, हैरी बॉक्सर और अन्य के खिलाफ उन्होंने केस दर्ज करवाया है।

गुजरात कांग्रेस उपाध्यक्ष का बेटा गिरफ्तार

भरूच। गुजरात कांग्रेस के उपाध्यक्ष हीरा जोतवा को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कथित मनरेगा घोटाले के मामले में कांग्रेस नेता हीरा जोतवा और उनके बेटे दिग्विजय जोतवा समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों पर मनरेगा में सरकारी धन की हेराफेरी का आरोप है। सरकारी धन की हेराफेरी का बड़ा आरोप है।

पूर्व सांसद के पीए को तलवारों से काटा

लुधियाना। यहां शिरोमणि अकाली दल के पूर्व सांसद जगदेव सिंह तलवंडी के पीए कुलदीप सिंह मुंडियां को कार सवारों ने तलवारों से काट डाला। कुलदीप सिंह शुक्रवार की देर अपनी कार में फार्म हाउस से निकले थे। रास्ते में कार सवार आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और मरते दम तक मारते रहे। वीडियो वायरल हो रहा है।

कोलकाता में छात्रा से दुष्कर्म मामले में नहीं थम रहा बवाल

लॉ कॉलेज का गार्ड भी गिरफ्तार, अब तक 4 पर शिकंजा, प्रदर्शन करते सुकांत हिरासत में

भाजपा ने ममता सरकार पर बोला हमला, इस्तीफा भी मांगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

यहां सामूहिक दुष्कर्म मामले में कोलकाता पुलिस ने बताया है कि लॉ कॉलेज के गार्ड पिनाकी बेनर्जी को भी मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के लिए पुलिस की ओर से हिरासत में लिए गए गार्ड को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा गार्ड को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया। वह गोलमोल जवाब दे रहा था। कॉलेज में उसकी मौजूदगी कॉलेज में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि गार्ड अपनी ड्यूटी में नाकाम रहा। वह जवाब नहीं दे पाया कि उसने क्यों उचित कार्रवाई नहीं की और तीनों आरोपियों को अपराध करने से क्यों नहीं रोका? वह क्यों और किसके कहने पर अपने कमरे से बाहर निकला? वह इसका जवाब भी नहीं दे रहा है।

आरजीकर मामले के बाद फिर बंगाल शर्मसार

तीनों आरोपी पहले से ही गिरफ्तार

इससे पहले कोलकाता के विधि कॉलेज में एक छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी व तृणमूल कांग्रेस के छात्र नेता मनोजीत मिश्रा, जैब अहमद और प्रोमित मुखोपाध्याय को गिरफ्तार किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार पर भी कार्रवाई की

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी छात्रा के गैंगरेप और हत्या के मामले ने सबको हिलाकर रख दिया था। इस मामले में कस्बा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं घटना के बाद से भाजपा इसे लेकर सरकार पर हमलावरहै। भाजपा ने कोलकाता में गैंगरेप केस की जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार को हिरासत में ले लिया है।

प्रदर्शन को दबाने की कोशिश

भाजपा ने मांगा सीएम ममता का इस्तीफा

सीएम घटना की जिम्मेदारी ले

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार ने आरोप लगाया कि बंगाल में महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है और वे बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कि हम यहां महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों का विरोध करने आए थे। पुलिस ने हमें रैली करने की अनुमति नहीं दी। सीएम ममता बनर्जी को सामूहिक बलात्कार की घटना की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री न केवल मुख्यमंत्री हैं, बल्कि हमारी पुलिस मंत्री भी हैं। पुलिसकर्मी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की तरह काम करते हैं। वे हमें विरोध रैली करने से रोक रहे हैं।

टीएमसी के शीर्ष नेताओं के साथ दिखा मुख्य आरोपी

भाजपा ने कहा कि हम सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर ममता से स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं बल्कि हम उनसे माफी मांगने और सीएम पद से इस्तीफा देने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि पीड़िता को हॉकी से पीटा गया। जिस तरह से डरावनी फिल्मों में शैतान महिलाओं के साथ सलूक करते हैं, वैसा ही सलूक टीएमसी के गुंडों ने पीड़िता के साथ किया। वे उसे अस्पताल लेकर नहीं गए। टीएमसी का नेता मनोजीत मिश्रा इसमें मुख्य आरोपी है। उसे अभिषेक बनर्जी, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के साथ भी देखा गया है।

राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

भाजपा नेता और नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए और सेना और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाए। टीएमसी दुष्कर्मियों, भ्रष्टाचारियों और देश विरोधियों की पार्टी है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार में महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। यही पिछले 14 वर्षों से हो रहा है। अब बंगाल के लोगों को सामने आना चाहिए। जो अराजकता का माहौल है और हिंदुओं को वोट देने से रोका जा रहा। जब तक ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर नहीं किया जाएगा तब तक ऐसा होता रहेगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

तत्काल कार्रवाई की जाए, पुलिस सहयोग करे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस घटना को गंभीर बताया। और कहा कि इसने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

मनोहर से नायब ने की मुलाकात

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार मुलाकात की।

नागपुर में बोले सीजेआई गवई

एक संविधान के लिए धारा 370 हटाने का फैसला स्वीकार किया

एजेंसी ▶▶ नागपुर

देश के मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के फैसले को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट रखने के एक ही संविधान की जरूरत है। हमने संसद द्वारा लिए गए धारा 370 को हटाने के फैसले को सर्वसम्मति से स्वीकार किया, ताकि देश में एक ही संविधान चले। देश के एक राज्य में अलग संविधान बाबा साहेब आंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप नहीं था। संविधान के केंद्रीकृत होने को लेकर आंबेडकर की खूब आलोचना की गई थी। बाबा साहेब ने कहा था कि हम देश को सभी चुनौतियों के लिए उपयुक्त संविधान दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान डॉ. आंबेडकर के शब्द याद आ गए

डॉ. आंबेडकर भी पूरे देश के लिए एक संविधान चाहते थे। उन्होंने कहा, आर्टिकल 370 पर सुनवाई के दौरान उन्हें डॉ. आंबेडकर के शब्द याद आ गए थे। सीजेआई नागपुर में संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन पर संबोधित कर रहे थे।

संविधान में तीनों अंगों की सीमाएं तय

सीजेआई ने कहा, संविधान ने सरकार के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की सीमाएं तय की हैं। कानून बनाना विधायिका, विधानसभाओं की जिम्मेदारी है। कार्यपालिका कानून के ढांचे पर काम करती है।

संविधान बदलने की बात आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश है

संविधान को कमजोर करने या बदलने की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे: सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से बार-बार भारतीय संविधान को बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश का हिस्सा है। यह एक सुव्यवस्थित एजेंडा है, जिसका उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित हमारे संविधान की आत्मा पर सीधा आघात करना है।

मीडिया को शनिवार को जारी बयान में सैलजा ने कहा है कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा को संविधान असहज करता है क्योंकि यह संविधान समता, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गारंटी देता है। यही संविधान सदियों से वंचित समाजों को अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता आया है। अब उन्हीं अधिकारों को छीनने की कोशिश की जा रही है। कभी आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सार्वजनिक रूप से संविधान को बदलने की बात करते हैं, तो कभी भाजपा सरकार के मंत्री ऐसे बयानों और नीतियों को बढ़ावा देते हैं जो सीधे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। यह संविधान ही है जिसने भारत को विविधता में एकता के सूत्र में पिरोया, हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर दिए। इसे कमजोर करने या बदलने की किसी भी कोशिश को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सैलजा ने कहा कि वे स्पष्ट करना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी ऐसे किसी भी विचार, नीति या प्रयास का डटकर विरोध करेगी जो संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध हो। बाबा साहेब ने जिस संविधान का निर्माण किया, वह करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के संघर्ष का परिणाम है। उस पर हमला करना दरअसल इन सभी वर्गों की आवाज को दबाने की कोशिश है। हम भाजपा और आरएसएस के इस संविधान विरोधी एजेंडे को देश के हर कोने में बेनकाब करेंगे। हम जनता को जागरूक करेंगे, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। सैलजा ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए यह समय एकजुट होने का है। वे देश के तमाम संवेदनशील, जागरूक और न्यायप्रिय नागरिकों से अपील करती हैं कि वे साजिश को नकारें। कांग्रेस और वे स्वयं इस लड़ाई में सबसे आगे खड़े रहेंगे। संविधान को कोई छू नहीं सकता, जब तक जनता जागरूक और संगठित है।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद तेज

विधायकों के साथ चल रहीं बैठकें, जल्द बनेगी नई सरकार

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में

एक बार फिर से लोकप्रिय सरकार बनाने की कोशिशें चल रही हैं। इस समय मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। भाजपा के राज्य कार्यालय में एक कार्यक्रम से इतर सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राज्य में जल्द ही एक नई सरकार बनेगी।

बीरेन बोले-हमारा फोकस संकट पर

बीरेन ने कहा हम जल्द सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जमीनी स्थिति को देखने के बाद मुझे पूरा भरोसा है कि सरकार जल्द बनेगी। भाजपा और उसके सहयोगी भी एक लोकप्रिय सरकार चाहते हैं। हम लोकप्रिय सरकार की वापसी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने (भाजपा) किसी की आलोचना नहीं की है। हम केवल मौजूदा संकट पर फोकस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से बातचीत जारी है।

केरल के स्कूलों में जुंबा डांस पर विवाद

इस कार्यक्रम पर मुस्लिम संगठनों ने जताई आपत्ति

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के स्कूलों में छात्रों का तनाव कम करने शुरू किए गए जुंबा डांस कार्यक्रम

को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की पहल पर यह फिटनेस प्रोग्राम लागू किया गया था, ताकि स्कूली छात्रों में बढ़ते तनाव को कम किया जा सके और नशे की लत जैसी समस्याओं से उन्हें दूर रखा जा सके। लेकिन इस कदम पर राज्य के कुछ मुस्लिम संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

एक साथ डांस में नैतिकता होगी प्रभावित

मुख्यमंत्री ने हाल ही में सुझाव दिया था कि कक्षा 8 से जुंबा सत्र स्कूलों में लागू किए जाएं। इसके बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को जुंबा की ट्रेनिंग देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। लेकिन कुछ मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह कदम छात्रों की नैतिकता को प्रभावित कर सकता है, विशेषकर तब जब लड़के और लड़कियां एक साथ यह डांस करते हैं।

रथ यात्रा में पत्नी संग पहुंचे अडाणी

शुरू की 'प्रसाद सेवा', अपने हाथों से बनाया

पुरी। बिजनेस मैन गौतम अडानी ने पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा में हिस्सा लिया। अडानी परिवार के साथ2 दिन तक पुरी में रहेंगे।ी समूह ने पुरी धाम में 'प्रसाद सेवा' शुरू की है। ये प्रसाद 26 जून से 8 जुलाई तक रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की 'सेवा' के लिए है। अडानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी पत्नी प्रीति के साथ मंदिर परिसर में प्रसाद भी अपने हाथों से बनाया।

हिमाचल में भारी बारिश ने प्रदेशभर में मचाई तबाही

31 की मौत, कई लापता और 53 सड़कें बंद

- **29.16 करोड़ का नुकसान सप्ताह भर में**
- **66 लोग अब तक घायल**

135 बिजली ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं ठप

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार हिमाचल में 20 जून को मानसून आने के बाद से 27 जून तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोग लापता हैं, जबकि 66 लोग घायल हुए हैं। इसमें सांप के काटने, डूबने, सड़क हादसों के अलावा पानी में बहे लोगों के आंकड़े भी शामिल हैं। भारी बारिश से प्रदेश को सप्ताह में ही 29.16 करोड़ का नुकसान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को 2 करोड़ 743.40 लाख का हुआ है। 6 घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं जबकि 8 क्षतिग्रस्त हुए हैं।

प्रदेश भर में 53 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। 135 बिजली ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं ठप होने से हजारों लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। राज्य में सबसे अधिक नुकसान कुल्लू जिले में दर्ज किया गया है, जहां 23 सड़कें बंद हैं। निरमंड और आनी उपमंडलों में जलापूर्ति और बिजली व्यवस्था ठप गई है। जिले में 74 ट्रांसफार्मर और 118 पेयजल योजनाएं काम नहीं कर रही हैं।

ऑरेंज अलर्ट घोषित

मौसम विभाग ने आगामी 3 जुलाई तक भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। विशेष रूप से 29 जून को भारी बारिश की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर

नदी-नाले उफने, पानी घरों में घुसा ऋषिकेश का रास्ता बना खतरनाक

ऋषिकेश। यहां वर्षा के जलते नदी नाले उफान पर आ गए। विभिन्न स्थानों पर जलभराव है। ऋषिकेश मार्ग में भी जगह-जगह जल भराव एवं भारी मलबा आ गया। इसके अलावा एयरपोर्ट के अंदर से आया पानी लोगों के घरों मे घुस गया। घर में रखा सामान भीग गया और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। मोलधार अठुरवाला में बनी पुलिया के नीचे कूड़ा व बरसाती मलबा भर जाने से बरसाती पानी ओवरफ्लो हो गया और घरों व दुकानों के आसपास भर गया। सुसवा नदी उफान पर दिखी।

स्मॉलकैप कंपनियां फिर उड़ान भरने को तैयार, दे सकती है अच्छा मुनाफा

● लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाकर लगाएं पैसा ● पिछले माह निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 14.7% में तेजी ● अब स्मॉलकैप में निवेश का हो सकता है सही वक्त ● 74% स्मॉलकैप कंपनियों की ऑपरेशनल एफिशिएंसी बेहतर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बाजार के परिदृश्य को देखते हुए स्मॉलकैप कंपनियां एक बार फिर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। ये कंपनियां लंबी अवधि में निवेशकों को अच्छा मुनाफा दे सकती हैं। जो लोगों को मालामाल कर देगीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने भारतीय शेयर बाजार में स्मॉलकैप शेयरों ने जबरदस्त तेजी दिखाई, जबकि निफ्टी 50 केवल मामूली बढ़ा। मार्च तिमाही के नतीजों से पता चला कि 74% स्मॉलकैप कंपनियों की ऑपरेशनल एफिशिएंसी बेहतर हुई है। 'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी से भी स्मॉलकैप कंपनियों को नई उड़ान मिल रही है, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए सुनहरा मौका है। पिछला महीना भारत की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अच्छा रहा। वैश्विक चुनौतियों और सीमा-पार तनावों के बावजूद मई महीने में भारतीय शेयर बाजारों ने तेज रिकवरी दिखाई। शेयर बाजारों में जहां एक ओर लार्जकैप इंडेक्स सीमित दायरे में घूमते रहे, वहीं असली हलचल स्मॉलकैप शेयरों में दिखी। ये छोटी कंपनियां उन निवेशकों के लिए सुनहरा मौका बन रही हैं, जो लंबी अवधि के लिए पोर्टफोलियो बनाना चाहते हैं।

स्मॉलकैप कंपनियों की विशेषताएं

- **उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न :** स्मॉलकैप कंपनियों में निवेश करने से उच्च रिटर्न मिल सकता है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है क्योंकि इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित हो सकता है।
- **नए और छोटे व्यवसाय :** स्मॉलकैप कंपनियां अक्सर नए और छोटे व्यवसाय होते हैं जो अपने उत्पादों या सेवाओं को बाजार में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।
- **विकास की गुंजाइश :** स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की गुंजाइश अधिक होती है, जिससे निवेशकों को आकर्षित किया जा सकता है।
- **कम तरलता :** स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों में तरलता कम हो सकती है, जिससे निवेशकों को अपने शेयर बेचने में कठिनाई हो सकती है।

स्मॉलकैप कंपनियां वे होती हैं जिनका मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होता है, आमतौर पर ये नए या छोटे व्यवसाय होते हैं, जिनमें विकास की गुंजाइश अधिक होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। सेबी के अनुसार, स्मॉलकैप कंपनियां वे होती हैं जो मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में 251वें स्थान से नीचे आती हैं।

बढ़ रहा रिटर्न

मार्च तिमाही के नतीजों के बाद एक अहम ट्रेंड सामने आया- टॉप 250 स्मॉलकैप कंपनियों में से 74% का रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉइड दो अंकों में रहा। इसका मतलब यह है कि ये कंपनियां न केवल मुनाफा कमा रही हैं, बल्कि इनकी ऑपरेशनल एफिशिएंसी भी बेहतर हो रही है। इससे निवेशकों में स्मॉलकैप के प्रति भरोसा पैदा होगा और एक बार फिर निवेशक इन फंडों में निवेश कर अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकेंगे।

स्मॉलकैप में निवेश का बढ़ता मौका

फिलहाल देखा जाए तो वैल्यूएशन की दृष्टि से बाजार में अभी एक अच्छा मौका है। बहुत सारे छोटे कंपनियों के शेयर अपने असली दाम से काफी सस्ते मिल रहे हैं। इसका मतलब है कि आप अच्छे बिजनेस वाले शेयर कम कीमत में खरीद सकते हैं। स्मॉलकैप शेयरों को ज्यादा जोखिम और ज्यादा मुनाफा वाली प्रोफाइल के लिए जाना जाता है, इसलिए इन्हें अक्सर कम रिस्क लेने वाले निवेशकों की पोर्टफोलियो में नजरअंदाज किया जाता रहा है, लेकिन अब इस सोच में बदलाव आ रहा है। जब बाजार में उतार-चढ़ाव कम हो रहा है, तो निवेशकों का रुख भी पॉजिटिव हो रहा है और वे ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं। यह बदलाव व्यापक सूचकांकों में भी दिखा है। जहां पिछले महीने निफ्टी 50 ने केवल 2.6% की मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 ने प्रभावशाली 14.7% की तेजी दिखाई है।

लंबी अवधि में जबरदस्त मुनाफे के मौका

स्मॉलकैप यानी छोटी कंपनियों के शेयर, लंबे समय में बहुत अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। पिछले 7 सालों में इन कंपनियों ने औसतन हर साल करीब 27.6% का मुनाफा दिया है, जो बड़ी कंपनियों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। इन कंपनियों का दायरा भी काफी बड़ा होता है। ये बैंकिंग, हेल्थकेयर, एफएमसीजी और पावर जैसे कई सेक्टरों में ये फैली होती हैं। इसका मतलब है, आपको निवेश के लिए अलग-अलग इंडस्ट्री में मौके मिलते हैं।

'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी से स्मॉलकैप कंपनियों को नई उड़ान

ग्लोबल स्तर पर देखें तो भारत को 'चाइना प्लस वन' स्ट्रेटजी का बड़ा फायदा मिल रहा है। इस स्ट्रेटजी के तहत कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपनी मैन्युफैक्चरिंग भारत की तरफ शिफ्ट कर रही हैं। इससे देश में इंडस्ट्रियल ग्रोथ तेज होगी और खासतौर पर स्मॉलकैप मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को स्केलेबिलिटी और विस्तार का बड़ा मौका मिलेगा। आज के बदलते बाजार में स्मॉलकैप शेयर निवेशकों को एक अलग तरह का एक्सपोजर देते हैं। जहां कम कीमत पर निवेश के साथ कमाई की बड़ी संभावना होती है जो लोग लंबी अवधि के लिए निवेश सोच रहे हैं और थोड़ा रिस्क लेने को तैयार हैं, उनके लिए यह वक्त स्मॉलकैप में निवेश बढ़ाने और पोर्टफोलियो को मजबूत करने का सही मौका है।

पांच साल के रिटर्न चार्ट पर स्मॉलकैप फंड सबसे आगे

टॉप 25 में 13 स्कीम ने 33 से 38% सालाना मिला रिटर्न दिया, म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी हाई रिटर्न का बेहतर विकल्प है, निवेश के लिए लक्ष्य कम से कम 5 से 7 साल का रखना होना जरूरी

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

यदि आप भी निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप कओगरी आपके लिए निवेश का बढ़िया विकल्प साबित हो सकती है। इसके लिए आपको थोड़ा सयंम के साथ निवेश का लक्ष्य तय करना होगा। इस श्रेणी में अच्छा रिटर्न लेने के लिए आपको निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 से 7 साल को लेकर चलना होगा। फाइनेंशियल एडवाइजर्स की यह सलाह रिटर्न चार्ट देखकर बिल्कुल सही साबित होती है। बीते 5 साल या 60 महीनों के दौरान रिटर्न के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले म्यूचुअल फंड स्कीम पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने बाजी मार ली है। 5 साल के टॉप 25 स्कीम में 13 स्कीम स्मॉलकैप फंड कैटेगरी की हैं, जिनमें 33 से 38 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिल रहा है। 5 साल में 38 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न से कैलकुलेशन करें तो यह रिटर्न करीब 5 गुना होता है। यानी 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न वाली स्कीम ने 5 साल में निवेशकों का पैसा 5 गुना बढ़ा दिया। वहीं, 33 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न से कैलकुलेशन करें तो यह करीब 4 गुना रिटर्न होगा। इसका मतलब है कि 33 फीसदी सीएजीआर रिटर्न वाली स्कीम ने 5 साल में निवेशकों का पैसा 4 गुना बढ़ा दिया।

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड टॉपर

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड 5 साल में 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न के साथ न सिर्फ स्मॉलकैप कैटेगरी का बल्कि ओवरआल भी टॉपर रहा है। इस फंड ने 5 साल में 1 लाख का निवेश 5 लाख रुपये बना दिया। इसके बाद बेहतर प्रदर्शन करने वाली टॉप 5 में शामिल अन्य स्कीम बंधन स्मॉलकैप फंड ने 37.32% एनुअलाइज्ड रिटर्न, बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड ने 36% एनुअलाइज्ड रिटर्न, इडेलवाइस स्मॉलकैप फंड ने 35.50% एनुअलाइज्ड रिटर्न और एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड ने 35.35% रिटर्न दिया है।

ये हैं 5 साल के टॉप 13 फंड

1. **निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड : 38%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.50% सालाना रहा है. फंड का लेटेस्ट एयूएम 63,007 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.65% है।
2. **बंधन स्मॉलकैप फंड : 37.32%**
   ये स्कीम 25 फरवरी 2020 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 35.23% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 11,744 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.39% है।
3. **बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड : 36%**
   ये स्कीम 19 दिसंबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 28.40% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 1,819 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.53% है।
4. **इडेलवाइस स्मॉलकैप फंड : 35.50%**
   ये स्कीम 7 फरवरी 2019 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 27.84% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 4,580 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.43% है।
5. **एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड : 35.35%**
   ये स्कीम 12 मई 2014 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 21.12% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 16,061 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.63% है।
6. **टाटा स्मॉलकैप फंड : 35%**
   ये स्कीम 12 नवंबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.31% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 10,529 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.34% है।
7. **इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड : 35%**
   ये स्कीम 30 अक्टूबर 2018 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.74% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 6,823 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.44% है।
8. **केनरा रोबोको स्मॉलकैप फंड : 34.80%**
   ये स्कीम 15 फरवरी 2019 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 25.64% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 12,368 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.47% है।
9. **एचडीएफसी स्मॉलकैप फंड : 34.33%**
   ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 20% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 34,032 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.73% है।
10. **कोटक स्मॉलकैप फंड : 33.55%**
    ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 20.26% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 17,329 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.55% है।
11. **आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड : 33.17%**
    ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 17.84% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 8,254 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.73% है।
12. **सुंदरम स्मॉलकैप फंड : 33%**
    ये स्कीम 1 जनवरी 2013 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 18.72% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 3,311 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.86% है।
13. **एलआईसी एमएफ स्मॉलकैप फंड : 32.65%**
    ये स्कीम 21 जून 2017 को लॉन्च हुई थी और तब से इसका रिटर्न 16.13% सालाना रहा है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 576 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 0.92% है।

फाइनेंशियल एडवाइजर्स भी बोले, लक्ष्य तय कर लंबी अवधि के लिए निवेश करें, निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड 5 साल में 38 फीसदी सीएजीआर रिटर्न के साथ टॉपर

ज्यादा रिटर्न के लिए लोग रिस्क लेने को तैयार, एमएफ में बढ़ रहा निवेश का क्रेज

ऑप्शन
बिजनेस डेस्क

●
अब कम हो रहा बैंक एफडी का क्रेज, निवेश के नए ऑप्शन ढूंढ़ रहे लोग
●
अब लोग बैंक में पैसे जमा करने के बजाय म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश कर रहे
●
यहां उन्हें ज्यादा फायदा लाभ मिल रहा, एसआईपी के जरिये निवेश ज्यादा पॉपुलर

बढ़ती महंगाई के इस जमाने में लोग निवेश के नए-नए विकल्प खोज रहे हैं। निवेशकों में बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है। यही कारण है कि बैंक एफडी की लोकप्रियता काफी कम हो रही है। भारतीय लोग अब बैंक में पैसे जमा करने के बजाय दूसरी जगहों पर निवेश कर रहे हैं। आजकल लोगों के बीच में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसी जगह निवेश के लिए ज्यादा पॉपुलर हो रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन जगहों पर बैंक से ज्यादा फायदा मिल रहा है। यह जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चली है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लोगों की बैंक टर्म डिपॉजिट्स (एफडी, आरडी) में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2020 के अंत में 50.54% थी। वित्त वर्ष 2025 के अंत में यह घटकर 45.77% हो गई। इसका मतलब है कि लोग अब बैंकों में पहले जितना पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। वे निवेश के दूसरे विकल्पों पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। चूंकि इन विकल्पों में उन्हें एफडी से ज्यादा लाभ मिल रहा है जो महंगाई को मात देने में सक्षम है। अब लोग लंबी अवधी के लिए एसआईपी के जरीये और शेयर बाजार में निवेश को ज्यादा महत्व दे रहे है। महंगाई के दौर को देखते हुए लोग अब ज्यादा रिस्क लेने को भी तैयार हैं, ताकि भविष्य के लिए कम समय में अच्छा पैसा एकत्र कर सकें। इसलिए भी निवेशकों में फिक्स डिपोजिट यानी बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है।

ब्याज दरों में हुआ बदलाव

जानकारों का कहना है कि इस दौरान ब्याज दरों में बदलाव हुआ है। रिजर्व बैंक ने कोविड महामारी के दौरान मार्च 2020 से मई 2022 के बीच प्रमुख रेपो दर को 115 बेसिस पॉइंट्स (1.15 प्रतिशत अंक) तक कम कर दिया था। फिर बाद में इसे 225 बेसिस पॉइंट्स तक बढ़ा दिया। हाल ही में, रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को कम करना शुरू कर दिया है। उसने फरवरी में 25 बेसिस पॉइंट्स, अप्रैल में 25 बेसिस पॉइंट्स और इस महीने की शुरुआत में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है। कुल मिलाकर, ब्याज दरें 1 प्रतिशत कम हो गई हैं। इससे भी लोगों में एफडी के प्रति रुझान कम हुआ है और लोगों ने एफडी की बजाय एसआईपी में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है।

म्यूचुअल फंड में बढ़ी हिस्सेदारी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि बचत जमा में व्यक्तियों की हिस्सेदारी पिछले पांच सालों में लगभग 77% पर स्थिर रही है। इसका मतलब है कि लोग अभी भी बचत खाते में पैसा रख रहे हैं। वे म्यूचुअल फंड में भी खूब निवेश कर रहे हैं। अप्रैल तक 23 करोड़ म्यूचुअल फंड अकाउंट्स में से 91% खाते व्यक्तियों के हैं। मई 2021 में यह आंकड़ा 10 करोड़ से थोड़ा ही ज्यादा था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

अलग-अलग कर रहे बचत

रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों के एक रिसर्च पेपर के अनुसार, भारतीय परिवारों की वित्तीय बचत के पोर्टफोलियो में बदलाव देखा गया है। इसका मतलब है कि लोग अब अपनी बचत को अलग-अलग जगहों पर लगा रहे हैं। बैंकों में जमा की हिस्सेदारी समय के साथ कम हुई है, जबकि इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा है। वही लोग शेयर बाजार, गोल्ड और सिल्वर में भी निवेश को बढ़ावा देने लगे हैं।

गिरावट का कारण यह भी

एक बड़े बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि जमा में गिरावट का कारण यह है कि लोगों की बचत कम हो रही है और वे शेयर बाजार जैसे अन्य निवेश विकल्पों में ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। म्यूचुअल फंड के प्रबंधन के तहत संपत्ति 30 अप्रैल को बढ़कर 69.50 लाख करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2020 के अंत में यह 22.26 लाख करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में लोगों का निवेश बहुत तेजी से बढ़ा है। एक अन्य बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा कि यह बाजार की वजह से है, लेकिन जरूरी नहीं कि जनसांख्यिकी के कारण हो।

रिस्क ले रहे लोग

दिसंबर 2024 में रिजर्व बैंक के एक पेपर में कहा गया था कि बचत करने वालों का तरीका बदल रहा है। साल 2022 में 17.8% भारतीय परिवारों ने जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश किया था। वहीं साल 2019 में यह आंकड़ा 15.7% था। जोखिम वाली संपत्तियां मतलब ऐसी जगहें जहां पैसा डूबने का खतरा होता है, जैसे कि शेयर बाजार।

क्या है एफडी में निवेश

एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) में निवेश एक प्रकार का निवेश है जिसमें आप एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे को बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान में जमा करते हैं और बदले में एक निश्चित ब्याज दर प्राप्त करते हैं।

- निश्चित आय: एफडी में निवेश करने से आपको एक निश्चित आय प्राप्त होती है जो आपके पैसे को बढ़ाने में मदद करती है।
- जोखिम मुक्त: एफडी में निवेश जोखिम मुक्त होता है क्योंकि आपका पैसा बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान के पास जमा होता है।
- लिक्विडिटी: एफडी में निवेश करने से आपको अपने पैसे को आवश्यकता पड़ने पर निकालने की सुविधा होती है, हालांकि इसमें कुछ शर्तें और जुर्माना हो सकता है।
- कर लाभ: एफडी पर ब्याज आय पर कर लगता है, लेकिन कुछ प्रकार के एफडी जैसे कि टैक्स सेवर एफडी पर कर लाभ मिलता है।

एसआईपी में निवेश के लाभ

- एसआईपी में निवेश एक प्रकार का निवेश है जिसमें आप नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि का निवेश म्यूचुअल फंड में करते हैं।
- नियमित निवेश: एसआईपी में निवेश करने से आपको नियमित अंतराल पर निवेश करने की आदत पड़ती है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी में निवेश करने से आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ मिलता है, जिससे आपको बाजार की उतार-चढ़ाव से बचने में मदद मिलती है।
- लंबी अवधि का निवेश: एसआईपी में निवेश करने से आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने का अवसर मिलता है, जिससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है।
- विविधीकरण: एसआईपी में निवेश करने से आपको विभिन्न प्रकार के म्यूचुअल फंड में निवेश करने का अवसर मिलता है, जिससे आपको अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद मिलती है।

कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो अपनाएं म्यूचुअल फंड्स ट्रेप्स का फंडा

» *ट्रेप्स के जरिये कर सकते हैं अच्छी कमाई, हर निवेशक रखे जानकारी*

» *यह टूल न तरलता को आसानी से मैनेज करने में मदद करता है*

» *यह रिटर्न भी बढ़ाता है और पोर्टफोलियो को भी मजबूत बनाता है*

» *एफएफ के लिए बेहतर रिटर्न, सुरक्षित निवेश और शानदार लिक्विडिटी*

» *ट्रेप्स में एक पार्टी ट्रेजरी बिल्स को दूसरी पार्टी को बेचती है*

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्या म्यूचुअल फंड्स को कम जोखिम में ज्यादा रिटर्न मिल सकता है? तो इसका जवाब है हां! ट्रेप्स (ट्रेजरी बिल्स रीपरचेज) नाम के स्मार्ट टूल से म्यूचुअल फंड्स अपनी लिक्विडिटी को मैनेज करते हुए रिटर्न बढ़ाते हैं और पोर्टफोलियो को मजबूत बनाते हैं। ये टूल उन्हें न सिर्फ अपनी तरलता को आसानी से मैनेज करने में मदद करता है, बल्कि रिटर्न भी बढ़ाता है और पोर्टफोलियो को भी मजबूत बनाता है। ट्रेप्स की मदद से म्यूचुअल फंड्स सरकार की सिक्योरिटीज़ का सहारा लेते हुए शॉर्ट-टर्म में फंड्स खरीदने और बेचने का काम कर सकते हैं। तो चलिए, जानते हैं कि ट्रेप्स कैसे काम करता है और ये क्यों म्यूचुअल फंड्स के लिए एक शानदार टूल है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि यह सरकारी सिक्योरिटीज पर बेस्ड शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट का तरीका कैसे काम करता है और आपके निवेश को कैसे बेहतर बना सकता है।

ट्रेप्स यानी 'ट्रेजरी बिल्स रीपरचेज' एक शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट का तरीका है, जो निवेशकों को इस्तेमाल ना होने वाले पैसों से रिटर्न कमाना में मदद करता है। इसे खासतौर पर बैंक, फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन और म्यूचुअल फंड्स इस्तेमाल करते हैं, ताकि वो अपनी कमाई को बढ़ा सकें। ट्रेप्स में एक पार्टी ट्रेजरी बिल्स को दूसरी पार्टी को बेचती है और फिर एक तय तारीख और कीमत पर इन्हें वापस खरीदने का समझौता करती है. ये लेन-देन सरकार की सिक्योरिटी से सुरक्षित होता है, इसलिए इसमें जोखिम कम होता है। मान लीजिए, किसी म्यूचुअल फंड के पास ज्यादा पैसा पड़ा है और वो उसे ऐसा निवेश करना चाहता है, जिसमें लिक्विडिटी बनी रहे। तब वो उस पैसे को ट्रेप्स के जरिए निवेश कर सकता है। इस तरीके से म्यूचुअल फंड को बिना पैसा जमा किए ही ब्याज मिल जाता है और उसकी लिक्विडिटी भी बनी रहती है।

म्यूचुअल फंड्स में कैसे काम करता है ट्रेप्स

मान लीजिए, किसी म्यूचुअल फंड को अचानक बड़े अमाउंट की जरूरत पड़ गई, जैसे कि कस्टमर्स के द्वारा पैसे निकालने के कारण। ऐसे में वह ट्रेप्स का इस्तेमाल कर सकता है। इससे उसे अपनी लंबी अवधि के इन्वेस्टमेंट्स को नुकसान में बेचने की जरूरत नहीं होती। ट्रेप्स सरकारी सिक्योरिटीज पर बेस्ड होते हैं, इसलिए ये काफी सुरक्षित माने जाते हैं। ट्रेप्स म्यूचुअल फंड्स के लिए एक शानदार तरीका है, जो उन्हें सेफ्टी, लिक्विडिटी और बेहतर रिटर्न्स का अच्छा संतुलन देता है।

ट्रेप्स के प्रमुख फायदे

- निवेशकों के लिए ज्यादा रिटर्न्स : जब बाजार में ब्याज दरें बढ़ी होती हैं, तो ट्रेप्स के जरिए म्यूचुअल फंड्स अपनी खाली पड़ी नकदी से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसमें वह उस फंड का इस्तेमाल करते हैं, जिसे वह उस समय शेयर मार्केट में निवेश नहीं करना चाहते हैं।
- नियमों का पालन : सेबी ने यह नियम बनाया है कि म्यूचुअल फंड्स को अपनी लिक्विड एसेट का एक हिस्सा ट्रेप्स में निवेश करना होगा। इससे निवेशकों को यह भरोसा मिलता है कि उनके पैसे सुरक्षित हैं और सभी नियमों का पालन हो रहा है।
- फास्ट लिक्विडिटी : ट्रेप्स की सबसे अच्छी बात यह है कि म्यूचुअल फंड्स को जल्दी से पैसा मिल जाता है। जब किसी को पैसे की जरूरत होती है, तो ट्रेप्स से वे जल्दी नकदी ले सकते हैं।

- डायवर्सिफिकेशन : म्यूचुअल फंड्स के पोर्टफोलियो को अलग-अलग प्रकार के निवेशों में बांटना जरूरी है, ताकि जोखिम कम हो। ट्रेप्स इस डायवर्सिफिकेशन में मदद करता है और म्यूचुअल फंड्स को बाजार की उतार-चढ़ाव से बचाता है।
- ट्रेप्स म्यूचुअल फंड्स के लिए एक बेहतरीन तरीका है, जो उन्हें ज्यादा रिटर्न्स, सुरक्षित पोर्टफोलियो और पैसे की सुरक्षा देता है।

ट्रेप्स की विशेषताएं

- अल्पकालिक निवेश : ट्रेप्स अल्पकालिक निवेश विकल्प है जिसमें निवेश की अवधि आमतौर पर कुछ दिनों से लेकर कुछ महीनों तक होती है।
- सरकारी समर्थन : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको सरकारी समर्थन मिलता है, जो इसे एक सुरक्षित निवेश विकल्प बनाता है।
- लिक्विडिटी : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको उच्च लिक्विडिटी मिलती है, जिससे आप अपने पैसे को आवश्यकता पड़ने पर निकाल सकते हैं।

ट्रेप्स के लाभ

- सुरक्षित निवेश : ट्रेप्स एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकारी समर्थन होता है।
- निश्चित आय : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको निश्चित आय प्राप्त होती है।
- लिक्विडिटी : ट्रेप्स में निवेश करने से आपको उच्च लिक्विडिटी मिलती है।

खबर संक्षेप

दीक्षा और वाणी जर्मन मास्टर्स में शीर्ष 10 में

हैम्बर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर और वाणी कपूर यहां अमुंडी जर्मन मास्टर्स के दूसरे दौर के बाद संयुक्त आठवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं। दीक्षा दूसरे दौर में पार 73 का कार्ड खेलने के बाद शीर्ष पांच से संयुक्त आठवें स्थान पर खिसक गयी जबकि वाणी तीन अंडर 70 का कार्ड खेलकर इस पायदान पर पहुंची। टूर्नामेंट में भाग ले रही नौ भारतीयों में से वाणी और दीक्षा के अलावा सिर्फ अवनि प्रशांत ही कट में प्रवेश करने में सफल रही। अवनि एक ओवर 74 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर है। त्वेसा मलिक (74-76), स्नेहा सिंह (78-75), अमनदीप द्राल (78-75), हिताशी बख्शी (79-81) और विधात्री उर्स (93-87) कट से चूक गईं जबकि नेहा त्रिपाठी पहले दौर के बाद रिटायर हो गई थी।

बांग्लादेश व पाकिस्तान की टी-20 सीरीज में 20 जुलाई से होगी भिड़ंत

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को अगले महीने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज की मेजबानी करनी है, जिसके लिए कार्यक्रम की घोषणा की गई है। 20 जुलाई से टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। तीन मैचों की सीरीज के सभी मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। बता दें कि यह दोनों देशों के बीच इस साल दूसरी टी-20 सीरीज है। 16 जुलाई को बांग्लादेश पहुंचेगी पाकिस्तानी टीम पीसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान की पुरुष टीम अगले महीने 3 मैचों की द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में भाग लेने के लिए बांग्लादेश की यात्रा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज इसकी पुष्टि की। सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम 16 जुलाई को ढाका में पहुंचेगी।

राही, मेहुली और नीरज राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में शीर्ष पर

देहरादून। ओलंपियन राही सरनोबत, मिश्रित टीम राइफल एशियाई चैंपियन मेहुली घोष और नौसेना के नीरज कुमार शनिवार को यहां राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल तीन और चार के अपने फाइनल में शीर्ष पर रहे। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल में 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने फाइनल में 40 हिट लगाए और महाराष्ट्र की अभिदन्या अशोक पाटिल से छह अंक आगे रहीं जिन्होंने 34 अंक बनाए। हरियाणा की विभूति भाटिया ने 27 अंक बनाकर पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। एयर राइफल में महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में मेहुली ने 253.6 अंक बनाकर टी4 फाइनल जीता। रेलवे की मेघना एम सज्जनार 253.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सोनम उत्तम मास्कर 231.4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। नौसेना के नीरज रहे शीर्ष पर नौसेना के निशानेबाज नीरज ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) टी3 फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

इन मैदानों पर भारतीय टीम को मिली सिर्फ हार, टेस्ट जीतना अब तक नामुमकिन

एजेंसी ▶▶| लीड्स

भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में हार मिली थी। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम दूसरे टेस्ट में 2 जुलाई से एजबेस्टन के मैदान पर अपनी चुनौती पेश करेगी। दिलचस्प रूप से भारत ने एजबेस्टन के मैदान पर अब तक कोई टेस्ट नहीं जीता है। इस बीच उन मैदानों के बारे में जानते हैं, जिनमें भारत ने कोई टेस्ट नहीं जीता (कम से कम 6 टेस्ट खेलने के बावजूद) है।

ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर

भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 4 में टीम को हार मिली है। इस बीच 5 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। भारत का इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर 432 रन है। भारतीय टीम के यहां पर सबसे कम स्कोर 58 रन है। इस मैदान पर भारत ने अपना आखिरी टेस्ट 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेला था, जिसे मेजबान टीम ने जीता था।

केंसिंग्टन ओवल, ब्रिजटाउन

भारतीय टीम को ब्रिजटाउन का केंसिंग्टन ओवल मैदान बिलकुल भी रास नहीं आता है। इस मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 7 में शिकस्त झेली है। इस बीच उनके 2 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत का इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर 347 रन है। भारतीय टीम के यहां पर सबसे कम स्कोर 81 रन है। इस मैदान पर भारत ने अपना आखिरी टेस्ट 2011 में खेला, जो ड्रॉ रहा था।

एजबेस्टन, बर्मिंघम

भारत ने एजबेस्टन में 8 टेस्ट (1967-2022) खेले, जिसमें से 7 में उन्हें हार मिली थी और सिर्फ 1 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। इस मैदान पर भारत का सर्वोच्च टीम स्कोर 416 रन रहा था। वहीं, सबसे कम स्कोर 92 रन रहा था। इस मैदान में भारत का इकलौता ड्रॉ 1986 में आया था। कपिल देव उस मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे थे।

इन मैदानों पर भी नहीं जीत सकी भारतीय टीम

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में भारत ने 7 टेस्ट खेले थे, जिसमें से 2 में टीम हारी और 7 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए थे। कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत की जीत का खाता नहीं खुल सका था। इस मैदान पर भारत ने 6 मैच खेले, जिसमें 3 में शिकस्त झेली और इतने ही मैच ड्रॉ रहे। गुयाना के बौर्डा स्टेडियम में भारत ने 6 टेस्ट खेले और सभी ड्रॉ रहे थे।

19.60 की औसत से की गेंदबाजी, 46 मैचों में चटकाए 210 विकेट

टेस्ट क्रिकेट की गेंदबाजी औसत में बुमराह भारत के नंबर 1 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज की असली ताकत उसके औसत से पहचानी जाती है। भारत ने इस खेल को कई नामी गेंदबाज दिए हैं, लेकिन जब बात सबसे कम औसत की होती है, तो सिर्फ आंकड़े बोलते हैं। अभी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। आइए इस बीच 200 से ज्यादा विकेट लेने वाले उन भारतीय गेंदबाजों पर नजर डालते हैं, जिनकी औसत सबसे शानदार है।

जसप्रीत बुमराह

(19.60 की औसत)

पहले स्थान पर भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। साल 2018 में टेस्ट डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज की औसत 19.60 की है। वे भारत के एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने 200 से अधिक विकेट लिए हैं और जिनकी गेंदबाजी औसत 20 से कम है। बुमराह ने 46 मैचों की 88 पारियों में अब तक 210 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने 14 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/27 का रहा है।

मोहम्मद शमी (27.71 की औसत)

भारतीय टीम के एक और स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 64 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उनकी औसत 27.71 की रही है। उन्होंने 122 पारियों में 229 विकेट चटकाए हैं। शमी ने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/56 का रहा है। अभी यह खिलाड़ी चोटिल होने के कारण टेस्ट टीम से बाहर चल रहा है।

रविचंद्रन अश्विन

(24 की औसत)

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारत के पूर्व अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने भारत के लिए 106 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत सिर्फ 24 की रही। अश्विन ने अपने करियर में 37 बार 5 विकेट हॉल लिए। उन्होंने 200 पारियों में कुल 537 विकेट प्राप्त किए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/59 का रहा। अश्विन ने पहला टेस्ट साल 2011 में और अंतिम टेस्ट 2024 में खेला था।

रविंद्र जडेजा

(24.59 की औसत)

भारत के हरफनमौला खिलाड़ी रविंद्र जडेजा इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अब तक 81 टेस्ट मैचों में भाग लिया है और उनकी गेंदबाजी औसत 24.59 की रही है। जडेजा ने 152 पारियों में कुल 324 विकेट प्राप्त किए हैं। उन्होंने 15 बार एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 7/42 का रहा है। इस खिलाड़ी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था।

क्रिकेट

हेजलवुड के पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन दिन में हराया

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

आस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड के पांच विकेट की मदद से वेस्टइंडीज को 141 रन पर आउट करके पहला टेस्ट तीसरे दिन के भीतर ही 159 रन से जीत लिया। वेस्टइंडीज को कठिन पिच पर जीत के लिये 301 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पूरी टीम 33.4 ओवर में आउट हो गई।

हेजलवुड ने 12 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट अगले बृहस्पतिवार से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में खेला जायेगा।वेस्टइंडीज ने आठ विकेट 86 रन पर ही गंवा दिये थे लेकिन हरफनमौला जस्टिन ग्रीवेस और दसवें नंबर के बल्लेबाज शामार जोसेफ ने नौवे विकेट के लिये 55 रन की साझेदारी की । ग्रीव्स 38 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि जोसेफ ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 44 रन की पारी खेली जिसमें चार छक्के शामिल थे।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने दिखाया दम

आस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 92 रन से आगे खेलना शुरू किया था। ट्रेविस हेड (61), ब्यू वेबस्टर (63) और एलेक्स कैरी (65) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 310 रन तक पहुंचाया और उसे 300 रन की बढ़त मिली। इससे पहले आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 180 रन के जवाब में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाये थे।

जूनियर हॉकी विश्व कप ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान पूल बी में

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। मेजबान भारत को शनिवार को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के पूल बी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है जिसका आयोजन इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह यहां एफआईएच मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस चरण में पहली बार 24 टीमें भाग लेंगी।

दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ कोलंबो में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरा मैच को पारी और 78 रन से जीत लिया। चौथे दिन सिर्फ 28 मिनट में बचे हुए चार विकेट गिराकर श्रीलंका ने मैच पर कब्जा कर लिया और दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अहम अंक भी बटोर लिए। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन बांग्लादेश का स्कोर 38.4 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन था। चौथे दिन मेहमान टीम की नजर पारी से हार टालने पर थी लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने बांग्लादेश के किसी बैटर को टिकने नहीं दिया। चौथे दिन

सिर्फ 34 गेंद में ही बांग्लादेश की दूसरी पारी सिमट गई। चौथे दिन पहले सेशन में ही 5.4 ओवर में ही श्रीलंका ने मैच और सीरीज दोनों जीत ली।

मैच के हीरो रहे निसंका

मैच के हीरो रहे पाथुम निसंका, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार मिले। उन्होंने इस टेस्ट में 158 रन की पारी खेली जबकि पहले टेस्ट में उन्होंने 187 रन बनाए थे।

जयसूर्या ने चटकाए 5 विकेट

स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने चौथे दिन कमाल की गेंदबाजी की और 5 विकेट चटकाए। उन्होंने कुल 5/56 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका 12वां फाइव विकेट हॉल है। कोलंबो टेस्ट के चौथे दिन की तीसरी ही गेंद पर जयसूर्या ने लिटन दास को विकेट के पीछे कैच कराया। अगली ही ओवर में उन्होंने नईम हसन को बेवकूफ बनाकर कुसल मेंडिस से स्टंपिंग करा दी। विकेटकीपर कुसल मेंडिस पिछले दिन वह चोट के चलते मैदान पर नहीं थे।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज की कप्तानी संभालेंगे चरिथ असलंका

कोलंबो। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी 2 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम की घोषणा की है। चरिथ असलंका की कप्तानी में श्रीलंका क्रिकेट टीम इस घरेलू सीरीज में अपनी चुनौती पेश करेगी। मिलन रथनायके का टीम में चयन किया गया है। लेकिन उनका खेल पाना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 2 जुलाई को होने वाले मैच से होगी। इसके बाद दूसरा मैच 5 जुलाई और तीसरा मैच 8 जुलाई को खेला जाएगा। श्रीलंकाई टीम में कुसल मेंडिस, अविष्का फर्नांडो और वनिंदु हसरंगा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को चुना गया है। इस समय बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल कर रहे पथुम निसांका भी वनडे टीम में चुने गए हैं।

मंधाना का पहला टी20 शतक, श्री चरणी के चार विकेट, भारत 97 रन से जीता

एजेंसी ▶▶| नॉटिंघम

कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना (112) के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के बाद पदार्पण करने वाली स्पिनर श्री चरणी (12 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां पहले मैच में इंग्लैंड को 97 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार है। मंधाना इस तरह हर प्रारूप में शतक जड़ने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। उनकी यह पारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की सर्वश्रेष्ठ पारी है। मंधाना ने इस तरह हरमनप्रीत कौर की 103 रन की पारी को पीछे छोड़ दिया। शुरू से ही आक्रामक रवैया अख्तियार करने वाली मंधाना की 15 चौके और तीन छक्के जड़ित 62 गेंद की पारी की बदौलत भारत ने पांच विकेट पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च स्कोर भी है। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की टीम को शुरू से ही दबाव में ला दिया और पावरप्ले तक उसके तीन विकेट झटक लिए। कप्तान नैट साइवर ब्रंट (66 रन) के अर्धशतक के बावजूद मेजबान टीम 14.5 ओवर में 113 रन ही बना सकी। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने एलिस कैप्से के रूप में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। इस 20 साल की गेंदबाज ने 3.5 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट झटके। दीप्ति शर्मा ने तीन ओवर में 32 रन देकर दो और राधा यादव ने दो ओवर में 15 रन देकर दो विकेट झटके। अमनजोत कौर और अरूधंती रेड्डी ने एक एक विकेट झटके। इससे पहले नियमित कप्तान हरमनप्रीत की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई कर रही मंधाना और शेफाली वर्मा (20 रन) ने पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 77 रन की भागीदारी निभाई।

जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 14 से

त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टी-20 टीम घोषित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने वाली त्रिकोणीय टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया है। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम में एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है। श्रीलंका के खिलाफ पिछली सीरीज में हिस्सा लेने वाले अनकैप्ड बल्लेबाज बेवोन जैकब्स ने टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। हालांकि, केन विलियमसन के लिए कोई जगह नहीं है। विलियमसन ने खुद को इस दौरे के लिए अनुपलब्ध बताया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वह वर्तमान में मिडिलसेक्स के साथ एक डील के तहत जुड़े हुए हैं, जिसमें हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के लिए खेलना भी शामिल है।

ये प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं उपलब्ध

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम में कई अहम खिलाड़ी नहीं हैं। तेज गेंदबाज बेन सीयर्स चोट के कारण बाहर हैं, जबकि लॉकी फर्ग्यूसन के वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए आराम दिया गया है। काइल जैमीसन भी इस दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

ऐसी है न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड की टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउल्केस, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओरुके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सेफर्ट और ईश सोढ़ी।

टीम को लेकर बोले कोच रॉब वाल्टर

आगामी दौरे के साथ टीम के नए कोच रॉब वाल्टर के कार्यकाल की भी शुरुआत हो जाएगी। उन्होंने अपने पहले दौरे के लिए उत्सुकता व्यक्त की। वाल्टर ने टीम पर भरोसा जताते हुए कहा, मुझे लगता है कि इस दौरे के लिए हमारे पास वास्तव में एक मजबूत टीम है और मैं टीम को एक साथ लाने और काम पर लगने के लिए उत्सुक हूं। हमारे पास टीम में कुछ अच्छे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।

14 जुलाई से शुरू होगी त्रिकोणीय सीरीज

इस त्रिकोणीय सीरीज के सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। सीरीज का फाइनल 26 जुलाई को खेला जाएगा। 14 जुलाई, जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका। 16 जुलाई, दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड। 18 जुलाई, जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड। 20 जुलाई, जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका। 22 जुलाई, न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका। 24 जुलाई, जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड। 26 जुलाई, टीबीसी बनाम टीबीसी, फाइनल, हरारे स्पोर्ट्स क्लब।

तन्वी, आयुष शेट्टी अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| लोवा (अमेरिका)

भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ी तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन बैडमिंटन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सोलह वर्ष की तन्वी ने 33 मिनट के भीतर मलेशिया की ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी कारूपाथेवन लेतशाना को 21-13, 21-16 से हराया। आयुष ने जूनियर विश्व चैम्पियन चीनी ताइपै के कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराया।

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरूष युगल में हरिहरन अम्साकारूनन और रूबान कुमार आर को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चियांग चियेन और वेइ वू सुआन यि ने 21-9, 21-19 से मात दी। तन्वी का सामना अब यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से होगा जबकि आयुष की टक्कर शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन से होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

भारत-फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास | दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ा

भारतीय सेना ने दिखाई जबरदस्त रणनीतिक कुशलता और तालमेल

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ

दोनों देशों के मध्य रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा में मजबूत कदम उठे

एजेंसी ▶▶ पेरिस

भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास शाक्ति-8 दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग और परिचालन स्तर की तालमेल को और मजबूत कर रहा है। यह अभ्यास फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में स्थित कैंप लारजैक, ला कावालरी में आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास में भारत की तरफ से जम्मू-कश्मीर राइफल्स बटालियन के करीब 90 सैनिक भाग ले रहे हैं, जबकि फ्रांसीसी सेना की ओर से 13वीं डेमी-ब्रिगेड डे लेजियन एत्रांजेरे (विदेशी सेना ब्रिगेड) हिस्सा ले रही है।

अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया

ये सैन्य युद्ध अभ्यास शहरी और अर्ध-विकसित इलाकों में किया गया। इस दौरान दोनों सेनाओं ने शहरी युद्ध, बाधा पार करने, संयुक्त गश्त और सैनिकों की तैनाती जैसे कई मिशन-विशेष अभ्यास किए। ये सभी अभ्यास वास्तविक युद्ध स्थितियों के अनुरूप किए गए, जिससे सैनिकों की रणनीतिक लचीलापन और फुर्ती में सुधार हुआ।

96 घंटे का तीव्र फील्ड अभ्यास

इस अभ्यास का विशेष आकर्षण रहा चार दिन यानी 96 घंटे तक चलने वाला हाई-इंटेंसिटी फील्ड ऑपरेशन। इसमें दोनों देशों की सेनाओं ने एक साथ मिलकर बहु-आयामी युद्ध परिदृश्य को अंजाम दिया। इस दौरान सैनिकों की सहनशक्ति, फैसले लेने की क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा ली गई।

इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और ड्रोन-रोधी प्रशिक्षण

इस कड़ी में विशेषज्ञ टीमों ने रेडियो सिग्नल पकड़ने, उन्हें जाम करने, स्पेक्ट्रम नियंत्रण और ड्रोन निष्क्रिय करने जैसे आधुनिक तकनीकों का अभ्यास किया।

हिंद महासागर में नहीं चलेगी अब चीन की दादागीरी, देश ने बढ़ाया दबदबा

श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड में भारत ने 51% के साथ ली नियंत्रण हिस्सेदारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपए) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलेगी। यह भारत के सबसे बड़े शिपयार्ड द्वारा पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। यह कंपनी पनडुब्बियों, युद्धपोतों और अन्य जहाजों का निर्माण करता है। यह कदम भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक 'रणनीतिक पैर जमाने' में भी मदद करेगा। इस क्षेत्र में चीन अपनी बैठ बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह डील बहुत ही महत्वपूर्ण है।

क्षेत्रीय समुद्री शक्ति वैश्विक शक्ति में बदलेगी

एमडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने बताया कि सीडीपीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक 'गेटवे' है। कोलंबो पोर्ट पर सीडीपीएलसी की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।

सीडीपीएलसी को 50 से अधिक वर्षों का अनुभव

सीडीपीएलसी के पास जहाज निर्माण, मरम्मत और भारी इंजीनियरिंग का 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी जापान, नॉर्वे, फ्रांस, यूएई, भारत और कई अफ्रीकी देशों के लिए जटिल ऑफशोर सपोर्ट वेसल, केबल-लेइंग जहाज, टैंकर और गश्ती नौकाएं बना चुकी है। कंपनी वर्तमान में लगभग 300 मिलियन डॉलर की रियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसमें केबल-लेइंग शिप, मल्टीपर्पज यूटिलिटी शिप और फ्लीट सपोर्ट वेसल्स शामिल हैं।

सौदा 4 से 6 माह में पूरा होगा

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है। इसने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2029 का पहली बार 'भारत' में आयोजन

» भारत की खेल अवसंरचना की मिली वैश्विक मान्यता

» भारत ने इन खेलों के 8 बार भाग लेकर 1400 पदक जीते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पहली बार 2029 में प्रतिष्ठित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स (विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों) की मेजबानी करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत को मिली इन खेलों की मेजबानी को प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात करार दिया है। गुजरात के अहमदाबाद को इन खेलों का आयोजन होगा। वर्ष 1985 से विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल हर दो वर्ष में एक बार आयोजित किए जाते हैं। अपने 'एक्स' पोस्ट में शाह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में विकसित विशाल खेल अवसंरचना की वैश्विक मान्यता है। अहमदाबाद को इस आयोजन का स्थल चुना जाना इसे अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करता है।

ऑल इंडिया पुलिस गेम्स से होगा चयन

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन सालाना ऑल इंडिया पुलिस गेम्स के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। देश में पुलिस खेलों का संचालन ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड करता है, जिसके अंतर्गत 53 सदस्य संगठन हैं, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राज्य पुलिस बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं। यह बोर्ड हर वर्ष 40 राष्ट्रीय स्तर के पुलिस खेल आयोजन करता है, और इनमें से हर खेल के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टीम के लिए चुना जाता है। वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स एक द्विवर्षीय (हर दो साल में) आयोजन है जिसकी शुरुआत 1985 में हुई थी। अब तक इसके 20 संस्करण हो चुके हैं, जिनमें से अमेरिका में 8 बार, कनाडा में 5 बार, यूरोप में 4 बार, ब्रिटेन में 2 बार और चीन में 1 बार यह आयोजन हुआ है। ये खेल पुलिस, अग्निशमन, आपात, आपदा सेवाओं और घटना के वक्त सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए हैं।

भारत की भागीदारी और उपलब्धियां

भारतीय पुलिस की टीम ने पहली बार 2007 में एडिलेड में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में भाग लिया था। तब से लेकर अब तक भारत ने इन खेलों के 8 संस्करणों में भाग लेकर कुल 1400 से अधिक पदक जीते हैं। सबसे हालिया 20वें संस्करण का आयोजन 26 जुलाई से 6 अगस्त 2023 के बीच कनाडा के विनिपेग में हुआ था। जिसमें भारतीय पुलिस के 133 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर 343 पदक जीते जिनमें 224 स्वर्ण, 82 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। यह भारतीय दल के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था।

पहलगाम का दौरा करेगी संसदीय समिति, जमीनी हालात की करेगी समीक्षा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद अब एक संसदीय समिति वहां दौरा करने जा रही है। यह इस हमले के बाद पहला आधिकारिक दौरा होगा, जिसका उद्देश्य जमीनी हालात की समीक्षा करना और प्रशासनिक व सुरक्षा उपायों का जायजा लेना है। यह दौरा कोयला, खान और इस्पात से संबंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कर रहे हैं। समिति का यह विस्तृत दौरा मुंबई, कूर्ग और श्रीनगर जैसे शहरों को कवर करेगा। संसदीय समिति कश्मीर दौरे की शुरुआत जम्मू से करेगी। जहां शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अहम बैठकें आयोजित होंगी। जम्मू दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन भी करेगा, जिसके बाद वह वंदे भारत एक्सप्रेस से श्रीनगर रवाना होगा। श्रीनगर में समिति द्वारा क्षेत्रीय विकास, आतंकवाद के प्रभाव, आम नागरिकों की स्थिति और पर्यटन पर असर जैसे अहम विषयों पर बैठकें की जाएंगी।